त्रिवेणी गाउँपालिकाको आवधिक गाउँ शिक्षा योजना
(२०८१ -२०९०)

त्रिवेणी गाउँपालिका
गाउँकार्यपालिकाको कार्यालय
शिक्षा, युवा तथ खेलकुद शाखा,
सिम्रुतु खारानेटा, रुकुम पश्चिम
२०८१

संरक्षक

श्री गणेश कुमार केसी, अध्यक्ष
श्री राज कुमारी रेउले खड्का, उपाध्यक्ष
श्री यज्ञ बहादुर भण्डारी, प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत

योजना निर्माण कार्यदल

संयोजकः श्री रण बहादुर पुन, संयोजक, सामाजिक विकास समिति
सदस्यः श्री डिल्ली बहादुर मल्ल, अध्यक्ष ,शिक्षक महासंघ
सदस्यः श्री पदम बहादुर बस्नेत, अध्यक्ष, विद्यालय व्यवस्थापन समिति
सदस्य : श्री प्रेम बहादुर पुन, स्वास्थ्य शाखा प्रमुख, त्रिवेणी गापा
सदस्यः श्री सिर्जना वली, महिला तथा बालबालिका शाखा प्रमुख
सदस्य : श्री डिल्ली बहादुर खड्का, प्रधानाध्यापक
सदस्य : श्री लिलामणि दाहाल प्रशासन सहायक शिक्षा शाखा
सदस्य : श्री योगेन्द्र बुढा, समाज जागरण केन्द्र सुर्खेत
सदस्य सचिवः श्री सुरेश पुन मगर, शिक्षा शाखा प्रमुख, शिक्षा युवा तथा खेलकुद शाखा

लेखन उप-समिति

श्री लक्ष्मण वली
श्री टोप बहादुर चन्द
श्री रणविर डाँगी
श्री कुवेर वली
श्री विर्ख बहादुर केसी
श्री निर्मला वली
श्री विवेक वली
श्री पूर्ण बहादुर खड्का
श्री चन्द्र बहादुर केसी
श्री नवराज खड्का
श्री खड्क बहादुर वली
श्री खम्ब बहादुर खत्री
श्री चोपलाल वली
श्री नरेन्द्र दाहाल
श्री डिल्ली वली
श्री लता केसी
श्री चन्द्रमणी वली
श्री यज्ञ बहादुर मल्ल
श्री नरेन्द्र बहादुर पुन
श्री गुलावसिंह वली
श्री टिकाराम खड्का
श्री गोपाल वली

प्राविधिक सहयोय

यूनिसेफ नेपाल
समाज जागरण केन्द्र (स्याक) नेपाल, वीरेन्द्रनगर सुर्खेत
USAID किर्डाक नेपाल (समतामूलक र समावेशि शिक्षा कार्यक्रम)
प्रकाशन मिति : २०८१

क) भूमिका..Error! Bookmark not defined.
ख) शिक्षा योजना निर्माणको आवश्यकता र औचित्य.........................Error! Bookmark not defined.
ग) शिक्षा योजना निर्माणका आधारहरु ....Error! Bookmark not defined.
घ) शिक्षा योजना निर्माणको प्रक्रिया ....Error! Bookmark not defined.
परिच्छेद १ : परिचय..Error! Bookmark not defined.
१.१ वर्तमान अवस्था..Error! Bookmark not defined.
क) परिचय तथा भौगोलिक अवस्थिति...Error! Bookmark not defined.
ख) जनसाङ्ख्यि संरचना..Error! Bookmark not defined.
ग) सामाजिक तथा सांस्कृतिक अवस्था..Error! Bookmark not defined.
घ) आर्थिक अवस्था..Error! Bookmark not defined.
ङ) शैक्षिक अवस्था ....Error! Bookmark not defined.
१.२ मुख्य समस्या तथा चुनौतीहरु ....Error! Bookmark not defined.
परिच्छेद- २ (दुई)..Error! Bookmark not defined.
दूरदृष्टि, उद्देश्य, रणनीति तथा लक्ष्य निर्धारण ....Error! Bookmark not defined.
२.१-गाउँ शिक्षाको आवश्कता, सन्दर्भ र औचित्य............................Error! Bookmark not defined.
२.२ दूरदृष्टि...Error! Bookmark not defined.
२.३ लक्ष्य ....Error! Bookmark not defined.
२.४ उद्देश्य...Error! Bookmark not defined.
२.५ रणनीतिहरु ....Error! Bookmark not defined.
२.६ कार्यनीति...Error! Bookmark not defined.
२.७ अपेक्षित उपलब्धिहरु ....Error! Bookmark not defined.
२.८ शिक्षा योजनाका कार्यसम्पादन सूचक र लक्ष्य निर्धारण ....Error! Bookmark not defined.

परिच्छेद ३ : शिक्षाका मुख्य उपक्षेत्रहरु ....**Error! Bookmark not defined.**

३.१ प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षा..**Error! Bookmark not defined.**

३.१.१ वर्तमान अवस्था ....**Error! Bookmark not defined.**

३.१.२ उद्देश्य...**Error! Bookmark not defined.**

३.१.३ रणनीति ....**Error! Bookmark not defined.**

३.१.४ प्रमुख उपलब्धि तथा नतिजा ....**Error! Bookmark not defined.**

३.१.५ प्रमुख क्रियाकलाप र परिमाणात्मक लक्ष्य.............................**Error! Bookmark not defined.**

३.२ आधारभूत शिक्षा..**Error! Bookmark not defined.**

३.२.१ परिचय ....**Error! Bookmark not defined.**

३.२.२ उद्देश्य...**Error! Bookmark not defined.**

३.२.३ रणनीति ....**Error! Bookmark not defined.**

३.२.४ प्रमुख उपलब्धि तथा नतिजा ....**Error! Bookmark not defined.**

३.२.५ प्रमुख क्रियाकलाप तथा परिमाणात्मक लक्ष्य..........................**Error! Bookmark not defined.**

३.३ माध्यमिक शिक्षा...**Error! Bookmark not defined.**

३.३.१ वर्तमान अवस्था ....**Error! Bookmark not defined.**

३.३.२ उद्देश्यहरु...**Error! Bookmark not defined.**

३.३.३ रणनीति ....**Error! Bookmark not defined.**

३.३.४ प्रमुख उपलब्धि तथा नतिजा ....**Error! Bookmark not defined.**

३.३.५ प्रमुख क्रियाकलाप तथा परिमाणात्मक लक्ष्य..........................**Error! Bookmark not defined.**

३.४ प्राविधिक शिक्षा तथा व्यावसायिक तालिम ....**Error! Bookmark not defined.**

३.४.१ वर्तमान अवस्था ....**Error! Bookmark not defined.**

३.४.२ उद्देश्य...**Error! Bookmark not defined.**

३.४.३ रणनीतिहरु ....**Error! Bookmark not defined.**

३.४.४ उपलब्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य....................**Error! Bookmark not defined.**

३.४.५ प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य..**Error! Bookmark not defined.**

३.५ अनौपचारिक शिक्षा र आजीवन सिकाइ ....**Error! Bookmark not defined.**

३.५.२ उद्देश्य...**Error! Bookmark not defined.**

३.५.३ रणनीति...**Error! Bookmark not defined.**

३.५.४ प्रमुख उपलब्धि तथा नतिजा...**Error! Bookmark not defined.**

३.५.५ प्रमुख क्रियाकलाप र परिमाणात्मक लक्ष्य............................**Error! Bookmark not defined.**

परिच्छेद ४ : अन्तरसम्बन्धीत विषय तथा क्षेत्र ....**Error! Bookmark not defined.**

४.१ पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तक, सिकाइ सामग्री तथा मूल्याङ्कन................**Error! Bookmark not defined.**

४.१.१ वर्तमान अवस्था...**Error! Bookmark not defined.**

४.१.२ उद्देश्य...**Error! Bookmark not defined.**

४.१.३ रणनीति...**Error! Bookmark not defined.**

४.१.४ प्रमुख उपलब्धि तथा नतिजा...**Error! Bookmark not defined.**

४.१.५ प्रमुख क्रियाकलाप र परिमाणात्मक लक्ष्य............................**Error! Bookmark not defined.**

४.२ शिक्षक व्यवस्थापन र विकास ....**Error! Bookmark not defined.**

४.२.१ वर्तमान अवस्था ....**Error! Bookmark not defined.**

४.२.२ उद्देश्य...**Error! Bookmark not defined.**

४.२.३ रणनीति...**Error! Bookmark not defined.**

४.२.४ प्रमुख उपलब्धि तथा नतिजा...**Error! Bookmark not defined.**

४.२.५ प्रमुख क्रियाकलाप र परिमाणात्मक लक्ष्य............................**Error! Bookmark not defined.**

४.३ शैक्षिक समता र समावेशीकरण..**Error! Bookmark not defined.**

४.३.१ वर्तमान अवस्था ....**Error! Bookmark not defined.**

४.३.२ उद्देश्य...**Error! Bookmark not defined.**

४.३.३ रणनीति .... **Error! Bookmark not defined.**

४.३.४ प्रमुख उपलब्धि तथा नतिजा .... **Error! Bookmark not defined.**

४.३.५ प्रमुख क्रियाकलाप र परिमाणत्मक लक्ष्य.......................... **Error! Bookmark not defined.**

४.४ विद्यालय पोषण तथा स्वास्थ्य कार्यक्रम .... **Error! Bookmark not defined.**

४.४.१ वर्तमान अवस्था .... **Error! Bookmark not defined.**

४.४.२ उद्देश्य... **Error! Bookmark not defined.**

४.४.३ रणनीति .... **Error! Bookmark not defined.**

४.४.४ प्रमुख उपलब्धि तथा नतिजा.. **Error! Bookmark not defined.**

४.४.५प्रमुख क्रियाकलापहरु र लक्ष्य .... **Error! Bookmark not defined.**

४.५ विद्यालय सुरक्षा, विपत् तथा उत्थानशीलता.............................. **Error! Bookmark not defined.**

४.५.१. वर्तमान अवस्था .... **Error! Bookmark not defined.**

४.५.२ उद्देश्य... **Error! Bookmark not defined.**

४.५.३ रणनीति... **Error! Bookmark not defined.**

४.५.४ प्रमुख उपलब्धि तथा नतिजा .... **Error! Bookmark not defined.**

४.५.५ प्रमुख क्रियाकलाप र परिमाणात्मक लक्ष्य......................... **Error! Bookmark not defined.**

४.६ विद्यालय भौतिक पूर्वाधार विकास....................................... **Error! Bookmark not defined.**

४.६.१ वर्तमान अवस्था .... **Error! Bookmark not defined.**

४.६.२ उद्देश्य... **Error! Bookmark not defined.**

४.६.३ रणनीति .... **Error! Bookmark not defined.**

४.६.४ प्रमुख उपलब्धि तथा नतिजा .... **Error! Bookmark not defined.**

३.४.५ प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य .... **Error! Bookmark not defined.**

४.७ विद्यालय सूचना तथा सञ्चार प्रविधि.................................... **Error! Bookmark not defined.**

४.७.१ वर्तमान अवस्था .... **Error! Bookmark not defined.**

४.७.२ उद्देश्य..**Error! Bookmark not defined.**

४.७.३ रणनीति ....**Error! Bookmark not defined.**

४.७.४ प्रमुख उपलब्धि तथा नतिजा ....**Error! Bookmark not defined.**

३.४.५ प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य ....**Error! Bookmark not defined.**

परिच्छेद ५ अन्य उपक्षेत्र तथा अन्तरसम्बन्धीत विषयहरु ....**Error! Bookmark not defined.**

५.१ उच्च शिक्षाको व्यवस्थापन ....**Error! Bookmark not defined.**

५.१.१ वर्तमान अवस्था ....**Error! Bookmark not defined.**

५.१.२ उद्देश्य..**Error! Bookmark not defined.**

५.१.३ रणनीतिहरु ....**Error! Bookmark not defined.**

५.१.४ उपलब्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य ....**Error! Bookmark not defined.**

५.२ सामुदायिक पुस्तकालय...**Error! Bookmark not defined.**

५.२.१ वर्तमान अवस्था ....**Error! Bookmark not defined.**

५.२.२ उद्देश्यहरु...**Error! Bookmark not defined.**

५.२.३ रणनीतिहरु ....**Error! Bookmark not defined.**

५.२.४ उपलब्धि तथा नतिजा ....**Error! Bookmark not defined.**

५.२.५ मुख्य क्रियाकलापहरुः..**Error! Bookmark not defined.**

५.३ युवा तथा खेलकुद विकास...**Error! Bookmark not defined.**

५.३.१ वर्तमान अवस्था ....**Error! Bookmark not defined.**

५.३.२ उद्देश्य..**Error! Bookmark not defined.**

५.३.३ रणनीतिहरु ....**Error! Bookmark not defined.**

५.३.४ मुख्य उपलब्धि, र नतिजा ....**Error! Bookmark not defined.**

५.३.५ मुख्य क्रियाकलापहरुः..**Error! Bookmark not defined.**

परिच्छेद ६ : सुशासन तथा व्यवस्थापन ....**Error! Bookmark not defined.**

६.१ शिक्षाको व्यवस्थापन तथा सस्थागत क्षमता विकास.....................**Error! Bookmark not defined.**

६.१.१ वर्तमान अवस्था ....**Error! Bookmark not defined.**

६.१.२ उद्देश्य...**Error! Bookmark not defined.**

६.१.३ रणनीतिहरु..**Error! Bookmark not defined.**

६.१.४ प्रमुख उपलब्धि र नतिजा ....**Error! Bookmark not defined.**

६.१.५ मुख्य क्रियाकलापहरु...**Error! Bookmark not defined.**

६.२ स्थानीय शिक्षा योजना कार्यान्वयनको प्रबन्ध ....**Error! Bookmark not defined.**

६.२.१ परिचय ....**Error! Bookmark not defined.**

६.२.२ उद्देश्य...**Error! Bookmark not defined.**

६.२.३ रणनीतिहरु. ....**Error! Bookmark not defined.**

६.२.४ उपलब्धि, तथा नतिजा ....**Error! Bookmark not defined.**

६.२.५ प्रमुख क्रियाकलापहरु तथा लक्ष्य ....**Error! Bookmark not defined.**

परिच्छेद ७ : लगानी स्रोत व्यवस्थापन ....**Error! Bookmark not defined.**

७.१ वर्तमान अवस्था...**Error! Bookmark not defined.**

७.२ उद्देश्य..**Error! Bookmark not defined.**

७.३ रणनीतिहरु ....**Error! Bookmark not defined.**

७.४ प्रमुख क्रियाकलापहरु र परिमाणात्मक लक्ष्य..........................**Error! Bookmark not defined.**

७.५ योजनाको वार्षिक वजेट तर्जुमा प्रक्रिया...................................**Error! Bookmark not defined.**

७.६ योजना कार्यान्वयनको लागि वार्षिक रणनीति कार्यान्वयन योजना निर्माण तथा कार्यान्वयन ......**Error! Bookmark not defined.**

परिच्छेद ८ : अनुगमन तथा मूल्याङ्कन ....**Error! Bookmark not defined.**

८.१ वर्तमान अवस्था...**Error! Bookmark not defined.**

८.२ उद्देश्य ....**Error! Bookmark not defined.**

८.३ रणनीतिहरु..Error! Bookmark not defined.

८.४ उपलब्धि तथा नतिजा ....Error! Bookmark not defined.

८.५ प्रमुख क्रियाकलाप र लक्ष्यः ....Error! Bookmark not defined.

भनाइ

शिक्षा प्राप्त गर्न पाउनु नागरिकको संविधानप्रद्धत मौलिक अधिकार हो ।नेपालको संविधान २०७२ ले माध्यमिक तह सम्मको शिक्षाको अधिकार स्थानीय तहलाई दिएको सन्दर्भमा प्राप्त अधिकारको अधिनमा रहेर गुणस्तरीय शिक्षाको प्रबन्ध गर्नु स्थानीय सरकारको दायित्व हुन्छ । शिक्षालाई समयसापेक्ष, बैज्ञानिक, प्रतिष्पर्धि, व्यवसायिक, सीपमुलक र रोजगारमूलक बनाउदै समाजवादउन्मूख राष्ट्र निर्माणको लागि बलियो आधारको रुपमा तयार गर्नुपर्ने आजको आवश्यकता हो । नेपालले अन्तराष्ट्रिय क्षेत्रमा गरेका प्रतिवद्धता दिगो विकासको लक्ष्य, नेपालको संविधान, सोहौं योजना, कर्णाली प्रदेशको पञ्चबर्षिय योजनाको आधारपत्र, विद्यालय शिक्षा क्षेत्र योजना, राष्ट्रिय शिक्षा नीति,२०७६, स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ आदिलाई मार्गदर्शकको रुपमा लिई हाम्रो गाउँपालिकाले पनि १० बर्षे आवधिक गाउँ शिक्षा योजना तयार गरेको छ ।

रुकुम पश्चिम जिल्लाको त्रिवेणी गाउँपालिकाले विद्यालय उमेर समूहका सवै बालबालिकाहरुलाई शिक्षामा समतामुलक पहुँच पुऱ्याउन, सक्षमता र सेवाप्रवाहको अवस्थालाई प्रभावकारी बनाई सबै अवसरहरु. प्रत्याभूति दिनका लागि १० बर्षे आवधिक गाउँ शिक्षा योजना निर्माण गरेको छ। सम्पूर्ण बालबालिका, युवा तथा जेष्ठ नागरिकहरु.को समेत मौलिक अधिकारको संरक्षण गर्दै उनीहरु.लाई सहज सुलभ, सरल तथा आवश्यकता अनुसार शिक्षा प्रदान गर्नका लागि यो योजना तयार पारिएको हो। विद्यालय तहका नियमित शैक्षिक कार्यक्रमका अतिरिक्त, निरन्तर शिक्षा, विशेष शिक्षा, प्राविधिक शिक्षा, शिक्षाका अन्तरसम्वन्धित मुद्दाहरु.सँगै गाउँपालिकाको समग्र शैक्षिक क्षेत्रको सुशासन र व्यवस्थापनका पाटोलाई पनि महत्पुर्ण क्षेत्रका रुपमा समावेश गरेर तयार पारिएको यस शिक्षा योजनाले त्रिवेणी गाउँपालिकाको शैक्षिक मार्गदर्शन गर्ने र शैक्षिक उन्नतिमा मदत पुर्याउने कुरामा दुईमत छैन ।

गाउँपालिकाको शैक्षिक क्षेत्रलाई सहि दिशातर्फ बढाउन मदत पुर्याउने महत्वपूर्ण डकुमेन्टको रुपमा विभिन्न सरोकारवालाहरुको सहकार्यमा यो शिक्षा योजना निर्माण भएको छ । शिक्षा योजना निर्माणमा महत्वपूर्ण योगदान पुर्याउने सामाजिक विकास समितिका संयोजकत्वमा गठित योजना निर्माण कार्यदलका सबै सदस्यहरु, शिक्षा, युवा तथा खेलकुद शाखाका कर्मचारीहरु र लेखन उपसमितिका सबै सदस्यज्यूहरुमा विशेष आभार प्रकट गर्न चाहन्छु । यसका साथै योजना निर्माणमा विभिन्न तवरले सहयोग गर्ने र सल्लाह सुझाव प्रदान गर्ने प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत लगायत विभिन्न शाखाका कर्मचारीहरु र अन्य सरोकारवालाहरुलाई धन्यवाद प्रकट गर्न चाहन्छु । यो आवधिक गाउँ शिक्षा योजना निर्माणमा प्राविधिक सहयोग गर्ने यूनिसेफ नेपाल, समाज जागरण केन्द्र (स्याक) नेपाल, किर्डार्क नेपाललाई पनि आभार प्रकट गर्दछु ।

अन्तमा यो आवधिक शिक्षा योजनाले देखेको सपना पुरा गर्नका लागि सम्पूर्ण सरोकारवालाहरु संग समन्वय र सहकार्य गर्दै प्रभावकारी कार्यान्वयनमा लाग्न सबैमा हार्दिक अनुरोध गर्दछु ।

धन्यवाद ।

श्री गणेश कुमार केसी
अध्यक्ष

क) भूमिका ।

नेपालको संविधान, २०७२ ले तीन तहको राज्य संरचना सहित समाजवाद उन्मुख राज्य प्रणालीमा आधारित भएर प्रत्येक नागरिकलाई शिक्षामा समतामुलक पहुँचको सुनिश्चितता गर्नका लागि प्रत्येक नागरिकलाई आधारभूत तहसम्मको शिक्षा अनिवार्य र निःशुल्क तथा माध्यमिक तह सम्मको शिक्षा निःशुल्क पाउने हकको सुनिश्चितता गरेको छ । यसै गरी संविधानले नै अपाङ्गता भएका र आर्थिक रुपले विपन्न नागरिकलाई कानुन बमोजिम निःशुल्क उच्च शिक्षा पाउने, दृष्टिविहीन नागरिकलाई ब्रेललिपि तथा बहिरा र स्वर वा बोलाइ सम्बन्धी अपांगता भएका नागरिकलाई सांकेतिक भाषाको माध्यमबाट कानुन बमोजिम निःशुल्क शिक्षा पाउने साथै नेपालमा बसोबास गर्ने प्रत्येक नेपाली समुदायलाई कानुन बमोजिम आफ्नो मातृभाषामा शिक्षा पाउने र त्यसका लागि विद्यालय तथा शैक्षिक संस्था खोल्ने र सञ्चालन गर्ने हकको व्यवस्था गरेको छ ।

राज्यको आर्थिक विकास, समृद्धि, सामाजिक न्याय सहितको समतामुलक समाज निर्माणका लागि गुणस्तरीय शिक्षा तथा सबैका लागि जीवनपर्यन्त शिक्षाको समान अवसरले नै दिगो शान्ति, असल संस्कृति, सामाजिक सहिष्णुता तथा साझा मूल्य मान्यताको प्रवर्द्धन गरी राष्ट्र निर्माणमा आवश्यक मानव संसाधनको विकासमा शिक्षाको अहम् भूमिका रहन्छ । प्रारम्भिक बालविकास शिक्षा, आधारभूत तथा माध्यामिक तहको शिक्षाको जिम्मेबारी र अधिकार समेतलाई ध्यानमा राखेर स्थानीय तहमा समेत शिक्षालाई व्यावहारिक, जीवनोपयोगी, वैज्ञानिक तथा रोजगार उन्मुख गुणस्तरीय तथा समयानकुल एवम् स्थानीय तहको कला, संस्कृति, परम्परागत ज्ञान, सीप, स्थानीय प्रविधि लगायतलाई एकिकृत गरी गाउँपालिकाको शैक्षिक क्षेत्रको सुधार गर्न "त्रिवेणी निर्माणको आधार : जीवनपयोगी र प्रतिष्पर्धी मानव पुँजीको विकासका लागि समतामुलक, सर्वसुलभ, प्रविधियुक्त, र गुणस्तरीय शैक्षिक पूर्वाधार" भन्ने दीर्घकालीन लक्ष्य हासिल गरी व्यवहारिक ज्ञान सहितको दक्ष जनशक्ति उत्पादनमा जोड दिनका लागि गाउँपालिकाले, सङ्घीय र प्रदेश सरकारले निर्माण गरेका शिक्षा योजनामा तादम्यता मिलाउने गरी पालिकाको आवश्यकता र अवस्था अनुसार आवधिक शिक्षा योजना निर्माण गरी कार्यान्वयन गर्नुपर्ने आवश्यकता महसुस गरिएको छ ।

ख) शिक्षा योजना निर्माणको आवश्यकता र औचित्य

नेपालको सविधान २०७२ ले स्थानीय तहलाई माध्यमिक तह सम्मको शिक्षाको अधिकार प्रदान गरेको र हाल स्थानीय तहहरुले समेत संविधानले प्रदान गरेको अधिकार कार्यान्वयन गरीरहेको सन्दर्भमा स्थानीय तहको अधिकार क्षेत्र भित्र रहेर शैक्षिक योजना निर्माण र कार्यान्वयन गर्नु अति आवश्यक देखिन्छ । स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ को परिच्छेद (३) ले स्थानीय तहलाई शिक्षाका २३ वटा अधिकार क्षेत्रहरु प्रदान गरेको र उक्त अधिकार क्षेत्रहरुको प्रभावकारी कार्यान्वयन मार्फत् शिक्षाका लक्ष्य तथा उद्देश्यहरु पुरा हुने तथा उक्त अधिकार क्षेत्र भित्र रहेर स्थानीय तहले शिक्षाको योजना तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गर्न सक्ने उल्लेख भए अनुसार स्थानीय अवस्था, श्रोत र आवश्यकताका आधारमा शिक्षा योजना निर्माण गरी कार्यान्वयन गर्ने जमर्को गरिएको छ । त्रिवेणी गाउँपालिकाको शैक्षिक सुधारको लागि नेपालको संविधान २०७२, स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४, १६ औ योजना तथा त्रिवेणी गाउँपालिकाको

आवधिक योजना तथा नीति र कार्यक्रमहरु लगायतको मार्गदर्शनका आधारमा सङ्घीय सरकारले तथा प्रदेश सरकारले समेत परिकल्पना गरेको लक्ष्य उद्देश्य प्राप्तिमा मदत गर्न र गाउँपालिकाको शैक्षिक सुधारका लागि मार्गदर्शनको रुपमा सहायता लिन पनि शिक्षा योजना निर्माणको आवश्यकता देखिएको हो । यसले शिक्षा क्षेत्रको विकासको लक्ष्य पुरा गर्न मदत गर्ने साथै राष्ट्रिय अपेक्षा पुरा गर्न सहयोग गर्ने अपेक्षा गरिएको छ। नेपाल सरकार शिक्षा तथा मानव स्रोत विकास केन्द्रले निर्माण गरी कार्यान्वयनमा रहेको १० बर्षे शिक्षा क्षेत्र योजनालाई स्थानीयकरण गरी स्थानीय आवश्यकता र अवस्थाका आधारमा शैक्षिक योजना निर्माण र कार्यान्वयन गर्न नितान्त आवश्यक महसुस गरी त्रिवेणी गाउँपालिकाले १० बर्षे आवधिक गाउँ शिक्षा योजना निर्माण गरेको छ ।

ग) शिक्षा योजना निर्माणका आधारहरु

नेपालको संविधानले शिक्षालाई मौलिक हकको रुपमा उल्लेख गरी कार्यान्वयन गर्न कानुन निर्माणको कार्य थालनी गरेको र सोही बमोजिम निःशुल्क तथा अनिवार्य शिक्षा ऐन, २०७५, बालबालिका सम्बन्धी ऐन, २०७५, राष्ट्रिय शिक्षा नीति, २०७६ ले संवैधानिक मान्यतामा आधारित भई शिक्षा क्षेत्रमा सुधार तथा परिवर्तनका लागि नीतिगत मार्गदर्शन गरेको छ ।यसै मार्गदर्शनका आधारमा पनि त्रिवेणी गाउँपालिकाले शिक्षा योजना निर्माण र परिमार्जन गरेको छ । नेपालमा संघीय स्वरुपको व्यवस्थामा सबै तहका सरकार बीचको आपसी समन्वय र सहकार्यबाट राज्यले परिलक्षित गरेका उद्देश्यहरु प्राप्त गर्न सकिने भएकाले सबै तह संविधानले तोकेको अधिकार बमोजिमको जिम्मेबारी निर्वाह गर्नुपर्ने देखिन्छ । राज्यले तय गरेका शिक्षाका लक्ष्य, उद्देश्य प्राप्त गर्नका लागि विभिन्न योजनाहरु कार्यान्वयनमा आएका छन् । राष्ट्रिय दीर्घकालीन सोच, राष्ट्रिय शिक्षा नीति र राष्ट्रिय विज्ञान प्रविधि तथा नवप्रवर्तन नीति, सामुदायिक विद्यालय सबलीकरण दशक (२०७६–२०८५) का लागि सम्बोधन गर्नुपर्ने विषयहरु, १५ बर्षे दिगो विकास लक्ष्य, पन्ध्रौ आवधिक योजना, शिक्षा क्षेत्रको नयाँ शिक्षा योजना (२०७८–२०८७) लगायत शिक्षा क्षेत्रका विभिन्न योजनाहरुका लक्ष्य, उद्देश्य तथा गन्तव्यलाई मध्यनजर गर्दै संविधानको अनुसूची ८ अनुसार स्थानीय सरकारलाई उपलब्ध भएका अधिकार क्षेत्र भित्र रहेर राष्ट्रिय ध्येय, लक्ष्य, उद्देश्य, प्रतिवद्धतालाई आधार मानेर स्थानीय आवश्यकता र परिवेश अनुसार शिक्षा क्षेत्रको विकास गर्नु आवश्यक रहेको छ । नेपालको दिर्घकालीन ध्येय अनुसार सन् २०४३ सम्म समृद्ध नेपाल सुखी नेपालीको अभिप्राय, दिगो विकास लक्ष्य अनुसार सन २०३० सम्ममा नेपाललाई मध्यम आय भएको देशको रुपमा पुर्याउन सबैका लागि समावेशी तथा समतामुलक तवरले जीवन पर्यन्त सिकाइका अवसरहरु सिर्जना गरी गुणस्तरीय शिक्षा कायम गर्नु लगायतका दीर्घकालिन लक्ष्य हासिल गर्न पनि सबै तहका साथै त्रिवेणी गाउँपालिकाले आफ्नो भूमिका प्रभावकारी रुपमा निभाउन आवश्यक देखिन्छ

घ) शिक्षा योजना निर्माणको प्रक्रिया

त्रिवेणी गाउँपलिकाले शिक्षा योजना निर्माणका लागि आवश्यकता महसुस गरी शिक्षा योजना निर्माणका लागि नीतिगत व्यवस्था मार्फत् सामाजिक विकास समितिका संयोजक श्री रण बहादुर पुनको संयोजकत्वमा शिक्षा योजना निर्माण कार्यदल गठन गरेको साथै लेखनका लागि विभिन्न विज्ञ शिक्षक र सरोकारवालाहरु रहने गरी लेखन उपसमिति पनि गठन गरिएको छ । लेखन उपसमितिहरुले विभिन्न सरोकारवालाहरु संगको समन्वयमा

तथ्याङ्क संकलन, सल्लाह तथा सुझाव संकलन, छलफल गरी प्रारम्भिक लेखन गरीयो । प्रारम्भिक लेखन पश्चात योजना लेखन कार्यदलले सबै संकलन गरी योजनाको मस्यौदा निर्माण गरेको र तत् पश्चात मस्यौदा माथि सरोकारवालाहरुको सल्लाह सुझाव प्राप्त गरी अन्तिमिकरण गरीयो । उक्त योजनामा बाह्य विज्ञ मार्फत् लेखाजोखा गरी थप सल्लाह सुझाव प्राप्त गरी योजनामा समेटेर त्रिवेणी गाउँपालिकाको गाउँ कार्यपालिकाले स्वीकृत गरी कार्यान्वयन गर्ने प्रक्रिया पुरा गरेको छ ।

परिच्छेद १ : परिचय

१.१ वर्तमान अवस्था

क) परिचय तथा भौगोलिक अवस्थति

त्रिवेणी गाउँपालिका कर्णाली प्रदेशको पहाडी जिल्ला रुकुम पश्चिममा पर्दछ।यो गाउँपालिकाको नाम रुँघा खोला, खारा खोला र मुरु खोला तीन बहिनी खोलाहरु मिलेर बनेको पवित्र धार्मिक संगमस्थल त्रिवेणीधामबाट त्रिवेणी रहन गएकोहो।यो गाउँपालिका निर्देशाङ्क २८.५८° उत्तर र ८२.३६° पूर्वमा अवस्थित छ ।त्रिवेणी गाउँपालिकाको कुल क्षेत्रफल ८५.४९ वर्गकिलोमिटर (३३.०१ वर्गमाइल) र घनत्व २४० वर्गकिलोमिटर (६२० वर्गमाइल) रहेकोछ।समुन्द्र सतहबाट १,१२५ मिटरदेखि २,६८२ मिटरसम्म रहेको यस गाउँपालिकाको पूर्वमा रोल्पा जिल्ला, पश्चिममा चौरजहारी नगरपालिका र सानीभेरी गाउँपालिका, उत्तरमा मुसीकोट नगरपालिका र दक्षिणमा सल्यान र रोल्पा जिल्ला पर्दछन्।यस गाउँपालिकाको अधिकांश भूभाग भिरालो, जैविक विविधता र पहाडले घेरिएकोछ।यस गाउँपालिकामा थोरै मात्र भूभाग फाँट, जिउला र वेसी रहेकाछन्।यहाँको भूभाग पहाडी भएतापनि उर्वर मानिन्छ। यहाँको जमिन उर्वर र जैविक विविधता भएकोले सबै प्रकारको खेतीपाती हुन्छ।यहाँको मुख्य अन्नवालीहरुमा-मकैं, गहुँ, धान, कोदो, फलफूलहरुमा -सुन्तला, कागती, मौसम, केरा, आँप, किंवी, नास्पती, हलुवावेद र नगदेबालीहरुमा - अदुवा, अलैंची, बेसार, तमाखु, उखु, भाङो, आलु आदि उत्पादन हुन्छ।यहाँ विभिन्न प्रकारका वनस्पतिहरु, जडीबुटीहरु, जनावर तथा पशुपन्छीहरु पाइन्छन्।यस गाउँपालिकाको हावापानी चिसो र मध्यमखालको रहेकोछ। यो गाउँपालिका साविकको रुँघा, खारा, मुरु, पेउघा र नुवाकोटको ३ नं. वडा मिलेर बनेको छ र अहिले यसमा १० ओटा वडाहरु रहेकाछन्।त्रिवेणी गाउँपालिकाको गाउँकार्यपालिकाको कार्यालय स्रिम्रुतु-खारानेटामा रहेकोछ। त्रिवेणी गाउँपालिकाको स्थापना नेपाल सरकार मन्त्रीपरिषदको २०७२ पौष २७ गतेको निर्णयानुसार भएको हो। यस गाउँपालिकाका मुख्य पर्यटक स्थलहरु-राजकोट, खारानेटा, झुल्नेटापार्क, सुकिदह, डलसिङे, ढोटेचौर, खामेधुरी, जिलाधुरी, कालापोखरा, सतिपोले, गेलगुफा, भेरीपोखरा, दहवाङ, सिद्धगुफा, गैरीनेटा, थुमालेख, खौला, राङोमारे, युद्धसंग्रहालय, गुरिल्लाट्रेल, कमेरेगुफा, धुरीचौर, दयालेख, झनखानी, सिद्धथान, बल्लेजुरा, काँसपोखरी लेक, पतेरी चुल्याउने लेक आदि हुन्।यस गाउँपालिकाको अधिकाँस भौगोलिक अवस्था भिरालो, डाँडाँकाँडाँ, पाखापखेरोले बनेकोछ।त्यसकारण विशेष गरेर वर्षा यामको समयमा यस गाउँपालिकामा बाढी, पैह्रो आउने मानव वस्तीहरुमा असर पार्ने सम्भावना रहेकोछ।त्यस्तै गरेर रुँघाखोला, खाराखोला, मुरुखोला, पेउघाखोलाबाट सिचाइ तथा विद्युतीकरण गर्न सकिन्छ भने वर्षायामको समयमा धनजनको क्षति समेत पुर्याउँछन्।यस गाउँपालिकामा प्राकृतिक प्रकोप तथा जोखिमको अवस्था धेरै सम्भाव्य रहेको हुँदा यस गाउँपालिकाका वासिन्दाहरु सतर्क र सावधानीपूर्वक बस्नु पर्ने अवस्थाछ।

ख) जनसाङ्ख्यि संरचना

नेपालको राष्ट्रिय जनगणना २०७८ को जनगणना अनुसार त्रिवेणी गाउँपालिकाको जनसंख्या तपसिल बमोजिम रहेकोछ। जम्मा जनसंख्या- २०,५२५ , महिला-१०,७०४ (५२.२ %), पुरुष-९,८२१(४७.८%) र लैङ्गिक अनुपात-९१.७५% पुरुष प्रति १०० महिला तथा जनघनत्व-२४० जना प्रति बर्ग किलोमिटर रहेको छ । त्रिवेणी गाउँपालिकामा कुल परिवारहरु ४,३०८ र कुल साक्षरता दर-७६.९% रहेको छ । यसमा महिला साक्षरता दर- ७०.७% र पुरुष साक्षरता दर-८३ .७% रहेकोछ ।

त्रिवेणी गाउँपालिकाको उमेरगत विवरण- राष्ट्रिय जनगणना २०७८ अनुसार

उमेर समूह	पुरुष प्रतिशत	पुरुष संख्या	महिला प्रतिशत	महिला संख्या	जम्मा संख्या
००-०४वर्ष	५.१%	१,०४४	४.७%	९६५	२,००९
०५-०९वर्ष	५.३%	१,०९३	४.७%	९६४	२,०५७
१०-१४वर्ष	५.८%	१,१८७	५.७%	१,१६३	२,३५०
१५-१९वर्ष	५.७%	१,१७६	६.४%	१,३१२	२,४८८
२०--२४वर्ष	४.८%	९८२	६,0%	१,२३७	२,२१९
२५वर्षमाथि	२१.२४%	४,३३९	२४.७%	५,०६३	९,४०२
जम्मा	४७.९४%	९,८२१	५२.२%	१०,७०४	२०,५२५

नेपालको जनगणना २०७८ अनुसार त्रिवेणी गापाको वडागत विवरण तपसिल बमोजिम रहेकोछ।

वडा	पूरुष	महिला	जम्मा	क्षेत्रफल वर्ग किमी
१	१०५६	११४१	२१९७	१२.९१
२	१०६०	११९९	२२५९	६.७१
३	१२१४	१३०७	२५२१	९.३१
४	७८५	९४१	१७२६	७.५४
५	१०७६	१२३३	२३०९	११.४६
६	८६५	९९८	१८६३	७.५
७	९९६	११६६	२१६२	१०.५३
८	९२३	८९७	१८२०	४.१२
९	९०६	१०१६	१९२२	७.६७
१०	९३१	९०६	१८३७	७.७४

नेपालको जनगणना २०७८ अनुसार त्रिवेणी गापाको अपाङ्गहरुको समूहगत विवरण तपसिल बमोजिम रहेकोछ।

यस पालिकामा अपाङ्गता विवरण- २०७८ अनुसार अपाङ्गता भएका जनसंख्याको प्रतिशत- ३.४% जसमा अपाङ्गता भएका महिलाहरुको प्रतिशत- ३.०% र अपाङ्गता भएका पुरुषहरुको प्रतिशत- ३.८ % रहेको छ ।

त्रिवेणी गाउँपालिकाको उमेरगत जनसंख्या विवरण

२०७८				२०८०			२०८१			२०८२		
उमेर	जम्मा	पुरुष	महिला	जम्मा	पुरुष	महिला	जम्मा	पुरुष	महिला	जम्मा	पुरुष	महिला
० वर्ष	३८४	२०१	१८३	३९७	२०८	१८९	४०२	२१०	१९१	४०६	२१३	१९४
१ वर्ष	३९५	२१४	१८१	४०९	२२१	१८७	४१३	२२४	१८९	४१८	२२६	१९२
२ वर्ष	४३७	२१३	२२४	४५२	२२०	२३२	४५७	२२३	२३४	४६२	२२५	२३७
३ वर्ष	४१३	२०७	२०६	४२७	२१४	२१३	४३२	२१७	२१६	४३७	२१९	२१८
४ वर्ष	३८०	२०९	१७१	३९३	२१६	१७७	३९८	२१९	१७९	४०२	२२१	१८१
५ वर्ष	३६७	१८९	१७८	३८०	१९६	१८४	३८४	१९८	१८६	३८८	२००	१८८
६ वर्ष	४२७	२२५	२०२	४४२	२३३	२०९	४४७	२३५	२११	४५२	२३८	२१४
७ वर्ष	४०४	२०१	२०३	४१८	२०८	२१०	४२३	२१०	२१२	४२७	२१३	२१५
८ वर्ष	४४४	२५६	१८८	४५९	२६५	१९४	४६५	२६८	१९७	४७०	२७१	१९९
९ वर्ष	४१५	२२२	१९३	४२९	२३०	२००	४३४	२३२	२०२	४३९	२३५	२०४
१० वर्ष	४४८	२२६	२२२	४६३	२३४	२३०	४६९	२३६	२३२	४७४	२३९	२३५
११ बर्य	४१४	२१३	२०१	४२८	२२०	२०८	४३३	२२३	२१०	४३८	२२५	२१३
१२ वर्ष	५०६	२८२	२२४	५२३	२९२	२३२	५२९	२९५	२३४	५३५	२९८	२३७
१३ वर्ष	४७१	२१९	२५२	४८७	२२७	२६१	४९३	२२९	२६४	४९८	२३२	२६७
१४ वर्ष	५११	२४७	२६४	५२९	२५६	२७३	५३५	२५८	२७६	५४१	२६१	२७९
१५ वर्ष	५५१	२६८	२८३	५७०	२७७	२९३	५७६	२८०	२९६	५८३	२८४	२९९
१६ वर्ष	५०१	२४४	२५७	५१८	२५२	२६६	५२४	२५५	२६९	५३०	२५८	२७२

श्रोत राष्ट्रिय जनगणना २०७८ र शिक्षा तथा मानव श्रोत विकास केन्द्र प्रक्षेपण

ग) सामाजिक तथा सांस्कृतिक अवस्था

यस गाउँपालिकामा विभिन्न जातजातिहरुको मिश्रित वसोवास रहेकोछ।मुख्यतया वली, खड्का, दाहाल, केसी,खत्री, डाँगी, पुन, घर्ती, वि.क. ,कामी, सुनार,परियार, दमाई, ब्राह्मण, बोहरा, कठायत, रेउले ,रावल, ठकुरी-मल्ल, चन्द, शाह, गिरी, चनारा र बादी आदि जातिहरु संयुक्त रुपमा मिलेर बसेको पाइन्छ।यस गाउँपालिकामा रहेका बासिन्दाहरुले मान्ने मुख्य धर्म हिन्दु हो भने केही रुपमा क्रिश्चियन धर्मालम्बीहरुको पनि बसोबास रहेकोछ।यहाँका बासिन्दाहरुले मुख्यतया हिन्दु धर्मालम्बीहरुले मान्ने दशैं, तिहार, मेला, जात्रा, पाठपूजा, विवाह, वर्तवन्ध आदिजस्ता चाडपर्वहरु मनाइ, भेटघाट गरी, रमाइलो गर्ने प्रचलन रहेकोछ।आपसमा भातृप्रेम सहित यहाँका बासिन्दाहरुले सुख-दुःखमा एकले अर्कोलाई नगद, जिन्सी समान उपहार दिएर सक्दो सहयोग गर्ने विशेषता रहेकोछ।यहाँको रितिथिति भाषाभेष ज्ञान, सिप र प्रविधि आफ्नैखाले, मौलिकखाले रहेकोछ।पाहुनाहरुलाई सत्कार गर्ने यहाँको संस्कार रहेकोछ।मातृभाषा सबै त्रिवेणीवासीको नेपाली भाषा रहेकोछ।दशै, तिहार, तीज, ऋषिपञ्चमी, रामनवमी, शिवरात्री,माघे संक्रान्ती, कुशेऔशी, बौद्धपुर्णीमा आदि मनाउने गरीन्छ । परम्परागत संस्कृतिमा मगर जातीका विशेष नाचहरु कौडा, घाटु, सोरठी, झ्याउरे, रोदी, हुर्रा नाच्ने गरीन्छ ।यहाँको मयुर नाच, पैसेरु नाच निकै नै रोचक र प्रसिद्ध छ । त्रिवेणीमा बाँदरपानी, घोरनेटी, भेरीपोखरा, नुवाकोट, पेउघा र मुरुडाँदमा मेला लाग्ने गर्दछन् ।

घ) आर्थिक अवस्था

त्रिवेणी गाउँपालिकाको मुख्य पेसा कृषि रहेकोछ भने निर्माण कार्यतर्फ आफ्नो घर व्यवहार चलाउन आवश्यक पर्ने सामग्रीहरुको निर्माण आफैं गर्ने, सिकर्मी, डकर्मीको काम, व्यापार, नोकरी पेसा केही थोरै व्यक्तिहरुले मात्र अवलम्वन गरेको पाइन्छ।अर्कोतर्फ वैदेशिक रोजगारीमा जानेहरुको लर्को भने स्वदेशमा भएको वेरोजगारीको कारणले गर्दा दिनप्रतिदिन बढ्दै गैरहेकोछ।यहाँका बासिन्दाहरुको आर्थिक अवस्था धेरैजसोको मध्यम खालको रहेकोछ।त्रिवेणीमा रहेका व्यापारी स्थलहरु-खौला, डलसिङे,नाममेला, कालापोखरा, बाँदरपानी, सिम्रुतु, खारानेटा, झुलनेटा, मेलपोखरी, नुवाकोट, पेदीखेत, चौतारा र खुम्चेरी आदि हुन्।त्रिवेणीमा अवस्थित उद्योगहरु -उद्यमशील प्रवर्द्धन कार्यक्रम, त्रिवेणी इन्टरलकिङ् इट्टा उद्योग, अदुवा प्रशोधन केन्द्र, चिस्यान केन्द्र, पर्यटन उद्योग, दहवाङ् ग्रामेन्ट उद्योग, सिम्रुतु ग्रिल उद्योग, झुल्नेटा ग्रिल उद्योग, मयुर गर्श उद्योग, मादल उद्योग, चाउनिमन उद्योग, सिम्रुतु आलुचिप्स उद्योग,आरन उद्योगहरु, सिलाइकटाइ उद्योगहरु, सिम्रुतु मोटर ग्यारेज र झुल्नेटा मोटर ग्यारेज आदि हुन्।यस गाउँपालिकामा पर्यटक स्थलहरु धेरै रहेकाछन्।पर्यटन व्यवसायीको रुपमा भने यस गाउँपालिकामा कोही कसैले गरेको पाइदैन्।अतः पर्यटन व्यवसायमा जोड दिनुपर्ने देखिन्छ ।

ङ) शैक्षिक अवस्था

यस गाउँपालिकामा औपचारिक रुपमा शिक्षाको शुरुवात वि. सं. २०१६सालदेखि भएको देखिन्छ।यस गाउँपालिकामा शिक्षाको राम्रै विकास र प्रभाव भएको देखिन्छ।यस गाउँपालिकामा शिक्षाको विकास,विस्तार राम्रो भएको कारणले गर्दा यस क्षेत्रका जनशक्तिहरुले निजामति सेवा,स्वास्थ्य-कृषि-पशु सेवा, शिक्षक सेवा, सुरक्षा निकायहरु लगायतका अन्य सेवा क्षेत्रहरुमा प्रतिस्पर्धाबाट नाम निकालेर देश र समाजको सेवा गर्ने अवसर पाइरहनु भएकोछ।पछिल्लोचरणमा युवाहरुको बढि चासो विदेश जाने लहरको रुपमा देखिएकोछ।जुन

देश विकासको निम्ति घातक मानिन्छ। अहिले त्रिवेणी गाउँपालिकामा शिक्षा आर्जनका निम्ति शिक्षालयहरुको सहज पहुँच भएको देखिन्छ। यस गाउँपालिकामा उच्च शिक्षा अध्ययन गर्नको लागि शिक्षा संकाय तर्फको मास्टर तह सम्मको पठन पाठन हुने सिम्रुतु शिक्षा क्याम्पस त्रिवेणी-२, सिम्रतुमा स्थापना भएकोछ। तीनओटा सामुदायिक सिकाइ केन्द्रहरु रहेकाछन्। आधारभूत विद्यालयहरु कक्षा (१-५) को भौगोलिक दूरी नजिक भएको कारणले गर्दा उक्त कक्षाहरुमा विद्यार्थी संख्या न्युन देखिन्छ। हाल त्रिवेणी गाउँपालिकामा तपसिल बमोजिमका विद्यालयहरु रहेकाछन्।

यस गाउँपालिका भित्रका विद्यालय संख्या

क्र.सं.	विवरण	संख्या	सामुदायिक	सस्थागत
१	विद्यालय	४३	४१	२
२	प्रारम्भिक बालबिकास र शिक्षा केन्द्र	४७	४५	२
३	कक्षा १'–३ सम्मका विद्यालय (एक वटा विधालय कक्षा १ सम्म मात्र सञ्चालनमा रहेको)	६	६	०
४	कक्षा १ –५ सम्मा मात्रका विद्यालय	१७	१५	२
५	कक्षा १–८ सम्मका मात्र विद्यालय	९	९	०
६	कक्षा १–१० सम्मका मात्र विद्यालय	१	१	०
७	कक्षा १–१२ सम्मका विद्यालय १ वटा विधालय कक्षा ११ सम्म मात्र सञ्चालनमा रहेको	१०	१०	०
८	कक्षा ६–१२ सम्मका विद्यालय			
९	प्राविधिक धारका विद्यालय **सिटिइभिटी तहको प्रि-डिप्लोमा/डिप्लोमा**	**१/१**	**१/१**	०
१०	सामुदायिक सिकाइ केन्द्र	३	३	०

श्रोत EMIS २०८१

सामुदायिक विद्यालयमा शिक्षक संख्या

यस पालिकामा बालबिकास केन्द्रमा ४५ जना , आधारभूत तह ५ सम्ममा जम्मा १७० जना, आधारभूत तह ६ देखि ८ सम्ममा जम्मा ५४ जना, मावि तह ९ र १० मा जम्मा ३७ जना तथा मावि तह ११ र १२ मा जम्मा ८ जना शिक्षकहश्रु साथै प्राविधिक धारमा २ जना प्रशिक्षक रहेका छन्

दरबन्दिको हिसाबमा पालिकामा आधारभूत तह ५ सम्ममा जम्मा १७० जना, आधारभूत तह ६ देखि ८ सम्ममा जम्मा ४७ जना, मावि तह ९ र १० मा जम्मा २८ जना तथा मावि तह ११ र १२ मा जम्मा ८ जना दरबन्दि कायम रहेको र अन्य पालिका अनुदान र शिक्षण सहयोग अनुदानको रुपमा रहेको छ ।

शिक्षक विवरण यस प्रकार रहेको छ ।

तह	जम्मा दरबन्दी	जम्मा शिक्षक	महिला	पुरुष	पालिका अनुदान	सङ्घीय अनुदान	राहत	स्थायी	करार
प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षा		४५	४५	०	९	०		०	३६
आधारभूत तहक कक्षा १ देखि ५ आधारभूत		१४३	५५	८८	३७		२८	७७	१
तह कक्षा ६ देखि ८		८९	२७	६२	५७	१९		१३	
माध्यमिक तह कक्षा ९ र १०		३६	८	२८	१६	११		९	
माध्यमिक तह कक्षा ११ र १२		१६	३	१३	७	७		२	
विद्यालय कर्मचारी					महिला	पुरुष	जम्मा		
लेखा तथा कार्यालय सहयोगी							५१		

श्रोतः शिक्षा शाखा

तहगत रुपमा विद्यार्थी संख्या-२०८१

त्रिवेणी गाउँपालिका भित्रका विद्यालयमा अध्ययनरत विद्यार्थीहरुको संख्या निम्न बमोजिम रहेको छ।

क्रसं	**विद्यालय**	**विद्यालयमा अध्यनरत विद्यार्थी विवरण**		
		छात्र	**छात्रा**	**जम्मा**
१	सामुदायिक	३२५९	३३९९	६५५८
२	सस्थागत	१३४	१७५	३०९
	जम्मा	३३९३	३५७४	६८६७

माथीको तथ्याङ्कलाई तहगत रुपमा विश्लेषन गरी निम्नानुसार देखाउन सकिन्छ।

शैक्षिक सत्र २०८१

तह	**सामुदायिक तर्फ**			**सस्थागत तर्फ**			**कुल जम्मा**
	छात्रा	**छात्र**	**जम्मा**	**छात्रा**	**छात्र**	**जम्मा**	
प्रारम्भिक बालबिकास तह	४०३	४२८	८३१	७५	९९	१७४	१००५
आधारभूत तह कक्षा (१ – ५)	१०८८	११९२	२२८०	५९	७६	१३५	२४१५
आधारभूत तह कक्षा (६ – ८)	८०९	८५२	१६६१				१६६१
माध्यामिक तह (९ – १०)	४८८	५१८	१००६				१००६
माध्यामिक तह (११ – १२)	४७१	४०९	८८०				८८०
जम्मा	३२५९	३३९९	६६५८	१३४	१७५	३०९	६९६७

माथिको तथ्याङ्क विश्लेषण गर्दा विद्यालय प्रवेश गरेका बालबालिकालाई माध्यमिक तहसम्मको अध्ययन गर्ने गराउने कुराका लागि गाउँपालिकाले विशेष कार्यक्रम संचालन गनुपर्ने सरोकारवालाहरु.को सुझाव रहेको छ ।आधारभूत तह पुरा गरेका बालबालिकाहरु माध्यमिक तह पुरा गर्न अन्यत्र जाने वा बिचैमा कक्षा छोड्ने कारणले गर्दा पनि माध्यमकि तहमा बालबालिका कम देखिएका छन् ।

तह	शैक्षिक सत्र २०८१ इमिस बाट		
	छात्रा	छात्र	जम्मा
प्रारम्भिक बालबिकास तह	४७३	५२३	९९६
आधारभूत तह कक्षा (१ – ५)	११६६	१२६३	२४२९
आधारभूत तह कक्षा (६ – ८)	८०५	८५२	१६५७
माध्यामिक तह (९ – १०)	४९६	५१४	१०१०
माध्यामिक तह (११ – १२)	३६२	३२९	६९१
जम्मा	३३०२	३४८१	६७८३

श्रोत EMIS २०८१

जातिगत रुपमा विद्यार्थी संख्या

तह	दलित			जनजाती		
	छात्रा	छात्र	जम्मा	छात्रा	छात्र	जम्मा
प्रारम्भिक बालबिकास तह	४५	६३	१०८	८७	१०३	१९०
आधारभूत तह कक्षा (१ – ५)	१४९	१४८	२९७	१९८	२७७	४७५
आधारभूत तह कक्षा (६ – ८)	११०	१०५	२१५	१६५	१८२	३४८
माध्यामिक तह (९ – १०)	६६	७५	१४१	७१	८८	१५९
माध्यामिक तह (११ – १२)	७१	७१	१२१	७७	५८	१३५
प्राविधिक धार						

श्रोत EMIS २०८१

विभिन्न सूचक र अवस्था

तह	शिक्षक विद्यार्थी अनुपात	लैङ्गिक समता सूचक	कुल भर्ना दर	खुद भर्ना दर
प्रारम्भिक बालबिकास तह	१:२२	०.९०	९०.४	८३.१
आधारभूत तह कक्षा १ – ५)	१:१६	०.९२	११७.९	९६.५
आधारभूत तह कक्षा (६ – ८)	१:२०	०.९४	१३५.३	९६.२
कक्षा (१ – ८)	१:१७	०.९३	१२४.५	९६.३
माध्यामिक तह (९ – १०)	१:२८	०.९६	१२५।९	७२।७
माध्यामिक तह (११ – १२)	१:५५	१.१०	१०३।४	५३
माध्यामिक तह (०९ – १२)	१:३७	१.०२	११४।२	६२।५
			इमिस २०८०।८१	

कक्षा उतीर्ण, कक्षा छोड्ने र दोहर्याउने दर (प्रतिशत)

तह	कक्षा उतीर्ण प्रतिशत	कक्षा दोहर्याउने	कक्षा छाड्ने दर
आधारभूत तह कक्षा (१ – ५)	८३.४	३.८	६.७
आधारभूत तह कक्षा (६ – ८)	८९.५	०.७	४.३
माध्यामिक तह (९ – १०)	८९.६	०.२	४.६
माध्यामिक तह (११ – १२)	८६.४	०.०	४.२

यस पालिकामा कक्षा १ मा हुने कुल प्रवेश दर जम्मा १२४.३ र खुद प्रवेश दर ९६.५ प्रतिशत रहेको छ । समग्रमा त्रिवेणी गाउँपालिकाको शैक्षिक अवस्था हाल सुधारउन्मुख देखिएको छ । माध्यामिक तह ९-१२ को पढाइ पुरा गरेपछि धेरै विद्यार्थीले पढाइ छोड्ने गरेका छन् । १२ कक्षाको अध्ययन गरेपछि उच्च शिक्षा पढ्ने विद्यार्थीहरुको दर न्युन रहेको छ । यस गाउँपालिकाको सिकाई उपलब्धि हेर्ने हो भने तहगत रुपमा निम्नानुसारको रहेको छ भने एसइइ परीक्षामा गत शैक्षिक सत्रमा जम्मा एक तिहाइ उतीर्ण भएको अवस्था छ ।

कक्षा	वार्षिक औषत हाजिर	प्राप्त ग्रेड (नतिजा)
प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षा		
१		१.९७
२		१.९३
३		१.९६
४		२.३५
५		२.४२
६		२.२६
७		२.१९
८		२.१३
९		२.०६
१०		
११		
१२		

शिक्षामा लगानीको कमी, शिक्षक कर्मचारी प्रोत्साहनमा कमी तथा अभिभावकमा चेतनाको अभाव, शिक्षक क्षमता विकास तालिमको कमी, गरीबी तथा शिक्षामा सरोकारबालाहरुको जिम्मेवारी तथा अपनत्वको कमी रहेको मुल कारण हो । त्रिवेणी गाउँपालिकाको साक्षरतादर ७६.९ रहेको छ जसमध्ये पुरुषको साक्षरता दर ८३.९ प्रतिशत रहेको छ भने महिलाको साक्षरता दर ७०.७ रहेको राष्ट्रिय जनगणना २०७८ को तथ्यांकमा उल्लेख छ ।यसै गरी कक्षा ८ सम्मको टिकाउ दर ८५.४ प्रतिशत रहेको छ ।

१.२ मुख्य समस्या तथा चुनौतीहरु

क) समस्याहरु तथा चुनौतीहरु

शिक्षा क्षेत्रको विकास र रुपान्तरणका लागि त्रिवेणी गाउँपालिकाले पनि हरेक वर्षहरुमा शिक्षाका विभिन्न उद्देश्य तथा लक्ष्यहरु निर्धारण गरेर अगाडि बढेको भएता पनि र शिक्षा क्षेत्रको विकासलाई नीतिगत रुपमा पहिलो प्राथमिकतामा राखेको भएता पनि शिक्षाका कार्यक्रमहरु तथा श्रोत व्यवस्थापन सोही बमोजिम गर्न नसकेको बस्था छ ।त्रिवेणी गाउँपालिकाको शिक्षा समिति, वडा शिक्षा समिति, शिक्षा शाखा लगायतको क्षमता विकास तथा परिचालनमा उल्लेख्य रुपमा कार्य गर्नु पर्ने आवश्यकता देखिन्छ ।

यस त्रिवेणी गाउँपालिकामा अरु क्षेत्रहरुमा भएका विविध समस्याहरु झैं शिक्षा क्षेत्रमा पनि विविध समस्या र चुनौतीहरुबाट जकेडी रहेको छ। ती केही मुख्य समस्याहरु तपसिल बमोजिम रहेका छन्।

- शैक्षिक उपलब्धि न्युन हुनु, विद्यार्थीहरुको सिकाइ निरन्तरता दर र उपस्थिति दरमा कमी हनु तथा कक्षा छोड्ने दर उच्च रहनु तथा विद्यार्थी संख्या न्यसन हुँदै जानु।
- शिक्षक दरवन्दी न्युन हुनु, विषयगत शिक्षककहरुको कमी हुनु, संगीत र खेल शिक्षकको अभाव हुनु।
- विभिन्न तहमा शिक्षक विद्यार्थी अनुपात औषतमा राम्रो भएता पनि कक्षागत रुपमा शिक्षक न्यून हुन ।
- शैक्षिक जनशक्तिहरुमा जवाफदेहीता, उत्तरदायित्व र उत्प्रेरणामा कमी हुनु।
- सबै विद्यालयहरुमा विज्ञान प्रयोगशाला तथा पुस्तकालयको व्यवस्थापन हुन नसक्नु।
- बालमैत्री तथा अपांगमैत्री सुविधायुक्त कक्षाकोठा,शौचालयको सुविधा, व्यवस्थित स्वच्छ खानेपानी, सुरक्षित खेलमैदान र व्यवस्थित घेरावारको कमी हुनु।
- विद्युतीय हाजिरी र इन्टरनेट सुविधाको प्रभावकारी व्यवस्थापन र प्रयोग नहुनु ।
- खेलकुद सिकाइ सामग्री र शिक्षकहरु तथा बालविकास सहजकर्ताहरुको लागि तालिमको कमी हुनु।
- विद्यालय नक्शाकंन नहुनु तथा विद्यालय मर्ज तथा समायोजन तथा ग्रेड घटाउने थप गर्ने जस्ता कार्य प्ररभावकारी नहुनु ।
- भौगोलिक जटिलताको कारणले गर्दा आधारभूत विद्यालयहरु थोरै विद्यार्थी संख्यामा पनि सञ्चालन गर्न बाध्य हुनु।
- अभिभावक शिक्षाको अभ्यासको कमी; स्थानीय समुदायको निजी विद्यालय प्रति मोह बढ्नु;सामुदायिक शिक्षामा आकर्षणको कमी हुनु।
- विद्यालय व्यवस्थापन समिति र शिक्षक अभिभावक समितिको शैक्षिक गुणस्तर अभिवृद्धि गर्ने एजेन्डा सहितको बैठकको निरन्तरतामा कमी हुनु।
- छुट्टै प्रधानाध्यापकहरुको अभ्यास नहुनु जस्ले पढाउने र व्यवस्थापकिय काम दुवै गर्नुपर्ने बाध्यता हुनु तथा प्रधानाध्यापकहरुलाई प्रोत्साहन गर्न सेवा, सुविधाको व्यवस्था नहुनु।
- वैकल्पिक सिकाइ प्रणालीको विस्तारमा कमी हुनु तथा सामुदायिक सिकाइ केन्द्रहरु उद्देश्य अनुरुप सञ्चालन हुन नसक्नु।
- विद्यालयको शैक्षिक अभिलेख व्यवस्थापन पाटो कमजोर हुनु।
- माध्यमिक तथा उच्च शिक्षा उत्पादनमुखी, अनुसन्धानमूलक र व्यवहारिक हुन नसक्नु तथा व्यवस्थापकिय कौशलतामा कमी हुनु।
- केही विद्यालयहरुको जग्गा आफ्नो नाममा नहुनु तथा अनुगमन प्रभावकारी र सघन रुपमा हुन नसक्नु।
- गुरुयोजनाको कार्यान्वयन र श्रोत साधनहरुको कमी हुनु साथै शिक्षामा सरकारी र समुदायको लगानी कम हुनु।
- शिक्षक पेसागत सहयोग र क्षमता विकास साथै सिकाइ आदान प्रदानका कार्यक्रमहरु न्यून हुनु ।
- विद्यालयहरुमा मापदण्ड बमोजिमको न्यूनतम र सुरक्षित भौतिक संरचनाहरुको बिकास समान तवरले हुन नसक्नु र यसको प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्न नसक्नु पनि समस्याको रुपमा देखिन्छ ।

- गाउँपालिकाको गाउँ शिक्षा ऐन र नियमहरु, योजनाहरु, कार्यविधिहरुको निर्माण तथा कार्यान्वयन प्रभावकारी रुपमा हुन नसक्नु ।
- विद्यालयमा सुशासनका लागि आवश्यक आर्थिक पारदर्शिता, सार्वजनिक सुनुवाई, सामाजिक परीक्षण, लेखा परीक्षण, विद्यार्थी अभिभाबक भेला जस्ता कार्यहरुलाई प्रभावकारी रुपमा कार्यान्वयन गर्न नसक्नु ।
- विद्यालयले निर्माण गर्ने विधालय सुधार योजना सहभागितामुलक नहुनु र सोही अनुसार कार्यान्वयन गर्न नसक्नु,
- प्रधानाध्यापक नियुक्तिका लागि स्थानीय तहले कार्यविधि र मापदण्ड स्पष्ट गर्न नसक्नु, प्र.अ. को क्षमता विकास र प्रशासनिक दक्षतामा कार्य गर्न नसक्नु,
- सूचना प्रविधिको प्रभावकारी उपयोग गर्नपर्ने अवस्थामा पनि समय सुहाउदो सूचना प्रविधिको व्यवस्थापन र प्रयोग गर्ने गराउने वातावरणको सृजना गर्न नसक्नु,
- पालिकामा शिक्षामा काम गर्ने आवश्यकता अनुसारको जनशक्ति अभाव हुनु ।
- विद्यालयमा अतिरिक्त क्रियाकलापहरु जस्तै खेलकुद मनोरञ्जन तथा सृजनात्मक क्रियाकलापका लागि न्यूनतम सामाग्रीहरु उपलब्ध नहुनु र विद्यालयले पनि यस्ता क्रियाकलापहरु प्रभावकारी रुपमा लागु गर्न नसक्नु,
- विद्यालयमा सुरक्षित घेरावार, शुद्ध पिउने पानी, सफा र वालमैत्री शौचालय, सरसफाइ तथा वातावरणीय अवस्थाहरुमा उल्लेख्य सुधार ल्याउन नसक्नु, व्यबहारीक र सीपमुलक तथा जीवनपर्यन्त शिक्षण सिकाइका अभ्यासहरुमा तिब्रता दिन नसक्नु ।
- कक्षाकोठा व्यवस्थापनको प्रभावकारीतामा कमी, विधालयमा प्राथमिक उपचार कक्ष र प्राथमिक उपचारको प्रबन्ध नहुनु ।
- सबै विद्यालयमा प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षा केन्द्रहरु नहुनु ।
- नियमित स्वास्थ्य परीक्षणको अभाव, अपाङ्गतामैत्री संरचना नहुनु, पोषण तथा दिवा खाजा व्यवस्थापन प्रभावकारी बनाउन नसक्नु, अभिभावक शिक्षामा कमी , हरित विधालय अवधारणा लागु नहुनु जस्ता समस्याहरु रहेका छन् ।
- संवैधानिक अधिकारको प्रयोग गरी शैक्षिक क्षेत्रको विकासका लागि गुरु योजना नबन्नु, प्राप्त अधिकार बमोजिमका जिम्मेवारी कार्यान्वयन गर्नका लागि पर्याप्त स्रोत साधनको अभाव हुनु,
- तुलनात्मक रु.पमा भौतिक पूर्वाधार भएपनि गुणस्तरीय सिकाइका लागि आवश्यक प्रविधिमैत्री भौतिक पूर्वाधारको अभाव हुनु, विज्ञान प्रयोगशाला नहुनु, बालबालिका मैत्री पूर्वाधार नहुनु ।
- प्राविधिक शिक्षालयको अभावका कारण प्राविधिक शिक्षा विकास चुनौतीको रु.पमा रहेको छ ।
- पालिका भित्रका विद्यालयमा विद्यालय छाड्ने दरमा अपेक्षित सुधार नहुनु, दलित तथा न्यून आय भएका परिवारका बालबालिकाहरु.को भर्नादरमा कम हुनु, विद्यालयहरु. आर्थिक रु.पले सबल हुन नसक्नु, विषयगत शिक्षक दरबन्दी कम हुनु, शिक्षण पेशाप्रति प्रतिवद्धताको कमी, आधुनिक प्रविधिको प्रयोग नहुनु जस्ता समस्याहरु. विद्यमान छन्।

- शिक्षाको गुणस्तर सुधारका लागि विषयगत दरबन्दी मिलान, विद्यालय समायोजन, पाठयोजना सहितको शिक्षणमा जोड, स्थानीय पाठ्यपुस्तकको निर्माण तथा प्रयोग र प्रविधिमैत्री शिक्षण सिकाइमा जोड दिन नसक्नु,
- शारीरिक, मानसिक तथा संवेगात्मक रु.पमा समस्यामा परेका बालबालिकाहरु.का लागि विद्यालय पहुँच सहज नहुनु, बालमैत्री वातावरणको अभावमा पठनपाठन सञ्चालन नहुनु ।
- सार्वजनिक विद्यालयहरु.लाई आत्मनिर्भर बनाउन आवश्यक योजना, बजेट, कार्यक्रम र सवल नेतृत्व क्षमताको अभाव हुनु ।
- प्राविधिक शिक्षामा विद्यार्थीहरुको अकर्षण घट्दै जानु ।

ख) अवसरहरु

- स्थानीय तहलाई संविधानले प्रदान गरेका अधिकार अनुसार आधारभूत तह सम्मको शिक्षा अनिवार्य र निःशुल्क हुनु तथा माध्यमिक तहको शिक्षा निःशुल्क हुनु साथै माध्यमिक तह सम्मको शिक्षा स्थानीय सरकारको एकल अधिकार क्षेत्रको रुपमा रहनु र कार्यान्वयनमा आउनु अवसरको रुपमा रहेको छ ।
- शिक्षामा पहुँच बढाउन दिवा खाजा, अपाङ्गता भएकाहरुको लागि अपाङ्गता अनुसारको छात्रवृतिको व्यवस्था हुनु, छात्रा छात्रवृति, लैगिंकमेत्री तथा अपाङ्गतामैत्री शौचालयको व्यवस्था गर्ने जस्ता कार्यक्रमहरु सञ्चालन हुनु पनि अवसरको रुपमा रहेको छ ।
- कार्यरत शिक्षकहरुमा तालिम प्राप्त र माथिल्लो शैक्षिक योग्यता भएका शिक्षकहरुको संख्या धेरै रहनु पनि अवसरको रुपमा रहेको छ।
- पालिकाले पालिका अनुदान मार्फत् शिक्षक व्यवस्थापन तथा प्रारम्भिक बालविकास शिक्षकलाई थप सेवा उपलब्ध गराएको ।
- ५० प्रतिशत विद्यालयहरुमा आधारभूत तहको खानेपानी तथा शौचालयको सुविधा रहेको।
- नमूना प्रारम्भिक बालविकास केन्द्र १ओटा तथा आधारभूत तह कक्षा (१-५) को नमूना विद्यालय १ओटा र माध्यमिक तहको सामुदायिक नमूना विद्यालय १ओटा रहेकोले अन्य विधालयमा सिकाइ प्रदान गर्न सहज हुने।
- स्थानीय पाठ्यक्रमको निर्माण भै प्रयोगमा आइरहेको तथा कक्षा ३ सम्मको पाठ्यपुस्तक निर्माण भएको र कार्यान्वयनको चरणमा रहेको ।
- सबै विद्यालयहरुमा बालक्लव, वि.व्य.स. र शि.अ.संघ गठन भएको।
- सबै विद्यालयहरुमा विद्यालय सुधार योजना निर्माण भैं अद्यावधिक भएको।
- सबै विद्यालयहरुमा बालक्लव गठन भएको र सबै वडामा बाल संजाल गठन भएको।
- माध्यमिक विद्यालयहरुमा अतिरिक्त कक्षाहरु सञ्चालन भैरहेको।
- १ ओटा विद्यालयमा एक शिक्षक एक ल्यापटप वितरण कार्यक्रम सञ्चालन गरी ३ महिने आधारभूत कम्प्युटर तालिम सञ्चालन गरिएको।
- बालबालिकाहरुलाई समयअनुसार जुकाको औषधि र किशोरीहरुलाई स्यानेटरी प्याड तथा आइरन चक्की वितरण भैरहेको।

- स्थानीय सरकारको अभ्यास गरेसँगै शिक्षाले व्यावहारिक, जीवनउपयोगी, सीपमुलक, प्रतिस्पर्धी र समसामयिक चुनौतीको सामना गर्नसक्ने जनशक्ति उत्पादन गर्नका लागि संवैधानिक अधिकार क्षेत्रभित्र रही विभिन्न नीतिगत र आर्थिक कार्यक्रमको व्यवस्था गर्न सक्ने अधिकार नेपालको संविधान २०७२ ले गरेको छ ।
- शिक्षा क्षेत्रको विकासका लागि आवश्यक पर्ने आधुनिक भौतिक पूर्वाधारको विकास अधिकांश विद्यालयमा भएकाले शैक्षिक क्षेत्रको विकासका लागि योजनावद्ध कार्यक्रम सञ्चालन गर्नका लागि आवश्यक आधार तयार भएको छ ।
- पालिकाको त्रिवेणी मा. वि.मा सञ्चालित कृषि विज्ञान कार्यक्रमले पालिकाभित्र मात्र नभइ छिमेकी पालिका र अन्तर जिल्लाका विद्यार्थीलाई समेत लाभान्वित गरी दक्ष जनशक्ति उत्पादनमा महत्वपूर्ण योगदान पुयाएको छ । यस विद्यालयमा थप स्रोत साधनको व्यवस्था गरी कृषि क्षेत्रको उत्पादनमा आधारित संरचनागत व्यवस्था तथा प्रयोगशाला निर्माण गर्न सके उत्पादित जनशक्ति सीपयुक्त र स्वरोजगार बनाउन सकिने सम्भावना रहेको छ ।

परिच्छेद- २ (दुई)

दूरदृष्टि, उद्देश्य, रणनीति तथा लक्ष्य निर्धारण

२.१-गाउँ शिक्षाको आवश्कता, सन्दर्भ र औचित्य

नेपालको संविधानको धारा ६५मा उल्लेख भएअनुसार संघीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्र नेपालको संरचना संघ, प्रदेश र स्थानीय तह गरी तीन तहको राज्यव्यवस्था गरिएको हुँदा सोही अनुसार निर्दिष्ट संविधान, कानुन बमोजिम कामकाज गर्ने व्यवस्था गरिएकोछ।राज्यशक्तिको बाँडफाँडलाई संविधानको अनुसूची- ५,६ र ८ मा संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको साझा अधिकारसूचीको प्रबन्ध गरिएकोछ।शिक्षा सम्वन्धी संघ, प्रदेश र स्थानीय तहलाई संविधानले निर्दिष्ट गरेका एकल तथा साझा अधिकारको व्यवहारिक कार्यान्वयन गर्न सहकारिता,सहअस्तित्व र समन्वयको सिद्धान्तलाई अवलम्वन गरी शिक्षाको राष्ट्रिय गन्तव्य तथा अन्तराष्ट्रिय प्रतिवद्धता पूरा गर्नुपर्ने देखिन्छ।नेपाललाई सन् २०३०सम्ममा मध्यम आय भएको राष्ट्रको रुपमा विकास गरी "समृद्ध नेपाल र सुखी नेपाली "को चाहाना पूरा गर्न शिक्षा सम्वन्धी हाल सम्म भएका प्रयास, उपलब्धि र पहिचान गरिएका समस्या तथा चुनौतीको समिक्षा गर्दै "समृद्ध त्रिवेणी : सुखी र सम्मानित त्रिवेणीवासी " गाउँपालिकाको परिकल्पनाको मान्यता अनुरुप शिक्षामा सबैको सरल,सहज र समतामुलक पहुँच सुनिश्चित गर्न,शिक्षालाई सर्वव्यापी,समकालीन आवश्यकतामा आधारित, विज्ञान तथा प्रविधियुक्त, रोजगारमूलक तथा प्रतिस्पर्धी बनाउन र शिक्षाका कार्यक्रमहरुको व्यवहारिक कार्यान्वयन गर्न, आवश्यक स्रोतको पहिचान, परिचालन र व्यवस्थापन गर्न, दिगो विकास लक्ष्य बमोजिम गाउँपालिकाको शिक्षाका सूचकहरुको विकास गर्न र सोही बमोजिमका उच्च शिक्षा,प्राविधिक शिक्षा र विद्यालय सुसाशन सम्वन्धी कार्यक्रम सञ्चालन गर्न, शिक्षामा सरोकारवालाको सहभागिता सुनिश्चित गरी गुणस्तरीय शिक्षा प्रदान गर्न, शिक्षा सम्वन्धी राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रिय प्रतिवद्धता पूरा गर्ने उद्देश्यका साथ त्रिवेणी गाउँपालिकामा पनि शिक्षा क्षेत्र योजना (२०८१ - २०९०) को आवश्यकता महसुस भइ निर्माण गर्नुपर्ने अवस्था आएको हो।

२.२ दूरदृष्टि

नेपाल सरकारले लिएको शिक्षाको दीर्घकालीन राष्ट्रिय सोचमा आर्थिक तथा सामाजिक रुपान्तरणको माध्यमबाट न्याय पूर्ण समाज निर्माण गरी नेपाललाई संबृद्ध र नेपालीलाई सुखी बनाउन योगदान गर्न र प्रदेशले लिएको दीर्घकालीन सोचमा शिक्षा विकासको पूर्वाधारः समृद्ध कर्णालीको आधार रहेकोमा यस गाउँपालिकाले पनि पालिकाको आवधिक योजना (२०८०।८१ देखि २०८४।८५) मा "सीपयुक्त मानव पुँजीको विकास, पालिका निर्माणको मुख्य आधार" भन्ने दुरदृष्टिलाई मध्यनजर गर्दा यस पालिकाको शिक्षाको दुरदृष्टि यस प्रकार रहेको छ ।

"त्रिवेणी निर्माणको आधार : जीवनपयोगी र प्रतिष्पर्धी मानव पुंजीको विकासका लागि समतामुलक, सर्वसुलभ, प्रविधियुक्त, र गुणस्तरीय शैक्षिक पूर्वाधार"

२.३ लक्ष्य

सिपयुक्त मानव पुंजी निर्माणका निमित्त समता र सुर्वसुलभ जीवनउपयोगी शिक्षा, गुणस्तरीय शैक्षिक पूर्वाधार तथा प्रविधिमैत्री र उत्पादनमुखी शिक्षाको माध्यमले सक्षमता र प्रतिष्पर्धी जनशक्ति निमार्णको सुनिश्चतता गर्ने

२.४ उद्देश्य

त्रिवेणी गाउँपालिकाले शिक्षा तथा सामाजिक क्षेत्रको स्तर बढाई देश र माटो सुहाउँदो शिक्षा विकासमा जोड दिदैं आएकोछ।यो गाउँपालिकालाई एउटा पूर्ण साक्षर, सिपयुक्त विद्यार्थीहरु उत्पादन गर्ने तथा समग्र शैक्षिक गुणस्तर उकास्नका लागि विभिन्न रणनीतिहरु अपनाएर अल्पकालीन तथा दीर्घकालीन कार्यक्रमहरु सञ्चालन गर्दै आएकोछ ।यसका लागि गाउँपालिकाले अपनाएका मुख्य रणनीति तथा कार्यक्रमहरुलाई निम्न बुँदाहरुमा समेटिएकोछ। शैक्षिक योजनाको प्रभावकारी कार्यन्वयनको माध्यमबाट सिपयुक्त मानव पुंजी निर्माणका लागि समता सहितको सर्वसुलभ, जीवनपयोगी र प्रविधिमैत्री तथा उत्पादनमुखी गुणस्तरीय शिक्षा सुनिश्चित गर्नु यस शिक्षा योजनाको प्रमुख उद्देश्य रहेको छ ।

- त्रिवेणी गाउँपालिका अन्तर्गतका सबै वर्ग तथा क्षमताका बालबालिकालाई प्रारम्भिक बालशिक्षाको अनुभव सुनिश्चित गर्नु र कक्षा १ मा प्रवेशको वलियो आधार तय गर्नु ।
- विद्यालय उमेर समूहका सबै बालबालिकाको आधारभूत तथा माध्यमिक तहको शिक्षामा पहुँच सुनिश्चित गर्नु,
- शिक्षालाई समावेशी, जीवनोपयोगी, व्यावहारिक, प्रविधिमैत्री र गुणस्तरीय बनाइ बालबालिकाको सिकाइलाई प्रदेश एवम् राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा प्रतिष्पर्धी बनाउनु ।
- प्राविधिक शिक्षा तथा व्यावसायिक तालिममा जोड दिँदै उच्च शिक्षालाई ज्ञान, सीप, प्रविधि र अनुसन्धानमा आधारित बनाउनु ।
- शैक्षिक पूर्वाधारहरु. आधुनिक, समावेशी, पर्यावरण मैत्री, सुरक्षित, र प्रविधि मैत्री बनाउनु र गुणस्तरीय शिक्षाका लागि योग्य, दक्ष र विषयगत शिक्षकको व्यवस्थापन गर्नु ।
- सबै बालबालिकालाई विद्यालय शिक्षामा सर्वसुलभ र समतामुलक पहुँच र सहभागिता सुनिश्चित गर्नु ।
- त्रिवेणी गाउँपालिकाका सबै शैक्षिक पूर्वाधारहरु. आधुनिक, समावेशी, पर्यावरण अनुकुल, सुरक्षित र प्रविधिमैत्री बनाउनु र गुणस्तरीय शिक्षाका लागि योग्य, दक्ष र विषयगत शिक्षकको व्यवस्थापन गर्नु ।

- शिक्षामा नविनतम प्रविधिको प्रयोग गरी शिक्षण शिकाइलाई जीवनपयोगी बनाउनु र व्यवहारीक र प्रयेगात्मक शिक्षाको प्रबन्ध मिलाउनु ।
- गाउँपालिकामा शिक्षक पेसागत सहयोग प्रर्णालीको विकास तथा प्रभावकारी कार्यान्वयन गरी दक्ष र क्षमतावान विषयगत रुपमा नै तालिम प्राप्त शिक्षकको व्यवस्था गर्नु तथा सिकाइ आदानप्रदानको व्यवस्थापन गर्नु ।
- उपयुक्त शैक्षिक पूर्वाधार सहितको बालमैत्री, अपांगमैत्री, लैङ्गिकमैत्री र प्रविधिमैत्री र सुरक्षित भौतिक पूर्वाधारको विकास गरी सुरक्षित सिकाइ वातावरण तयार गर्नु,
- गाउँपालिकाको शैक्षिक गुणस्तर अभिवृद्धि गर्दै श्रम र सीप सहितको शैक्षिक जनशक्ति उत्पादन गर्नु,
- शैक्षिक संस्थाको सस्थागत क्षमता विकास र पैरवी तथा परिचालन गरी शैक्षणिक क्रियाकलापहरुमा विद्यार्थीको समतामुलक र सहभागितामुलक पहुँच सुनिश्चित गर्नु,
- विद्यालयको भौतिक तथा शैक्षिक वातावरण सुधार गरी प्रभावकारी र मैत्रीपूर्ण शिक्षण सिकाइ वातावरण निर्माण गर्नु ।
- आधारभूत तथा माध्यमिक विद्यालय शिक्षामा समतामुलक र समन्यायिक पहुँच विस्तार गर्दै शैक्षिक गुणस्तर सुधार गर्नु ।
- सामुदायिक सिकाइ केन्द्रहरुको क्षमता विकास र व्यवस्थापन तथा परिचालन गरी अनौपचारिक शिक्षा तथा जीवनपर्यन्त सिकाइका अवसरहरुलाई प्रभावकारी रुपमा विस्तार गर्नु ।
- प्रारम्भिक बालविकास शिक्षा देखि माध्यमिक तह सम्मैको सिकाइ क्रियाकलाप सञ्चालनका लागि न्यूनतम मापदण्डहरु पुरा गरी सहज र मैत्रीपूर्ण सिकाइ वातावरणको स्थापना गर्नु ।
- सस्थागत क्षमता विकास मार्फत् विद्यालय ब्यवस्थापनमा सुशासन, जवाफदेहीता र उत्तरदायित्वमा सुधार गर्नु ।
- विपत् र आपतकालीन तथा संकटपूर्ण परिस्थितिमा पनि बालबालिकाहरुले शिक्षा प्राप्त गर्ने अवसरमा वृद्दि गर्नु ।
- शिक्षामा परिवार तथा समुदायको सहभागिता अभिवृद्दि गर्न तथा अभिभावक शिक्षा तथा सचेतना अभिवृद्धि जस्ता क्रियाकलाप मार्फत् अभिभावकको क्षमता विकास गर्नु ।
- माध्यामिक तहमा प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षाको व्यवस्थापन र सञ्चालन गरी सीपमुलक जनशक्ति उत्पादन गर्नु ।
- विद्यालयलाई नवप्रवर्तन तथा सूचना र प्रविधिमैत्री बनाइ बालबालिकालाई सूचना प्रविधिको माध्यमबाट सिकाइ सहजीकरणमा अभ्यस्त बनाउनु ।
- सार्वजनिक तथा निजी शैक्षिक क्षेत्रका असल अभ्यासलाई अनुसरण गर्दै निजी विद्यालयहरुको प्रभावकारी परिचालन गर्ने ।
- नैतिक शिक्षामा जोड दिई माता, पिता, गुरु र आफ्नो माटोलाई माया गर्ने शैक्षिक जनशक्ति निर्माण गर्ने ।
- विद्यार्थीहरुका लागि विभिन्न विषयमा खोज र अनुसन्धान गर्ने तथा समस्या समाधान गर्ने शिक्षामा जोड दिने ।

- विद्यालय अनुगमन तथा सुपरिवेक्षणको क्षेत्रलाई प्रभावकारी बनाई निरन्तर अनुगमन तथा मूल्याङ्कनमा जोड दिनु ।
- तहगत रुपमा एक वडा एक नमूना विद्यालयको अवधारणा ल्याई कार्यान्वयन गर्नु।
- शिक्षकहरुलाई पेशाप्रति जवाफदेही र उत्तरदायी बनाउन विभिन्न नीति बनाउने, शिक्षकहरुको कार्यसम्पादन मुल्यांकन गरी उत्कृष्ट कार्य सम्पादन गर्न राम्रोलाई पुरस्कृत र खरावलाई दण्ड नीति अवलम्बन गर्नुका साथै शिक्षक व्यवस्थापन, परिचालन तथा उत्प्रेरित गर्नु ।

२.५ रणनीतिहरु

त्रिवेणी गाउँपालिकाले शिक्षा योजना कार्यान्वयका लागि लिएको उल्लेखित उद्देश्य हासिल गर्नका निमित्त तथा योजना कार्यान्वयनका लागि तपसिलमा उल्लेख गरिएका प्रमुख रणनीतिहरु अवलम्बन गरेको छ ।

- प्रारम्भिक बालविकास शिक्षा कार्यक्रमलाई विद्यालय शिक्षाको आधार तथा अभिन्न अंगको रुपमा लिने र सोही अनुसार नीति कार्यक्रम तय गर्ने ।
- आधारभूत तहका आधार कक्षाहरु विशेष गरी कक्षा ३ सम्ममा मातृभाषामा पठन पाठन गराउन सम्भाव्यता अध्ययन गर्ने साथै विधालय समायोजन तथा ग्रेड थप र घटाउने जस्ता कार्य प्रभावकारी गर्ने ।
- विभिन्न रुपले पछाडि परेको जातजाति जस्तै दलित तथा पिछडा वर्गका किशोर किशोरीहरु. मध्ये जेहेन्दारहरुको छनौट गरी उच्च शिक्षाका लागि सहयोग गर्ने साथै अपाङ्गता भएका युवा युवती मध्ये जेहेन्दारहरु.को छनौट गरी उच्च शिक्षाका लागि भर्ना शुल्कमा अनुदान दिइने साथै अति विपन्न तथा सहयोग आवश्यक भएका बालबालिकाको लागि पोशाक, शैक्षिक सामग्री तथा अन्य साधनहरु उपलब्ध गराउने ।
- गाउँपालिका भित्र रहेको विद्यालय उमेर समूहका सबै बालवालिकाहरुलाई विद्यालय शिक्षाको मूल प्रवाहमा ल्याउने र सबै बालबालिकाको समतामुलक पहुँच सुनिश्चित गर्ने।
- नेपालको संविधानको धारा ३१ बमोजिम आधारभूत तह सम्मको शिक्षा अनिवार्य तथा निःशुल्क र माध्यमिक तह सम्मको शिक्षा निःशुल्क हुने व्यवस्था गर्ने ।
- विद्यालयको भौतिक, आर्थिक, शैक्षिक तथा मानवीय पक्षको व्यस्थापन र विकास गर्दै आधारभूत तथा माध्यमिक तहको शिक्षाको गुणस्तर सुधार गर्ने ।
- गाउँपालिका भित्रका विद्यालयहरुको भौतिक पूर्वाधारको विकासका लागि संघ, प्रदेश सरकार तथा अन्य दातृ निकायसंग पहल एवंम समन्वय र साझेदारी गर्ने ।
- शिक्षामा परिवार तथा समुदायको सहभागिता अभिवृद्दि गर्न समुदाय परिचालनका कार्यहरु गर्ने साथै उनीहरुको संलग्नता बढाउने ।
- गाउँपालिका भित्र युवा तथा खेलकुदका कार्यक्रमहरु प्रभावकारी रुपमा सञ्चालन गर्ने ।
- प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षाको संचालन गर्ने नीति बमोजिम माध्यमिक तहमा प्राविधिक शिक्षा कार्यान्वयन र विस्तार गर्ने र शिक्षालाई व्यावसायिक सिप तथा प्रविधिसंग जोड्ने नीति तथा कार्यक्रम बनाई लागू गर्ने ।
- प्रत्येक वडामा तहगत रुपमा नमूना विद्यालयको विकास गर्ने तथा माध्यमिक तहमा आबासिय विधालयको अवधारणा कार्यान्वयन गर्ने ।

- विद्यालयमा बालबालिकाको सरसफाई तथा पोषणको अवस्था तथा स्वास्थमा सहयोग पुग्ने गरी स्थानीय रुपमा उत्पादित दिवा खाजाको प्रबन्ध गर्नुका साथै स्थानीय स्वास्थ तथा अन्य सम्बन्धीत सरकारी तथा गै.स.स सहकार्य गर्दै सरसफाई तथा स्वच्छता शिक्षा विद्यालय मार्फत् प्रदान गरिने ।
- अपाङ्गता तथा सुविधा विहिन बालबालिकाहरुलाई विद्यालयमा भर्ना हुन निरन्तरता दिन र बालबालिकाहरुका सिकाईमा सहभागी गराई उपलब्धि सुधार गर्ने यसका लागि अपाङ्गता भएका बालबालिकाहरुका लागि सहजीकरण गर्न तालिम प्राप्त शिक्षकको व्यवस्थापन, शैक्षिक सामग्री तथा सहायता सामग्रीको व्यवस्थापन गर्ने।
- विद्यालयमा विषयगत शिक्षकको शुनिश्चितता गर्नुका साथै शिक्षकको पेसागत विकासमा टेवा पुर्याउने तथा दरवन्दी पुरा गर्ने।
- प्रौढहरुका लागि प्रौढ र अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने,
- विद्यालय शिक्षा छोडेका बेरोजगार युवायुवतीहरु.लाई सीपमुलक, जीवनउपयोगी र बजारको मागनआनुसारका शैक्षिक कार्यक्रम संचालन गर्ने,
- निरक्षर जनसंख्याको पहिचान गरी सघन साक्षरता कार्यक्रम सञ्चालन गर्न प्रत्येक बस्तीमा आमा समूह, महिला समूहलाई परिचालन गरी साक्षरता अभियान सञ्चालन गर्ने,
- विद्यालयको नेतृत्व प्रणालीमा सुधार गर्दै प्रत्येक विद्यालयमा इन्टरनेटको पहुँच प्रभावकारी बनाउने र उच्चतम प्रयोग गर्ने ।
- शैक्षिक संस्थाको गुणस्तर अभिवृद्धिका लागि प्रभावकारी अनुगमन, निरीक्षण र मूल्याङ्कन गरी शिक्षकको पेसागत विकासमा सहयोग गर्ने ।
- कार्यसम्पादनका आधारमा विद्यालयहरुको वर्गीकरण गरी राम्रो अभ्यास गर्ने विद्यालय र शिक्षकलाई प्रोत्साहन र कार्यसम्पादन कमजोर भएका संस्थालाई मुल्यांकन गरी दण्ड र पुरस्कारको नीति अवलम्बन गर्ने ।
- नीजी लगानीका शैक्षिक संस्थाहरुलाई नियमन गर्ने र उनीहरुका राम्रा अभ्यासलाई अनुसरण गर्दै स्तरीकरण गर्ने ।
- स्थानीय पाठ्यसामग्रीको प्रभावकारी कार्यान्वयन गरी स्थानीय पाठ्यक्रमका आधारमा पाठ्यपुस्तक र सन्दर्भ सामग्रीको विकास र प्रयोग गर्ने ।
- शिक्षा क्षेत्रलाई पालिकाले पहिलो प्राथमिकतामा राख्ने तथा शैक्षिक कार्यक्रममा लागि अन्य संस्थाहरुसंग हातेमालो गरी शिक्षा विकासको लागि बहस तथा पैरवी गर्ने ।
- शिक्षा युवा तथा खेलकूद शाखाको सवलीकरण र सुदृढिकरण गरी शिक्षासंग सम्बन्धीत संरचनालाई दक्षतापूर्ण प्रभावकारी र नतिजामुलक बनाउने ।
- संघ र प्रदेशले बनाएका शिक्षाका नीतिसंग नबाझिने गरी पालिकाले शिक्षा सम्बन्धी आवश्यक नीति तथा कानुन निर्माण गरी प्रभावकारी रुपमा कार्यान्वयन गर्ने ।

२.६ कार्यनीति

- सबै बालबालिकाहरुको विद्यालय पुहँचमा सुधारको लागि विद्यालय भर्ना अभियानलाई शैक्षिक सत्रको सुरुमा सम्बन्धीत वडाको वडा अध्यक्ष वा वडा अध्यक्षले तोकेको वडा सदस्यको संयोजकत्वमा समिति तयार गरी भर्ना अभियानलाई घरदैलो अभियान सहित सञ्चालन गरिनेछ ।

- विद्यालय जान नसक्ने बालबालिकाहरुको भर्ना अभियानबाट पहिचान गरी जोखिममा परेका बालबालिकाको शैक्षिक सहयोगका लागि बालबालिकासँग शैक्षिक सहायता कार्यक्रम लागु गर्ने।
- हरेक वडा सहित पालिकामा विद्यालय बाहिर बालबालिका नभएको घोषणा गर्ने कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
- प्रारम्भिक बालविकास केन्द्रको सिकाइ सुधारको लागि प्रारम्भिक बाल विकास केन्द्रको पाठ्यक्रम २०७७ लाई प्रभावकारी रुपमा कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ साथै न्यूनतम मापदण्डको प्रभावकारी रुपमा कार्यान्वयन गरिनेछ ।
- प्रधानाध्यापकहरु तथा शिक्षकलाई प्रोत्साहनको व्यवस्था तथा प्रोत्साहन भत्ताको व्यवस्था गरिनेछ । साथै उत्कृष्ट कार्य गर्न तहगत शिक्षकलाई पुरस्कृत गरिनेछ
- प्रारम्भिक कक्षाको सिकाइ सुधारको लागि, पढ्नका लागि सिक्ने र सिक्नको लागि पढ्ने धारणालाई थप निरन्तरता दिइनेछ ।
- माध्यमिक तहका विद्यालयका विद्यार्थीहरुलाई एक कार्यविधि तयार गरी निरन्तर सिकाइको लागि परिचालन गरिनेछ र उत्कृष्टलाई प्रोत्साहन गर्ने व्यवस्था मिलाईनेछ ।
- विद्यालय सुपरीवेक्षण तथा शिक्षकको पेसागत सहयोगको लागि पालिका तहमा निश्चित कार्यविधि बनाई लागु गरिनेछ ।
- विद्यालय तहको शिक्षण सिकाइमा सुधारको लागि शैक्षिक सामग्री सहितको शिक्षण, शिक्षकको पेसागत विकास र सहयोगमा प्राथमिकता दिदै सिकाइको लागि मुल्यांकनका साथै पालिका स्तरीय स्तरीकृत परीक्षा तथा परीक्षण लागु गरिनेछ ।
- सबै विद्यालयमा प्रविधिमैत्री शिक्षणको लागि चाहिने न्यूनतम सामग्रीको सहयोग गर्दै प्रविधिमैत्री शिक्षण लागु गरिनेछ ।
- आधारभूत तहमा स्थानीय पाठ्यक्रमको प्रभावकारी कार्यान्वयन गरिनेछ र पाठ्यपुस्तक निर्माण र प्रयोग गरिनेछ ।
- विद्यालयमा समुदाय तथा परिवारको संलग्नता बढाउनका लागि समुदाय परिचालन र सचेतीकरण कार्यक्रमहरु लागु गरिनेछ ।
- विद्यालय खेलकुदका कार्यक्रम प्रभावकारी गर्न पालिकामा खेल शिक्षकको वयवस्था साथै सूचना प्रविधिका लागि पनि प्रशिक्षकको व्यवस्था गरिनेछ ।
- विद्यालयको शिक्षण सिकाइ क्रियाकलापहरु सञ्चालनको लागि न्यूनतम सिकाइ वातावरणको सुनिश्चत गर्न प्रस्तावनामा आधारित शैक्षिक सुधार कार्यक्रम लागु गरिनेछ ।
- निरन्तर सिकाइको लागि सामुदायिक सिकाइ केन्द्रको थप सुदढीकरण गरी निरन्तर सिकाइ कार्यक्रम सामुदायिक सिकाइ केन्द्रबाट गरिनेछ र सामुदायिक सिकाई केनद्रलाई समुदाय तहमा जीवनपयोगी सिप सिकाइका लागि परिचालन गरिनेछ।
- विद्यालय प्रधानाध्यापकको छनोट र नियुक्ति प्रक्रियालाई पारदर्शी, विस्वसनीय गर्न निश्चित कार्यविधि तयार गरी नेतृत्व परीक्षण लागु गरिनेछ । साथै प्रधानाध्यापकहरुका लागि समयसापेक्ष रुपमा भत्ताको व्यवस्था गरिनेछ ।

- विद्यालयको सुशासन, जवाफदेहीता तथा ब्यवस्थापनमा प्रभावकारीता ल्याउन विभिन्न रणनीतिहरु कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ । त्यस्ता रणनीतिहरुमा विद्यालयको नेतृत्वको क्षमता विकास कार्यक्रम, विद्यालय आचारसहिँता निर्माण र कार्यान्वयन, कार्यसम्पादन करार सम्झौता गरी पुरस्कार र दण्डको नीति अवलम्बन गरिनेछ ।
- बाह्य परीक्षकबाट हरेक वर्ष विद्यालयको कार्यसम्पादन मुल्यांकन, सामाजिक परीक्षण, लेखापरीक्षण र कार्यसम्पादन मुल्यांकनको आधारमा विद्यालयमा जाने कार्यक्रम तथा निकासालाई जोड्दै अनिवार्य र प्रभावकारी बनाइने तथा विद्यालयको नियमित मासिक शैक्षिक गतिविधिहरुको जानकारीको प्रतिवेदन मासिक रुपमा सूचना प्रविधि मार्फत् लिने प्रबन्ध मिलाइने छ ।
- संकटको बेलामा पनि शिक्षणसिकाइ सञ्चालन गर्न पालिका स्तरमा वैकल्पिक सिकाइ सहजीकरणको कार्यक्रमका लागि भर्चुअल तथा अडियो भिजुअल तथा अन्य छपाई सामग्री मार्फत् सिकाइ सहजीकरणको ब्यवस्था मिलाइनेछ ।
- अभिभावक तथा समुदाय सचेतिकरणको लागि विद्यालय परिवार तथा माध्यमिक तहका विद्यार्थीहरुलाई परिचालन गरिनेछ ।
- भौतिक पूर्वाधार (भवन, खेलमैदान, घेराबार, स्वच्छ खाने पानी, शौचालय, फर्निचर आदी) विकास गरिनेछ ।
- विज्ञ रोष्टर शिक्षकको व्यवस्थापन व्यवस्थापन गरी शिक्षकको पेसागत सहयोगका लागि प्रभावकारी रुपमा परिचालन गरिनेछ । ।
- नक्साङ्कनका आधारमा विद्यालय स्थापना, समायोजन तथा विस्तार गरिनेछ ।
- विद्यालय शिक्षामा पहुँच वृद्धि गर्नका लागि विद्यालय भर्ना तथा स्वागत कार्यक्रम, निःशुल्क पाठ्यपुस्तक, छात्रवृत्ति, दिवा खाजा, विद्यालय पोसाक, शैक्षिक सामग्री वितरण, अभिभावक शिक्षा आदि जस्ता कार्यक्रमहरु. सञ्चालन गरिनेछ ।
- सबैका लागि अनिवार्य तथा निःशुल्क शिक्षा सुनिश्चित गर्न शारीरिक तथा सामाजिक रु.पमा पछाडि परेका बालबालिकाहरु.लाई विशेष सिकाइ सामग्री र उचित शैक्षिक अवसरको सृजना गरिनेछ ।
- प्राविधिक शिक्षालय स्थापनाका लागि अध्ययन अनुसन्धान गरिनेछ । साथै शिक्षा संग सरोकार राख्ने सरोकारवालाहरु संगको समन्वय तथा सहकार्य प्रभावकारी रुपमा बढाइनेछ ।
- अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रणाली चुस्त दुरुस्त बनाइनेछ साथै परीक्षा प्रणालीमा पनि स्तरीकृत गर्दै लगिनेछ ।

२.७ अपेक्षित उपलब्धिहरु

- प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षा, आधारभूत तथा माध्यमिक तहका शिक्षामा सबै बालबालिकाको समतामुलक पहुँच सुनिश्चित भई सान्दर्भिकता र गुणस्तरमा सुधार भएको हुनेछ ।
- सबै तहका सामुदायिक विद्यालय, प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा तथा उच्च शिक्षा प्रदायक संस्थाहरु.मा पेसागत रु.पमा सबै जनशक्ति दक्ष भै कार्यरत रहेको हुनेछन् ।
- पाठ्यक्रमको प्रभावकारी कार्यान्वयनबाट दैनिक जीवनका लागि आवश्यक आधारभूत सक्षमतासहित सृजनशील, सकारात्मक सोच भएको, निरन्तर सिकाइप्रति प्रतिबद्ध र रोजगारउन्मुख नागरिक तयार भएको हुनेछ ।

- सक्षम र अभिप्रेरित शिक्षकको व्यवस्था भई विद्यार्थीको सिकाइमा सुधार भएको हुनेछ र शिक्षक पेसागत सहायता प्रणालीको प्रभावकारी रुपमा सञ्चालन भएको हुनेछ।
- सबै विद्यालयहरु. गुणस्तरीय शिक्षा प्रदान गर्न सक्षम भएका हुनेछन् र बालबालिकाको न्यूनतम सिकाइ प्राप्त भएको हुनेछ ।
- विद्यालय तहको शिक्षामा समतामुलक पहुँच र समावेशी सहभागितासहित सबैका लागि गुणस्तरीय शिक्षा सुनिश्चित भएको हुनेछ ।
- विद्यालयमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको विस्तार भई सिकाइलाई प्रभावकारी, गुणस्तरीय र सान्दर्भिक बनाउन सहयोग पुग्नुका साथै विद्यालय शिक्षाको व्यवस्थापनमा सुधार आई सुशासन प्रबर्द्धन भएको हुनेछ ।
- प्रभावकारी अनुगमनको माध्यमबाट योजना कार्यान्वयनका चरणमा आएका समस्या तथा चुनौतीहरु.लाई समयमै सम्बोधन भई अपेक्षित उपलब्धि हासिल हुने र योजनाको मूल्याङ्कनमा आधारित भई आवश्यकतामा आधारित योजना निर्माणका लागि पृष्ठपोषण प्राप्त भएको हुनेछ ।
- तहगत रुपमा विद्यार्थी टिकाउ दर बढ्नुका साथै कक्षा दोहर्याउने दर कम भएको हुनेछ । कक्षा उतीर्ण दर पनि बढेको हुनेछ ।
- सबै तहका विद्यालयले आधारभूत मापदण्ड पुरा गरी माध्यमिक शिक्षाको सान्दर्भिकता र गुणस्तरमा अभिवृद्धि भएको हुनेछ ।
- प्राविधक शिक्षालयको स्थापना भै विद्यार्थीहरुले विभिन्न क्षेत्रको व्यवहारीक सीप हासिल गरेका हुनेछन् । पाठ्यक्रम तथा पाठ्यसामग्रीको उपलब्धता, उत्प्रेरित शिक्षकको व्यवस्थापन, प्रविधिको समुचित प्रयोग र उचित सिकाइ वातावरणको निर्माण भएको हुनेछ ।
- भर्ना, सहभागिता र सिकाइ उपलब्धिमा लैङ्गिक, भौगोलिक, सामाजिक तथा आर्थिक लगायतका समता सूचकमा सुधार भएको हुनेछ ।
- विद्यालयहरु.मा प्रकोप, संकट तथा महामारी लगायतका परिस्थितिप्रति उत्थानशील भएको हुनेछ ।
- स्थानीय तहमा सञ्चालित उच्च शिक्षा प्रदायक संस्थाहरु.बाट सञ्चालन हुने कार्यक्रमहरु.को सान्दर्भिकता र गुणस्तरमा अभिवृद्धि भएको हुनेछ ।
- बालबालिकाको पोषण, स्वास्थ्य, सुरक्षित खानेपानी, सरसफाइ, तथा अतिरिक्त क्रियाकलाप, खेलकुद जस्ता क्षेत्रमा उल्लेख्य रुपमा सुधार भएको हुनेछ ।

२.८ शिक्षा योजनाका कार्यसम्पादन सूचक र लक्ष्य निर्धारण

क्रसं	सूचक	सूचकहरुको तहको	आधार वर्ष २०८१	२०८३	२०८५	२०९०
१.१	प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षामा कुल भर्ना दर	स्थानीय	९०.४	९६	१००	१०५
		प्रदेश	८६.८५			
		राष्ट्रिय	८६.२	८९.५	९४.०	९९.०
१.२	प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षाको अनुभव लिई कक्षा १ मा नयाँ भर्ना भएका बालबालिका	स्थानीय	९०.०	९५	९७	१००
		प्रदेश	८१.९१			
		राष्ट्रिय	६८.६	७३.०	८५.०	९५.0
२.१	कक्षा १ मा नयाँ भर्ना भएका बालबालिकाको खुदप्रवेश दर	स्थानीय	९६.५	९७	९८	९९
		प्रदेश	९५.९५			
		राष्ट्रिय	९६.९	९७.५	९९.०	१००
२.२	कक्षा १ मा नयाँ भर्ना भएका बालबालिकाको कुल प्रवेश दर	स्थानीय	१२४.३	११७	११०	१०५
		प्रदेश	१२०.९९			
		राष्ट्रिय	१२१.९	११५.०	१०७.०	१०५.०
२.३	आधारभूत तह प्राथमिक कक्षा १–५ मा खुद भर्ना दर	स्थानीय	९६.५	९६.८	९७.५	९८.५
		प्रदेश	९५.८५			
		राष्ट्रिय	९७.१	९९.०	९९.५	१००
२.४	आधारभूत तह प्राथमिक कक्षा १–५ मा कुल भर्ना दर	स्थानीय	११७.९	११३	१०८	१०५
		प्रदेश	१२६.३९			
		राष्ट्रिय	११९.२	११५.०		
२.५	आधारभूत तहको कक्षा १–५ को कक्षा छाड्ने दर	स्थानीय	६.७	५	३	०
		प्रदेश	४			
		राष्ट्रिय	३.२४			
२.६	आधारभूत तहको कक्षा १–५ को कक्षा दोहर्याउने दर दर	स्थानीय	४. ३	३	१	०
		प्रदेश	१२.२५			
		राष्ट्रिय	८.४९			
२.७	आधारभूत तहको कक्षा १–५ को कक्षा उतीर्ण दर	स्थानीय	८३.४	९१	९५	९७
		प्रदेश	७९.१५			
		राष्ट्रिय	८३.८३			
२.८	आधारभूत तह प्राथमिक कक्षा ५	स्थानीय	८०	८२	८५	१००

क्रसं	सूचक	सूचकहरुको तहको	आधार वर्ष २०८१	२०८३	२०८५	२०९०
	पूरा गर्ने दर	प्रदेश				
		राष्ट्रिय	८५.८	९३.१	९५.५	९९.५
२.९	आधारभूत तहमा प्राथमिक कक्षा १-५ मा भर्ना भएका ५-९ वर्ष उमेर भन्दा माथिका बालबालिका	स्थानीय				
		प्रदेश				
		राष्ट्रिय	२२.२	२०.०	१५.०	१०.०
२.१०	आधारभूत तह प्राथमिक कक्षा १-५ कुल भर्ना दरमा लैङ्गिक समता सूचाङ्क	स्थानीय	०.९२	०.८५	०.८७	०.९९
		प्रदेश				
		राष्ट्रिय	१.०६			१.०१
२.११	आधारभूत तह कक्षा १-८ मा खुद भर्ना दर	स्थानीय	९६.३	९७	९८	९८.५
		प्रदेश				
		राष्ट्रिय	९३.४	९९.०		१००
२.१२	आधारभूत तह कक्षा १-८ मा कुल भर्ना दर	स्थानीय	१२४.५	११८	११०	१०५
		प्रदेश				
		राष्ट्रिय	११०.४			
२.१३	आधारभूत तहको कक्षा ८ सम्मको टिकाउ दर	स्थानीय	८५.४	९०	९३	९८
		प्रदेश				
		राष्ट्रिय	७९.३			९५.०
२.१४	आधारभूत तहको कक्षा १ मा भर्ना भई कक्षा ८ पूरा गर्ने दर	स्थानीय	८०.००	८०	९०	९५
		प्रदेश				
		राष्ट्रिय	७२.७			९५.०
२.१५	आधारभूत तह कक्षा १-८ कुल भर्ना दरमा लैङ्गिक समता सूचक	स्थानीय	०.९३	०.९५	०.९७	०.९९
		प्रदेश				
		राष्ट्रिय	१.०१	१.०१		
२.१६	कक्षा १ मा प्राप्त ग्रेड	स्थानीय	१.९७	२.२	२.८५	३
	कक्षा २ मा प्राप्त ग्रेड	स्थानीय	१.९३	२.२	२.८५	३
	कक्षा ३ मा प्राप्त ग्रेड	स्थानीय	१.९६	२.२	२.८५	३
२.१७	कक्षा ४ मा प्राप्त ग्रेड	स्थानीय	२.३५	२.६	२.८	३.१
	कक्षा ५ मा प्राप्त ग्रेड	स्थानीय	२.४२	२.७	२.८०	३.१
२.१८	कक्षा ६ मा प्राप्त ग्रेड	स्थानीय	२.२६	२.७	२.८०	३.१

क्रसं	सूचक		सूचकहरुको तहको	आधार वर्ष २०८१	२०८३	२०८५	२०९०
	कक्षा ७ मा प्राप्त ग्रेड		स्थानीय	२.१९	२.६	२.८	३.१
	कक्षा ८ मा प्राप्त ग्रेड		स्थानीय	२.१३	२.७	२.९०	३.१
२.१९	विद्यालय वाहिर रहेका बालबालिका	आधारभूत (कक्षा १-५)	स्थानीय				
			प्रदेश				
			राष्ट्रिय	२.९	१.०	०.५	०
		आधारभूत (कक्षा १-८)	स्थानीय				
			प्रदेश				
			राष्ट्रिय	६.६		१.०	०
२.२०	आधारभूत तह कक्षा १ –८ अध्यापनरत कुल शिक्षक मध्ये महिला शिक्षकको प्रतिशत		स्थानीय	३५३४	४०	४५	५०
			प्रदेश				
			राष्ट्रिय	४७	४५.०	५०.०	५०.०
२.२१	आधारभूत तह कक्षा ६ –८ मा कक्षा छोड्ने दर		स्थानीय	४.३	३	१	०
			प्रदेश	३.०३			
			राष्ट्रिय	२.८			
२.२२	आधारभूत तह कक्षा ६ –८ मा कक्षा दोहर्याउने दर		स्थानीय	०.७	०.४	०.२	०.०
			प्रदेश	६.५६			
			राष्ट्रिय	५.१९			
२.२३	आधारभूत तह कक्षा ६ –८ मा कक्षा उतिण दर		स्थानीय	८९.५	९४	९६	९८
			प्रदेश	८५.८१	९०	९५	९८
			राष्ट्रिय	८८.२			
३.१	माध्यमिक तह कक्षा ९ –१० मा खुद भर्ना दर		स्थानीय	७२.७	८१	९०	९२
			प्रदेश				
			राष्ट्रिय	४७.६		६५.०	
३.२	माध्यमिक तह कक्षा ९ –१० मा कुल भर्ना दर		स्थानीय	१२५.९	११५	१०८	१०५
			प्रदेश				
			राष्ट्रिय	७१.४			९९.०
३.३	माध्यमिक तहमा कुल भर्ना		स्थानीय	१.०२	१.००	१.००	१.००

क्रसं	सूचक	सूचकहरुको तहको		आधार वर्ष २०८१	२०८३	२०८५	२०९०
	दरमा लैङ्गिक समता सूचक कक्षा ९ –१२	प्रदेश					
		राष्ट्रिय		१.०२	१.००	१.००	१.००
३.४	माध्यमिक तह कक्षा ११ –१२ मा खुद भर्ना दर	स्थानीय		५३	६५	८०	९०
३.५	माध्यमिक तह कक्षा ११ –१२ मा कुल भर्ना दर	स्थानीय		१०३.४	१०३.२	१०२.८	१०२.४
३.६	आधारभूत तहवाट माध्यमिक तहमा ट्रान्जिसन दर	स्थानीय					
		प्रदेश					
		राष्ट्रिय		९७.५			
३.७	कक्षा १ मा भर्ना भएका बालबालिका.मध्ये कक्षा १० मा पुग्ने दर	स्थानीय					
		प्रदेश					
		राष्ट्रिय		६०.३			
३.८	कक्षा १ मा भर्ना भएका बालबालिका मध्ये कक्षा १२ मा पुग्ने दर	स्थानीय					
		प्रदेश					
		राष्ट्रिय		२४.०			
३.९	माध्यमिक तह कक्षा ९ –१२ मा कार्यरत महिला शिक्षक प्रतिशत	स्थानीय		२१	२५	२७	३०
		प्रदेश					
		राष्ट्रिय		२०.६	२२.०	२७.०	३३.०
३.१०	माध्यमिक तह कक्षा ९ –१२ मा अध्ययनरत विद्यार्थी मध्ये विज्ञान र प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा विषयमा भर्ना भएका विद्यार्थी प्रतिशत	स्थानीय	विज्ञान				
			प्रा.व्या.				
		प्रदेश	विज्ञान				
			प्रा.व्या				
		राष्ट्रिय	विज्ञान			१५.०	
			प्रा.व्या	१०.०	१७.०	३०.०	
३.११	कक्षा ९ मा प्राप्त ग्रेड	स्थानीय		२.०६	२.८	२.८५	३
३.१२	माध्यामिक तह कक्षा ९ –१० मा कक्षा छोड्ने दर	स्थानीय		४.६	३.५	२.३	१
		प्रदेश		२.३५			
		राष्ट्रिय		१.९४			
३.१३	माध्यामिक तह कक्षा ९ –१० मा कक्षा दोहर्याउने दर	स्थानीय		०.२	०.२	०.१	०.०
		प्रदेश		२.४७			

क्रसं	सूचक	सूचकहरुको तहको		आधार वर्ष २०८१	२०८३	२०८५	२०९०
		राष्ट्रिय		२.१८			
३.१४	माध्यामिक तह कक्षा ९ –१० मा कक्षा उतिण दर	स्थानीय		८९.६	९२	९५	९७
		प्रदेश		९१.५२			
		राष्ट्रिय		९३.४२			
	माध्यामिक तह कक्षा ११ –१२ मा कक्षा छोड्ने दर	स्थानीय		४.२	३.५	२.३	१
		प्रदेश		१.११			
		राष्ट्रिय		०.८९			
३.१५	माध्यामिक तह कक्षा ११ –१२ मा कक्षा दोहर्याउने दर	स्थानीय		०.०	०.०	०.०	०.०
		प्रदेश		२.८			
		राष्ट्रिय		०.७८			
३.१६	माध्यामिक तह कक्षा ११ –१२ मा कक्षा उतिण दर	स्थानीय		८६.४	९०	९२	९५
		प्रदेश		९१.११			
		राष्ट्रिय		९१.२७			
४.१	साक्षरता दर कुल	स्थानीय		७६.९	८२	८५	९०
		प्रदेश					
		राष्ट्रिय		५८.०		९५.०	
४.२	महिला साक्षरता	स्थानीय		७०.०	७७	८०	८५
		प्रदेश					
		राष्ट्रिय		०.६५			०.८०
५.१	प्राविधिक तथा व्यावसायिक सीप विकास तथा तालिम प्राप्त आर्थिक रु.पले सक्रिय जनशक्ति	स्थानीय					
		प्रदेश					
		राष्ट्रिय		३१.०	४०.०	५०.०	७५.०
५.२	प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा कक्षा ९ –१२ वा डिप्लोमा वा प्रिडिप्लोमा वा सो सरह उत्तीर्ण जनशक्ति वार्षिक सङ्ख्या	स्थानीय	छात्रा				
			छात्र				
		प्रदेश	छात्रा				
			छात्र				
		राष्ट्रिय	छात्रा				
			छात्र				
६.१	आधारभूत तह कक्षा १ –५ मा	स्थानीय		१६:१	१८:१	२०:१	२२:१

क्रसं	सूचक	सूचकहरुको तहको	आधार वर्ष २०८१	२०८३	२०८५	२०९०
	विद्यार्थी शिक्षक अनुपात सामुदायिक विद्यालय	प्रदेश				
		राष्ट्रिय	२४:१		३०:१	३०:१
६.२	आधारभूत तह कक्षा ६ –८ मा विद्यार्थी शिक्षक अनुपात (सामुदायिक विद्यालय)	स्थानीय	२०:१	२०:१	२२:१	२२:१
		प्रदेश				
		राष्ट्रिय	३०:१		३०:१	३०:१
६.३	आधारभूत तह कक्षा १ –८ मा विद्यार्थी:शिक्षक अनुपात सामुदायिक विद्यालय	स्थानीय	१७:१	२०:१	२०:१	२५:१
		प्रदेश				
		राष्ट्रिय	३३:१	३१:१	३०:१	३०:१
६.४	माध्यमिक तह कक्षा ९ –१० मा विद्यार्थी:शिक्षक अनुपात सामुदायिक विद्यालय	स्थानीय	२८.:१	३०.:१	३०.:१	३०.:१
		प्रदेश				
		राष्ट्रिय	४:१		३०:१	३०:१
६.५	माध्यमिक तह कक्षा ९-१२ मा विद्यार्थी:शिक्षक अनुपात	स्थानीय	३७:१	३६:१	३३:१	३३:१
		प्रदेश				
		राष्ट्रिय	४१:१	३५:१	३०:१	३०:१
७.१	कुल बजेटको शिक्षा क्षेत्रमा विनियोजित बजेट रु. हजारमा	स्थानीय				
		प्रदेश				
		राष्ट्रिय	१०।६८	१५।०	१७।०	२०।०
७.२	आधारभूत तह कक्षा १-८ मा प्रति विद्यार्थी सरकारी खर्च रु. हजारमा	स्थानीय				
		प्रदेश				
		राष्ट्रिय	१८	२१	२४	
७.३	माध्यमिक तह कक्षा ९-१२ मा प्रति विद्यार्थी सरकारी खर्च रु. हजारमा	स्थानीय				
		प्रदेश				
		राष्ट्रिय	११	१५	१७	

परिच्छेद ३ : शिक्षाका मुख्य उपक्षेत्रहरु

३.१ प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षा

३.१.१ वर्तमान अवस्था

नेपालको राष्ट्रिय पाठ्यक्रम प्रारुप, २०७६ ले ४ वर्षको उमेर पूरा भएका बालबालिकालाई एक वर्षको प्रारम्भिक बालविकास शिक्षाको अवसर प्रदान गर्नुपर्ने प्राबधान उल्लेख गरेको छ । उक्त प्रारुप अनुसार ४ वर्ष उमेरभन्दा मुनिका बालबालिकालाई शिशु विकास केन्द्रबाट शारीरिक, मानसिक तथा बौद्धिक, संवेगात्मक र सामाजिक विकास तथा स्याहारका क्रियाकलाप सञ्चालन गर्न सकिने कुरा उल्लेख छ । विविध किसिमका बालबालिकाका लागि मैत्रीपूर्ण मनोरञ्जनात्मक सिकाइ सहजीकरण क्रियाकलापका माध्यमद्वारा बालबालिकाहरुको सर्वाङ्गीण विकासमा सहयोग पुर्याउनु र कक्षा एकमा प्रवेशका लागि पूर्ण रुपमा तयार पार्नु प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षाको मुख्य उद्देश्य रहेको छ ।यस तहमा बालबालिकाहरुलाई सिकाइप्रति प्रेरित गर्न र उनीहरुको सर्वाङ्गीण विकास गर्नको लागि शैक्षिक कार्यक्रम तयार गरिएको हुन्छ ।प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षा कार्यक्रमले बालबालिकाहरुको शारिरीक, मानसिक, संवेगात्मक, सामाजिक र सांस्कृतिक विकासमा टेवा पुर्याउनका साथै बालबालिकाहरुलाई कक्षा १ मा भर्ना हुनु पूर्व आधारभूत सीप सिकाइका क्षेत्रहरु र विषयगत सीप सिकाइका क्षेत्रहरुको माध्यमबाट विभिन्न ज्ञान, सीप, धारणा र अभिवृत्ति प्राप्त गर्न सहयोग गर्छ ।यस शिक्षाले बालबालिकाहरुमा आधारभूत व्यवहारिक ज्ञान र संस्कार सिकाउँदै कक्षा १ मा अध्ययनको लागि आधार तयार गर्दछ । नीतिगत रुपमा साधारणतः ४ (चार) वर्ष उमेर पूरा भएका बालबालिकाहरु यसमा संलग्न भै ४ वर्ष उमेर पुगे पश्चात प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षा तह पुरा गर्नु पर्दछ । नेपालको अनिवार्य तथा निःशुल्क शिक्षा ऐन २०७५, अनिवार्य तथा निःशुल्क शिक्षा नियमावली २०७७, राष्ट्रिय शिक्षा नीति २०७६ र राष्ट्रिय पाठ्यक्रम प्रारुप २०७६ मा व्यवस्था भएअनुसार उमेर पुगेका सबै बालबालिकाहरुलाई प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षामा सबै बालबालिकाहरुको पहुँच सुनिश्चित हुनु पर्दछ । प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षामा सबै बालबालिकाहरुको पहुँच र गुणस्तर सुनिश्चित गर्नको लागि त्रिवेणी गाउँपालिकाको शिक्षा योजनामा यसलाई समावेश गरिएको छ ।

त्रिवेणी गाउँपालिकामा सामुदायिक र सस्थागत गरेर जम्मा ४७ ओटा प्रारम्भिक बालविकास केन्द्रहरु रहेका छन् । जसमा सामुदायिक ४५ र सस्थागत २ वटा रहेका छन्। यस तहमा सामुदायिक र सस्थागत गरेर जम्मा विद्यार्थी १००५ जना रहेका छन् जसमा छात्रा ४७८ जना र छात्र ५२७ जना रहेका छन् । सस्थागत विधालयमा छात्रा ७५ र छात्र ९९ गरेर जम्मा १७४ जना बालबालिका रहेका छन् भने अन्य सबै सामुदायिक विद्यालयमा रहेका छन् । गाउँपालिकामा सामुदायिक तर्फ ४ वटा प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षा केन्द्र समुदायमा आधारित रहेका छन् भने ४१ वटा विधालयमा आद्यारित प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षा केन्द्रहरु रहेका छन् । यद्यपी समुदाय तहमा रहेका ४ वटा प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षा केन्द्रहरुले भने बालबालिकाको पहुँच सुनिश्तता गर्न सहयोग गरेका छन् । सामुदायिक तर्फका प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षा केन्द्रमा जम्मा ४५ जना प्रारम्भिक बालविकास शिक्षकहरु कार्यरत रहेका छन् । प्रारम्भिक बालविकास शिक्षकहरु सबैको न्यूनतम योग्यता र तालिम पुगेको छ साथै सामान्य तहमा तालिम पनि प्राप्त गरेका छन् । प्रारम्भिक बालविकासमा आधार वर्ष २०८० को तथ्याङ्क हेर्दा कुल भर्नादर ९०.४ र खुद भर्नादर ८३.१ मात्र रहेको छ । शिक्षक विद्यार्थी अनुपान १:२२ रहेको छ भने लैङ्गिक समता सूचक ०.९० रहेको छ । त्रिवेणी गाउँपालिकामा प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षा केन्द्रमा भने चारवर्ष उमेर नपुगेका र चार

वर्ष बढी उमेरका बालबालिकाहरु भर्ना भएको पाईन्छ ।यसले खुद भर्नादर र कुल भर्नादरलाई प्रत्यक्ष असर पारिरहेको छ । अझैं पनि कतिपय स्थानहरुमा प्रारम्भिक बालविकासको लागि भवन, कक्षा कोठा, सिकाइ सामाग्रीहरु, अपाङ्गमैत्री भौतिक संरचना, पहुँचमार्ग, पोषणयुक्त दिवा खाजाको प्रयाप्ततामा समस्या परिरहेको देखिन्छ । प्रारम्भिक बालविकासमा कार्यरत सहजकर्ताहरुको समयसापेक्ष पारिश्रमिक र पेसागत सीप विकासका अवसरहरुमा कमी देखिन्छ ।यद्यपि स्थानीय तहबाट संघीय अनुदानबाट तलब भत्ता प्राप्त गर्ने प्रारम्भिक बालबिकास शिक्षकका लागि रु ७०००।- थप गरेको छ ।भने गाउँपालिका अनुदानबाट तलब भत्ता प्राप्त गर्ने प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षाका शिक्षकहरुका लागि रु. १५०००।— तलबको व्यवस्था गरिएको छ। त्रिवेणी गाउँपलिकाको वडा नं ६ को जनचेतना आवि खोरबारेमा अवस्थित बालविकास केन्द्र नमूना बालबिकास शिक्षा केन्द्र हो र यो रुकुम पश्चिम जिल्लाकै नमूनाको रुपमा रहेकाले यसलाई अन्य बालबिकास केन्द्रहरुमा पनि सिकाइ हस्तान्तरण गर्नुपर्ने देखिन्छ । प्रारम्भिक बालविकास केन्द्रमा रहेका विविध समस्याहरुले गर्दा प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षामा अध्ययनरत बालबालिकाहरुको सिकाइमा प्रत्येक्ष वा अप्रत्येक्षरुपमा प्रभाव परिरहेको छ । यी समस्याहरुलाई समाधान गर्न संघ, प्रदेश, स्थानीय सरकार लगायत सबै सरोकारवालाहरुको सहयोग अपरिहार्य देखिन्छ ।

३.१.२ उद्देश्य

प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षामा उमेर पुगेका सबै बालबालिकाहरुलाई एकिकृत गुणस्तरीय प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षाको समतामुलक अवसर सुनिश्चित गर्न देहाय बमेजिमका उद्देश्यहरु अवलम्बन गरिनेछ ।

क) प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षामा सबै बालबालिकाहरुको समतामुलक र सहभागितामुलक पहुँच सुनिश्चित गर्नु ।

ख) प्रारम्भिक बालविकास उमेर समूहका सबै बालबालिकाहरुलाई प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षाको अनुभव सहित कक्षा १ को लागि तयार पार्नु ।

ग) त्रिवेणी गाउँपालिकामा रहेका सबै प्रारम्भिक बालविकास केन्द्रको न्यूनतम मापदण्ड पुरा गरी प्रारम्भिक बालविकास तहको शिक्षाको गुणस्तरमा सुधार ल्याउनु।

घ) प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षाका शिक्षकहरुको क्षमता विकास र प्रोत्साहनमा प्रेरित गर्नु र बालबालिकाको लागि सुरक्षित सिकाइ वातावरण निर्माण गर्नु।

३.१.३ रणनीति

प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षाका लागि माथि उल्लेखित उद्देश्यहरु पूरा गर्नको लागि तपसिलका रणनीतिहरु अवलम्बन गरिने छ ।

क) प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षामा सबै बालबालिकाहरुको समतामुलक र सहभागितामुलक सहभागिता सुनिश्चित गर्नको लागि प्रारम्भिक बालविकास केन्द्रहरुको न्यूनतम मापदण्ड पुरा गरी प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षा सञ्चालन गर्ने ।

ख) भौगोलिक जटिलता र लक्षित समुदायका बालबालिकाहरुका लागि आवश्यकताका आधारमा सिकाइ केन्द्र थप गर्ने तथा पुनर्वितरण गर्ने वा समायोजन गर्ने।

ग) प्राम्भिक बालविकासको शैक्षिक गुणस्तर सुनिश्चित गर्नका लागि शिक्षकको क्षमता विकास, पाठ्यक्रम प्रवोधिकरण, अभिभावक सचेतिकरण जस्ता विविध कार्यक्रमहरु कार्यान्वयन गर्ने ।

घ) प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षाका शिक्षकहरुको पेसागत दक्षता अभिवृद्वि गर्नुका साथै समय सापेक्ष सेवा सुविधा तथा पारिश्रमिक र प्रोत्साहन बढाउन स्रोतको व्यवस्थापन गर्ने।

ङ) प्रारम्भिक बालविकासको अनुभव लिएका बालबालिकाई मात्र कक्षा १ मा भर्ना गराउने नीति अवलम्बन गर्ने ।

च) राष्ट्रिय पाठ्यक्रम प्रारुपमा आधारित भई प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षाका लागि न्यूनतम कार्यक्रमहरु सञ्चालन गर्ने ।

छ) प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षाको प्रभावकारीता वृद्विको निम्ति प्रारम्भिक बालविकासमा कार्य गर्ने समपूर्ण सरेकारवालाहरु संग सहकाय गर्ने ।

ज) प्रारम्भिक बालबिकास र शिक्षाका सेवाहरु प्रदान गर्दा हरित विधालय अवधारणा अवलम्बन गर्ने ।

झ) एक विधालय एक प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षा केन्द्र अनिवार्य गर्ने र हाल रहेको एक नमूना प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षाको अवधारणालाई अन्य बालविकास केन्द्रहरुमा विस्तार गरिनेछ ।

३.१.४ प्रमुख उपलब्धि तथा नतिजा

प्रमुख उपलब्धिः

क) ४ वर्ष उमेर पुगेका सबै बालबालिकालाई समतामुलक गुणस्तरिय प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षाको अवसर सुनिश्चित भएको हुनेछ ।

ख) प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षाबाट बञ्चित भएका सबै बालबालिकाहरुलाई समावेश गराई उनीहरुको सिकाइ सुनिश्चित भएको हुने ।

ग) सबै प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षा केन्द्रले न्यूनतम मापदण्ड पुरा गरी सुरक्षित सिकाइ वातावरणा निर्माण गरेको हुनेछन् ।

घ) प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षाका लागि उमेर पुगेका सत प्रतिशत बालबालिकाहरुले प्रारम्भिक बालबिकासको अनुभव हासिल गरेका हुनेछन् ।

नतिजा तथा परिमाणत्मक लक्ष्य

क्र.स.	सूचक	आधार वर्ष २०८१	२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५	२०८६	२०९०
१	प्रारम्भिक बालविकासमा कुल भर्ना संख्या	१००५	१००५	१०१०	१०३०	१०५०	१०७०	१०९०	११९०
२	न्युनतम् मापदण्ड पूरा गरेका बालविकास केन्द्रको	१	१	५	१०	२०	३०	४०	४५

	संख्या								
३	प्रारम्भिक बालविकासमा खुद भर्नादर	८३.१	८५	८७	८९	९१	९३	९५	९७
४	प्रारम्भिक बालविकासमा कुल भर्नादर	९०.४	९२	९४	९६	९८	१००	१०२	१०५
५.	शिक्षक विद्यार्थी अनुपात	१:२२	१:२२	१:२२	१:२२	१:२३	१:२३	१:२३	१:२४
६	लैङ्गिक समता सूचक	०.९०	०.९०	०.९१	०.९२	०.९३	०.९४	०.९५	०.९६

३.१.५ प्रमुख क्रियाकलाप र परिमाणात्मक लक्ष्य

क्र.स.	**प्रमुख क्रियाकलाप**	**इकाइ**	**२०८१**	**२०८२**	**२०८३**	**२०८४**	**२०८५**	**बाँकी अवधि**	**कसले गर्ने ? कहाँ गर्ने ?**
१	टिपीडि र बालविकास शिक्षकको क्षमता विकास तालिम	पटक		प्रति वर्ष	प्रति वर्ष	प्रति वर्ष	प्रति वर्ष	प्रति वर्ष	पालिका
२	बालबालिकाको स्वास्थ्य परीक्षण र खोप तथा वृद्दि विकास अभिलेखिकरण	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	विद्यालय
३	स्थानीय स्तरमा उपलब्ध शैक्षिक तथा खेल सामग्री निर्माणका लागि तालिम तथा प्रयोगात्मक अभ्यास	पटक		१	१	१	१	५	विद्यालय र पालिका
४	पाठ्यक्रम प्रवोधिकरण तथा	पटक		१		१		३	पालिका

	पुनर्ताजगी								
५.	बालविकास केन्द्रको नक्साङ्कन तथा पुनः वितरण	पटक			१		१	१	पालिका
६	अभिभावक शिक्षा र सचेतिकरण कार्यक्रम	पटक		२	२	२	२	१०	पालिका विद्यालयमा
७	बालबिकास शिक्षकको उत्प्रेरणा गर्ने प्रोत्साहन र पुरस्कृत	पटक	१	१	१	१	१	५	पालिका
८	बालविकास केन्द्रहरुमा खेल तथा शैक्षिक सामग्री व्यवस्थापन	केन्द्र	५	१०	१०	१०	१०	निरन्तर	पालिका
९	बालविकास र शिक्षा केन्द्रहरुमा ६ सिकाइ कर्नरको व्यवस्थापन	केन्द्र	५	१०	१०	१०	१०	निरन्तर	पालिका
१०	बालविकासका बालबालिकालाई स्थानीय उत्पादनमा आधारित खाजाको व्यवस्थापन	जना	८३१	८७०	८९०	९१०	९३०	५०००	पालिका
११	बालविकासका शिक्षकहरुलाई प्रोत्साहन	जना	४५	४५	४५	४५	४५	४५	पालिका
१२	सिकाइमैत्री स्मार्ट कक्षाकोठा व्यवस्थापन	केन्द्र	५	१०	१०	१०	१०	निरन्तर	पालिलका
१३	बालविकास कक्षामा सिकाइ कुना	केन्द्र	५	१०	१०	१०	१०	निरन्तर	पालिका
१४	प्रारम्भिक	पटक		१	१	१	१	५	पालिका

	बालविकासका लागि सस्थागत क्षमता विकास जस्तै पालिका समिति, वडा समिति गठन र क्षमता विकास								
१५	नमूना बालविकास केन्द्र थप गर्ने	वटा		१	१	१	१	५	पालिका

३.२ आधारभूत शिक्षा

३.२.१ परिचय

राष्ट्रिय पाठ्यक्रम प्रारुप २०७६ अनुसार कक्षा १-८ को शिक्षालाई आधारभूत तहको शिक्षा भनिन्छ भने आधारभूत तहको शिक्षाले बालवालिकाहरुको सर्वाङ्गिण विकास, गुणस्तरीय जीवनयापन र सामाजिकीकरणमा सहयोग पूर्याउँछ । यस तहको शिक्षाले बालबालिकाको आधारभूत तहका शैक्षिक उपलब्धि हासिल गर्न मदत गर्दछ र बलियो शैक्षिक जग निर्माण गर्दछ । नेपालको संविधान २०७२ ले आधारभूत शिक्षालाई अनिवार्य तथा निःशुल्क हुने व्यवस्था गरेको छ ।नेपालमा बसोवास गर्ने प्रत्येक बालवालिकाहरुलाई अनिवार्य तथा निःशुल्क आधारभूत शिक्षामा पहुँचको हक हुने छ । अनिवार्य तथा निःशुल्क शिक्षा ऐन २०७५ र अनिवार्य तथा निःशुल्क शिक्षा नियमावली २०७७ मा व्यवस्था भए बमोजिम यस तहका लागि योग्य सबै बालवालिकहरुलाई अनिवार्य र निशुल्क शिक्षामा पहुँचको हक हुने व्यवस्था गरिएको छ । नेपालको संविधान २०७२ को अनूसुची ८ मा पनि स्थानीय सरकारको अधिकार क्षेत्र भित्र आधारभूत र माध्यमिक शिक्षाको व्यवस्था गरिएको छ । आधारभूत शिक्षामा समतामुलक पहुँच र गुणस्तर कायम गर्न विभिन्न कार्यक्रमहरुको व्यवस्था गरेको छ । आधारभूत शिक्षा अन्तर्गत कक्षा १-८ सम्मको शिक्षामा पहुँच, गुणस्तर तथा समता र समग्र शिक्षा क्षेत्रको व्यवस्थापकीय प्रबन्धको मौजुदा अवस्थाका आधारमा आधारभूत शिक्षाका चुनौतीहरु पहिचान गरी यसको उद्धेश्य, रणनीति, नतिजा र प्रमुख क्रियाकलापहरुका साथै लक्ष्यहरु तोकिएको छ ।

यस त्रिवेणी गाउँपालिकामा ४३ वटा विद्यालयहरु रहेका छन् भने जसमा सामुदायिक विद्यालयहरु ४१ र सस्थागत विद्यालयहरुमा २ वटा रहेका छन् । आधारभूत तहमा सामुदायिक तर्फ ३० वटा विद्यालयहरुमा कक्षा ३ सम्म मात्र चलेका ६ वटा, कक्षा ५ सम्म मात्र चलेका १५ वटा र कक्षा ८ सम्म चलेका ९ वटा विधालयहरु रहेका छन् । माध्यमिक तह सम्म रहेका अन्य ११ वटा विद्यालयमा पनि आधारभूत तहको शिक्षा सञ्चालन भएको छ । २ वटा सस्थागत विधालयहरुमा कक्षा ५ सम्मको पठन पाठन हुने गरेको छ । इमिस वि.स.२०८१ को तथ्याङ्क अनुसार आधारभूत तहमा अध्ययन गर्ने जम्मा विद्यार्थीको संख्या ३९७६ रहेको छ । तिनीहरु मध्ये छात्र २०२० जना र छात्रा १९५६ जना रहेका छन् ।आधारभूत तहमा सस्थागत विद्यालयमा जम्मा १३५ जना बालबालिका रहेका छन् जसमा ५९ जना छात्रा र ७६ जना छात्र अध्ययनरत रहेका छन् । लैङ्गिक समता सूचक आधारभूत तहमा ०.९३ रहेको छ । आधारभूत तह कक्षा (१-५) मा जम्मा विद्यार्थीहरु २४१५ रहेका छन् भने कक्षा (६-८) मा जम्मा १६६१ जना रहेका छन् ।

आधारभूत तहमा कक्षा १ मा कुल प्रवेश दर १२४.३ र खुद प्रबेश दर ९६.५ रहेको छ । त्यसंगरी कक्षा १ देखि ८ सम्मको कुल भर्ना दर १२४.५ र खुद भर्नादर ९६.३ रहेको छ । कक्षा (१-५) को कुल भर्ना दर र खुद भर्ना दर क्रमश ११७.९ र ९६.५ तथा कक्षा (६-८) को कुल भर्ना दर र खुद भर्ना दर क्रमश १३५.३ र ९६.२ रहेको छ । कक्षा ८ को खुद टिकाउ दर ८५.४ रहेको छ । कक्षा (१-५) र कक्षा (६-८) को कक्षा उत्तीर्णदर क्रमशः ८३.४ प्रतिशत र ८९.५ प्रतिशत रहेको छ । कक्षा (१-५) र कक्षा (६-८) को विद्यालय छोड्ने दर क्रमशः ६.७ प्रतिशत र ४.३ प्रतिशत रहेको छ । यस गाउँपालिकामा आधारभूत तहको विद्यालय संख्या र विद्यार्थी संख्या बिचको अनुपात १:९० रहेको छ । त्यसैगरी आधारमुत तहमा शिक्षक, विद्यार्थी अनुपात १:१७ रहेको छ । यस गाउँपालिका भित्र रहेका आधारभूत विद्यालयहरुले 'हाम्रो त्रिवेणी' स्थानीय पाठ्यक्रम लागु गरेको पाईन्छ ।यस पाठ्यक्रमको प्रभावकारी कार्यान्वयनको लागि शिक्षकको पेसागत विकास तालिम कार्यशालाहरु सञ्चालन गर्नु पर्ने देखिन्छ । कतिपय ठाँउमा अझै पनि विद्यालय उमेर समूहका बालवालिकाहरु विद्यालय भन्दा बाहिर रहेको पाईन्छ । आधारभूत तहको शिक्षाको पहुँचमा भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक,,आर्थिक र अन्य कारणहरुले प्रभाव पारिरहेको छ । गुणस्तरीय सिकाइलाई प्रवर्द्धन गर्न पोषणयुक्त दिवाखाजा , शिक्षकको पेसागत क्षमता विकास, पिछडिएको र अल्पसंख्यक जातजातिहरुलाई समतामुलक अवसर प्रदान गर्नु पर्ने देखिन्छ । सरोकारवालाहरुको प्रत्येक्ष अनुगमन, नियमन र सहयोग पाएमा वीचैमा पढाई छोड्ने र कक्षा दोहर्याउने दर पनि घट्ने देखिन्छ । आधारभूत तहमा सवै बालबालिकाहरुको पहुँच तथा सहभागिता सुनिश्चित गर्नको लागि अनिवार्य तथा निःशुल्क शिक्षा एन २०७५ ले लिएका मर्म र भावना तथा लक्ष्य अनुसार कार्यान्वयन गर्नुपर्ने देखिन्छ । विद्यालयलाई बालमैत्रीपूर्ण वनाउन सवैको सहभागिता बढाई विद्यालयहरुमा मैत्रीपूर्ण वातावरण सुनिश्चित गर्ने, सिकाइ उपलब्धिमा व्यापक सुधार गर्ने साथै आधारभूत तहको शिक्षामा प्रविधिको प्रयोग गर्ने र कक्षा कोठासम्म सबैको समतामुलक पहुँच बढाउन, विद्यालयहरुको पुर्नवितरण एवम् मर्ज गरी समुदायको पहुँच र सहभागिता सुनिश्चत गर्ने र सेवा सुविधामा विस्तार गर्न, शिक्षालाई सवै दृष्टिकोणबाट सुरक्षित सहज र गुणस्तर बनाई सहभागितापूर्ण वातावरण सिर्जना गर्ने । साथै सोका लागि हुने विभिन्न किसिमका हस्तक्षेपहरु निषेध गर्न, कक्षा कोठामा सूचना तथा प्रविधिको प्रयोगमा अभिवृद्धि गर्न, विपत् जोखिम न्यूनीकरण योजनामा विद्यार्थीहरुको सहभागिता वृद्दि गर्न, विद्यार्थी मूल्याङकनलाई प्रभावकारी बनाई आधारभूत तहको परीक्षालाई व्यवस्थित गर्ने र आधारभूत तहलाई शैक्षिक गुणस्तरको आधारको रुपमा विकास गर्न अझैपनि चुनौतीको रुपमा रहेको छ ।

३.२.२ उद्देश्य

आधारभूत तहमा रहेका सबै बालबालिकालाई आधारभूत तहको गुणस्तरीय शिक्षा पूरा गर्नका लागि निम्न बमोजिमका उद्देश्यहरु तय गरिएको छ ।

(क) संविधानले प्रदान गरेको अनिवार्य तथा निःशुल्क आधारभूत शिक्षाको प्रभावकारी कार्यान्वयन गरी आधारभूत तहको शिक्षामा सवैको समतामुलक र सहभागिता सुनिश्चित गर्नु ।

(ख) आधारभूत तहको शिक्षा पूरा गरेका सवै बालवालिकाहरुलाई आधारभूत तहमा तय गरिएका न्यूनतम सिकाइ उपलब्धि हासिल हुने अवस्था सुनिश्चित गर्नु ।

(ग) आधारभूत तहका सबै विद्यालयहरुको भौतिक तथा शैक्षिक वातावरण बालमैत्री, अपाङ्गमैत्री, लैङ्गिकमैत्री, समावेशी, समतामुलक र सुरक्षित बनाउनुका साथै आधारभूत तहको सिकाइलाई दैनिक जीवनसँग सम्बन्धीत गराउने र अन्तरसम्बन्धीत विषयवस्तुलाई एकिकृत गरी सिकाइ क्रियाकलापहरु सञ्चालन गर्नु ।

(घ) सिकाइ उपलब्धिमा सुधार ल्याउन शिक्षकको पेसागत विकास, सिकाइ सहजीकरण विद्यार्थी मूल्याङ्कन प्रणाली र सूचना तथा सञ्चार प्रविधिलाई व्यवस्थित गर्नु र अभिभावक शिक्षा र सचेतिकरणका माध्यमबाट आधारभूत तहको शिक्षामा अभिभाबकको सहभागिता समन्वय , सहकार्य र सहयोग सुनिश्चित गर्नु ।

३.२.३ रणनीति

त्रिवेणी गाउँपालिकाको आधारभूत तह शिक्षाका उद्देश्यहरु पूरा गर्न निम्न रणनीतिहरु अवलम्बन गरिनेछ ।

(क) अनिवार्य तथा निःशुल्क आधारभूत तहको शिक्षाको कार्यान्वयन गर्न स्थानीय तहले थप आवश्यक नीति, कार्यविधिहरुको तर्जुमा तथा आवश्यक स्रोतको व्यवस्था मिलाउने छ ।

(ख) आधारभूत तहमा न्यूनतम सिकाइ उपलब्धि हासिल गराउन आवधिक रुपमा सिकाइको मूल्याङ्कन गरी विद्यार्थीको सिकाइका लागि शिक्षकलाई - प्रधानाध्यापक र प्रधानाध्यापकलाई स्थानीय तह प्रति जवाफदेही हुने प्रणालीको विकास गरिनेछ ।

(ग) आधारभूत तहका विद्यालयहरुको भौतिक तथा शैक्षिक वातावरण समावेशी, बालमैत्री, अपाङ्गमैत्री र सुरक्षित बनाउन प्रदेश तथा संघीय सरकारसंग तथा अन्य सरोकारवाला संग समन्वय र साझेदारी गरी आवश्यक कार्यक्रमहरु सञ्चालन गरिने छ ।

(घ) आधारभूत तहका बालबालिकाहरुको शैक्षिक उपलब्धि सुधार गर्न शिक्षकको पेसागत तालिमहरु सञ्चालन गरी कार्यान्वयन गरिने छ ।

(ङ) विद्यार्थी मूल्याङ्कन प्रणाली र सूचना प्रविधि प्रणालीलाई सिकाइको अभिन्न अंगसंग जोड्दै विद्यार्थीका दैनिक क्रियाकलापसंग अन्तरसम्बन्धीत गराई व्यवस्थित गरिनेछ।

(च) विद्यालय क्षेत्र भन्दा बाहिर रहेका सबै बालवालिकाहरुको यथार्थ विवरण संकलन गरी उनीहरुको पहुँच सुनिश्चित गर्न आवश्यक व्यवस्था मिलाईने छ ।

(छ) शिक्षक, कर्मचारी र प्र.अको क्षमता विकास, उत्प्रेरणा र व्यवस्थापन तथा सूचना सञ्चार प्रविधिसंग परिचित गराई शैक्षिक गुणस्तर अभिवृद्वि गरिने छ ।

(ज) वि.व्य.स, शि.अ.स र अभिभावकहरुको क्षमता विकास गर्न अभिमुखीकरण तथा क्षमता विकास कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।

(ट) शिक्षक तथा विद्यार्थीहरुलाई मनोसामाजिक परामर्श उपलब्ध गराईनेछ र बालबालिकालाई सिकाइमा अभिप्रेरित गर्ने वातावरण सिर्जना गरिनेछ ।

(ठ) विद्यालय नक्साङ्कन, पूनर्वितरण दरबन्दी मिलान तथा समायोजन गरिनेछ र भौगेलिक अवस्था तथा पहुँचको ख्याल गरिनेछ ।।

(ड) विद्यालयमा सूचना प्रविधिको व्यवस्थापन तथा उच्चतम प्रयोग , सिकाइ आदान प्रदान जस्ता कार्य प्रभावकारी रुपमा लगिनेछ ।

३.२.४ प्रमुख उपलब्धि तथा नतिजा

उपलब्धिः

(क) आधारभूत तहमा अध्ययनरत सबै बालवालिकाहरुको सिकाइ उपलब्धिमा अपेक्षित रुपमा सुधार भएको हुनेछ र लक्षित सक्षमता हासिल गरेका हुनेछन्।

(ख) अनिवार्य तथा निःशुल्क आधारभूत शिक्षामा सबै बालवालिकाहरुको सहज रुपमा समतामुलक पहुँच र सहभागिता सुनिश्चित भएको हुनेछ ।

(ग) आधारभूत तहका सबै विद्यालयहरुमा न्यूनतम मापदण्ड पुरा भएको हुनेछन् र शैक्षिक तथा भौतिक गुणस्तर अभिवृद्धि भएको हुनेछ ।

घ) समपूर्ण विद्यालयहरु अपाङ्गमैत्री, बालमैत्री, वातावरणमैत्री तथा लैङ्गिकमैत्री र सुरक्षित भएको हुने र सबै हिसाबमा सबै बालबालिका र शिक्षकको लागि मैत्रीपूर्ण भएको हुनेछ ।

ङ) शैक्षिक तथा सन्दर्भ सामाग्रीको उपलब्धता भई समावेशी वातावरणमा विद्यार्थी सक्रिय भएर सिकाइ प्रणालीमा सुधार भएको हुनेछ।

च) दिवा खाजा निर्देशिका २०७६ तथा २०८१ को मर्म अनुसार विद्यालयमा नै तयार गरेर स्थानीय उत्पादनमा आधारित पौष्टिक खाजा तोकिएको अवधिसम्म नियमित रुपमा विद्यार्थीहरुलाई ख्वाइनेछ ।

छ) आधारभूत तहले न्यूनतम सिकाइ उपलब्धि हासिल गरेको हुने र लक्षित उमेरका बालबालिकाहरु लक्षित कक्षामा रहेको हुनेछन् र यसले खुद भर्नादरमा अपेक्षित उपलब्धि हासिल भएको हुनेछ ।

ज) शिक्षक, विव्यस, वाल क्लव, आधारभूत तहका लागि कार्यरत समपूर्ण संस्था र सरोकारवालाहरुको क्षमता विकास भै सक्रियतापूर्वक कार्य गरेको हुनेछन् ।

नतिजा तथा परिमाणात्मक लक्ष्य देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

क.स	सूचक	आधार वर्ष २०८०	२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५	बाँकी
१	आधारभूत तह कक्षा (१-५) मा शिक्षक र विद्यार्थी अनुपात	१:१६	१:१६	१:१६	१:१७	१:१७	१:१८	१:१८
२	आधारभूत तह कक्षा (१-५)मा कुल भर्नादर	११७.९	११६	११५	११३	११०	१०८	१०५
३	आधारभूत तह कक्षा (१-८)मा कुल भर्नादर	१२४.५	१२२	१२०	११८	११२	११०	१०५
४	आधारभूत तह कक्षा (१-५)मा खुद भर्नादर	९६.५	९६.६	९६.८	९७	९७.५	९८	९८.५

५	आधारभूत तह कक्षा (१–८) को खुद भर्नादर	९६.३	९६.५	९६.८	९७	९७.५	९८	९८.५
६	आधारभूत तह कक्षा (१–५) को कक्षा छोड्ने दर	६.७	६.३	६.०	५	४	३	०
७	कक्षा (६– ८) को कक्षा छोड्ने दर	४.३	४.१	३.५	३	२	१	०
८	कक्षा (१–५) को कक्षा दोहर्याउने दर	३.८	३.५	३.०	२.५	२	१	०
९	कक्षा (६–८)को कक्षा दोहर्याउने दर	०.७	०.६	०.५	०.४	०.३	०.२	०
१०	कक्षा (१–५)को उत्तीर्ण प्रतिशत	८३.४	८५	८८	९१	९३	९५	९७
११	कक्षा (६–८) को उत्तीर्ण प्रतिशत	८९.५	९०	९२	९४	९५	९६	९८

३.२.५ प्रमुख क्रियाकलाप तथा परिमाणात्मक लक्ष्य

क्र.स	प्रमुख क्रियाकलाप	इकाइ	२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५	बाँकी अवधि	कसले गर्ने
१	विद्यालय भर्ना अभियान कार्यक्रम तथा विद्यालय बाहिर रहेका बालबालिकालाई विद्यालय ल्याउन अभिमुखीकरण	पटक	१	१	१	१	१	५	पालिका
२	विद्यालय नक्साङ्कन, पुनर्वितरण समायोजन	पटक		१			१	१	पालिका

३	शिक्षक कर्मचारी र प्र.अ.लाई आवश्यकतामा आधारित क्षमता विकास तालिम	पटक	१	१	१	१	१	५	पालिका
४	वालक्लव, रे.स, किशोरी क्लव गठन पुनगठन र क्षमता अभिवृद्धि तालिम	पटक		१	१	१	१	५	पालिका
५	वि.व्य.स, शि.अ.सं लाई क्षमता विकास	पटक		१	१	१	१	५	पालिका
५	स्टीम ल्याब स्थापना र प्रयोग	विद्यालय		२	२	२	२	५	पालिका
६	सिकाइमैत्री स्मार्ट कक्षा कोठा व्यवस्थापन	विद्यालय		५	५	५	५	२५	पालिका
७	कक्षाकोठामा पुस्तकालय र बुकर्याक	विद्यालय	५	१०	१०	१०	६	निरन्तर	पालिका
८	कक्षा ५ र ८ को स्तरीकृत परीक्षा व्यवस्थापन	पटक	१	१	१	१	१	५	पालिका
९	शिक्षण सिकाइ तथा सन्दर्भ सामग्री व्यवस्थापन	विद्यालय	४१	४१	४१	४१	४१	४१	पालिका

१०	विद्यालयमा दौतरी शिक्षा तथा वाल कलवको क्षमता विकास	विद्या लय		१०	१०	१०	१०	४१	पालिका
११	शिक्षक पेसागत सहयोग संरचना निर्माण र कार्यान्वयन, विज्ञ समूहलाइ अभिमुखीकरण तथा परिचालन	पटक	१	१	१	१	१	५	पालिका
१२	अन्तरविद्यालय भ्रमण र सिकाइ आदान प्रदान	पटक		१		१		२	पालिका
१३	पालिका स्तरमा पढाइ उत्सब तथा प्रतियोगिताका कार्यक्रमहरु	पटक		१	१	१	१	५	पालिका
१४	शिक्षकका लागि सन्दर्भ सामग्री तथा सहायता सामग्री सहयोग	पटक		१	१	१	१	५	पालिका
१५	शिक्षक प्रोत्साहन एंव पुरस्कृत कार्यक्रम	पटक	१	१	१	१	१	५	पालिका
१६	लेखा तथा प्रशासन व्यवस्थापनका लागि क्षमता विकास	पटक		१		१		२	पालिका

३.३ माध्यमिक शिक्षा

३.३.१ वर्तमान अवस्था

राष्ट्रिय पाठ्यक्रम प्रारुप २०७६ ले कक्षा (९-१२) को शिक्षालाई माध्यमिक तहको रुपमा वर्गिकृत गरेको छ । संविधानले माध्यमिक तहको शिक्षालाई स्थानीय तहको अधिकार क्षेत्रको मातहतमा राखेको छ । वर्तमान संविधानले माध्यमिक तह सम्मको शिक्षा निःशुल्क प्राप्त गर्ने व्यवस्था गरेको छ । नेपालमा माध्यमिक शिक्षालाई साधारण र प्राविधिक गरी २ धारमा बर्गीकरण गरिएको छ । अनिवार्य तथा निःशुल्क शिक्षा ऐन २०७५ र अनिवार्य तथा निःशुल्क शिक्षा नियमावली २०७७ अनुसार माध्यमिक तहसम्मको शिक्षा प्राप्त गर्न कुनै पनि शुल्कको व्यवस्था हुने छैन । राष्ट्रिय शिक्षा नीति २०७६ले पनि सबै बालवालिकाहरुलाई गुणस्तरिय माध्यमिक शिक्षामा पहुँच विस्तार गर्ने कुरा उल्लेख गरेको छ । उच्च शिक्षा प्रवेशको पूर्व तयारी गर्ने समयको हिसाबमा यस माध्यमिक तहको शिक्षालाई महत्वपूर्ण रुपमा लिने गरिएको छ । नवप्रवर्तन नीति २०७६ ले विद्यालय तह देखिनै परम्परागत मौलिक ज्ञान, सीप तथा प्रविधिका बारेमा अध्ययन गरेर वैज्ञानिक चिन्तन तथा सृर्जनशील अभिवृद्धि गर्ने रणनीति लिएको छ । माध्यमिक तहको कक्षा ११ र १२ मा एकलपथीय पाठ्यक्रम लागु गरिएको छ । प्राविधिक धारका विद्यालयहरुमा कक्षा ९ देखि नै अलग धारका रुपमा सञ्चालन हुने व्यवस्था गरेको छ । माध्यमिक तहको शिक्षा स्थानीय तहको एकल अधिकार क्षेत्रको रुपमा अङ्गिकार गरेकोले सो कार्यान्वयन सञ्चालन तथा व्यवस्थापन गर्न स्थानीय तहहरुले नीति नियम कार्यक्रमहरु तयार गरी योजनामा समावेश गर्ने गरिएको छ ।

त्रिवेणी गाउँपालिकामा रहेका विधालयहरुमा ११ ओटा विधालयहरुमा माध्यमिक तह सम्म सञ्चालनमा रहेका छन् । ती विद्यालयहरु मध्ये १ ओटा विद्यालयमा कक्षा (९-१०) सम्मको पठनपाठन् हुन्छ भने १० ओटा विद्यालयमा कक्षा (९ -१२) सम्मको पठनपाठन् हुन्छ ।माध्यमिक तहमा अध्ययन गर्ने जम्मा विद्यार्थी संख्या १८८६ जना छन्, जसमध्ये ९२७ जना छात्र र ९५९ जना छात्रा रहेका छन् । ती विद्यार्थीहरु मध्ये कक्षा (९- १०) मा अध्ययन गर्नेको संख्या १००६ जना र कक्षा (११ -१२) मा अध्ययन गर्नेको संख्या ८८० जना रहेको छ । कक्षा (९-१०) मा अध्यापन गराउने शिक्षकको संख्या ३६ जना छ जस मध्ये दरवन्दीमा ९ जना, राहतमा शुन्य दरबन्दी र सङ्घीय अनुदानमा ११ जना रहेको पाईन्छ र पालिका अनुदानमा १६ जना रहेका छन् ।कक्षा (११ -१२) मा अध्यापन गराउने जम्मा शिक्षकको संख्या १६ जना छ । जसमध्ये दरवन्दीमा २ जना र राहातमा शुन्य जना रहेको छ भने सङ्घीय अनुदानमा र पालिका अनुदानमा ७।७ जना रहेका छन्। माध्यमिक तह कक्षा (९- १२) सम्म अध्यापन गराउने जम्मा शिक्षकको संख्या ५२ जना रहेको छ । माध्यमिक तहमा जम्मा शिक्षक र विद्यार्थी अनुपात १:३७ रहेको छ । कक्षा (९ -१०) को कुल भर्नादर र खुद भर्नादर क्रमशः १२५.९ प्रतिशत र ७२.७ प्रतिशत रहेको छ । त्यसैगरी, कक्षा (११ -१२) को कुल भर्नादर र खुद भर्नादर क्रमशः १०३.४ प्रतिशत र ५३ प्रतिशत रहेको पाईन्छ ।कक्षा (९ -१०) को उत्तीर्ण दर ८९.६ प्रतिशत रहेको छ । साथै, कक्षा (११ - १२) को उत्तीर्णदर ८६.४ प्रतिशत रहेको छ ।कक्षा (९- १०) को कक्षा छोड्ने दर ४.६ प्रतिशत रहेको छ । कक्षा (११ -१२) को कक्षा छोड्ने दर ४.२ प्रतिशत रहेको छ । साथै, कक्षा (९ -१०) मा कक्षा दोहर्याउने दर भने ०.२ प्रतिशत रहेको पाईन्छ ।कक्षा (११ -१२) मा कक्षा दोहर्याउने दर भने शुन्य रहेको छ । विषयगत शिक्षकको आपूर्ति प्रक्रियाको सन्दर्भमा स्थायी शिक्षक नियुक्ति शिक्षक सेवा आयोगको सिफारिस अनुसार हुने गरेको छ

भने अस्थायी/करार शिक्षकको नियुक्ति पालिकाद्वारा छनौट प्रक्रिया पूरा गरी गरीन्छ । माध्यमिक तहमा विषयगत शिक्षकको अभाव, शिक्षक क्षमता विकास तथा समयानुकुल तालिम र प्रोत्साहनको कमी, शिक्षक क्षमता विकासको अभाव, अपाङ्गता तथा अन्य हिसाबमा मैत्रीपूर्ण भौतिक संरचनाको अभाव, प्रयाप्त शैक्षिक तथा सन्दर्भ सामग्रीको अभाव, सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको पुँहच तथा प्रयोगमा समस्या, विद्यालय अनुगमन तथा निरीक्षण लगायतका क्षेत्रमा समस्याहरु र चुनौतीहरु रहेका छन् ।यसका अलवा माध्यमिक तहको शिक्षामा व्यवहारीक शिक्षण तथा विद्यार्थीका लागि पढ्दै, सिक्दै गरेर आत्मनिर्भर हुने सिप सिकाउने क्षेत्रमा अभाव देखिएको छ । कक्षा ११-१२ का बालबालिकालाई विभिन्न सिपमा अवद्ध गरेर प्रोत्साहित गर्न सकिने र पालिकाले लिएको दुरदृष्टि अनुसार जनशक्ति निर्माण गर्न सकिने देखिन्छ ।

३.३.२ उद्देश्यहरु

माध्यमिक तहको शिक्षालाई व्यवस्थित र गुणस्तरीय बनाइ माध्यमिक तहको शैक्षिक सुधार गर्नका लागि निम्नानुसारका उद्देश्यहरु अवलम्बन गरिएको छ ।

(क) माध्यमिक तहका विद्यालयहरुको भौतिक तथा शैक्षिक वातावरण, लैङगिकमैत्री, बालमैत्री, अपाङ्गमैत्री, समावेशी र सुरक्षित बनाउनु।

(ख) माध्यमिक तहको विषयगत सिकाई उपलब्धि वृद्धि गर्नु र माध्यमिक तह कक्षा १० को एस ईई र कक्षा ११/१२ को उतीर्ण दरमा सुधार ल्याउनु ।

(ग) माध्यमिक तहको शिक्षाको सान्दर्भिकता र गुणस्तरमा सुधार गर्नु र सस्थागत क्षमता विकास र व्यवस्थापन गर्नु।

(घ) माध्यमिक तहका विद्यालयहरुमा सूचना प्रविधिको उच्चतम र प्रभावकारी प्रयोग गरी विद्यार्थीको समतामुलक पहुँच अभिवृद्दि गर्नु तथा विपद्को समयमा शैक्षिक क्रियाकलापहरु सञ्चालनका लागि वैकल्पिक सिकाई क्रियाकलापलाई निरन्तरता दिन सकिने अवस्था सिर्जना गर्नु ।

(ङ) माध्यमिक तहमा सबै बालवालिकाहरुको पहुँच सुनिश्चित गर्नु तथा माध्यमिक तहमा विद्यालय छोड्ने दर न्यून गर्नु र समतामुलक पहुँच सुनिश्चित गर्नु।

३.३.३ रणनीति

माध्यमिक तहमा किटान गरिएका उद्देश्यहरु परिपूर्तिका लागि निम्न रणनीतिहरु अवलम्बन गरिने छ ।

(क) संघीय र प्रादेशिक सरकार सँग सहयोग, समन्वय र सहकार्य गरी माध्यमिक तहका विद्यालयको क्षमता विकास गरिने छ ।

(ख) सबै बालवालिकाहरुलाई निःशुल्क माध्यमिक तहको शिक्षाको पहुँच सुनिश्चित गरिने छ ।

(ग) माध्यमिक तहका विद्यालयहरुमा सूचना प्रविधिको थप विकास गरी शिक्षण सिकाईलाई प्रवर्द्धन गरिने छ र यसका लागि क्षमता विकास र परिचालनमा जोड दिइनेछ ।

(घ) संघीय र प्रादेशिक सरकारसँग सहयोग, समन्वय र सहकार्य गरी शिक्षकहरुलाई पेसागत र पुनर्ताजगी तालिमको व्यवस्था गरिने छ । साथै सिकाइ आदान प्रदानका लागि सयन्त्र विकास गरिनेछ ।

(ङ) माध्यमिक तहका विद्यालयहरुको वास्तविक अवस्था र नक्साङ्कन गरी सवै बालवालिकाहरुको पहुँच सुनिश्चित गर्न गरी कल्टरिङ गरिनेछ ।

(च) परीक्षा व्यवस्थापन प्रणालीलाई व्यवस्थित गरी विद्यार्थी मूल्याङ्कन प्रणालीलाई जीवनउपयोगी सिकाइसंग जोडेर सञ्चालन गरिने छ ।

(छ) सिकाई उपलब्धि न्यून भएका विषय र विद्यार्थी पहिचान गरी सुधार गर्न कार्ययोजना बनाई उपचारात्मक र सुधारात्मक विधिहरु लागु गरिने छ ।

(ज) अति विपन्न बालवालिकाहरुलाई समावेशीताको आधारमा समयानुकुल छात्रवृत्तिको व्यवस्था गरिनेछ ।

(झ) विद्यालय बाहिर रहेका बालवालिकाहरुका लागि वैकल्पिक माध्यमका शैक्षिक कार्यक्रमहरु सञ्चालन गरिनेछ।

(ञ) विद्यालय प्रशासन र व्यवस्थापनलाई चुस्त र प्रभावकारी रुपमा सञ्चालन गर्न दक्षता विकास कार्यक्रहरु सञ्चालन गरिनेछ ।

(ट) विद्यालयलाई विभिन्न किसिमका प्रकोप वाट हुने विपद र जलवायु परिवर्तन लगायतका परिस्थिति प्रति उत्थानशील बनाईनेछ ।

(ठ) विद्यालयका प्र.अ., कर्मचारी, वि.व्य.स र शि.अ.सं लगायतका संस्थाहरुको क्षमता विकास सम्बन्धी कार्यक्रमहरु सञ्चालन गरिनेछ ।

(ड) सबै विद्यालसहरुमा मापदण्ड बमोजिमको न्यूनतम सिकाई वातावरण सुनिश्चित गरिनेछ । साथै न्यूनतम मापदण्डहरु पुरा गर्नका लागि प्रयास थालिनेछ।

(ढ) विद्यार्थीलाई विद्यालयमा पहुँच अभिवृद्धि गर्न विभिन्न् प्रोत्साहनमूलक कार्यक्रमहरु सञ्चान गरिनेछ ।

(थ) समयसापेक्ष र आवश्यकता अनुसार प्राविधिक धारका माध्यमिक विद्यालयहरु स्थापना र सञ्चालन गर्न संघीय र प्रदेश सरकारसंग समन्वय, सहकार्य र साझेदारी गरिनेछ । साथै माध्यमिक तहका विद्यार्थीलाई जीवनपर्यन्त सिप सिकाउनका लागि विभिन्न प्रयोगात्म सिकाइमा आवद्ध गरिनेछ ।

३.३.४ प्रमुख उपलब्धि तथा नतिजा

उपलब्धि

(क) यो शिक्षा योजना लागु भए पश्चात माध्यमिक तहको शिक्षामा सवैको पहुँच सुनिश्चित भई माध्यमिक तहको शैक्षिक गुणस्तरमा सुधार भएको हुनेछ ।

(ख) माध्यमिक शिक्षाको सान्दर्भिकता र गुणस्तरियतामा प्रवर्द्धन भई समता, समावेशीता र व्यवहारिकतामा रुपान्तरण भएको हुनेछ ।

ग) माध्यमिक तहमा कक्षा दोहर्याउने र कक्षा छोड्ने दरमा न्यूनीकरण गर्नु तथा उतीर्ण दरमा बर्द्धि भएको हुने र माध्यमिक तहमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको उच्चतम प्रयोगमा बालबालिकाको पहुँच अभिवृद्दि भै सिकाइमा सुधार भएको हुनेछ ।

घ) शिक्षकको क्षमता विकास तथा जवाफदेहीता र जिम्मेबारी बोधमा सुधार भै सबै विद्यालयहरु सुरक्षित, मैत्रीपूर्ण तथा शैक्षिक वातावरणमा सुधार भएको हुनेछ ।

(ङ) माध्यमिक तह उत्तिर्ण भएका विद्यार्थीहरु रोजगारीमा संलग्न हुन योग्य हुने छन् ।

क्र. स	सूचक	आधार वर्ष २०८०	२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५	२०९०
१	माध्यमिक तह कक्षा ९ -१० मा भर्ना		१००६	११२०	११४०	११६०	११८०	१२५०
२	माध्यमिक तह कक्षा ११-१२ मा भर्ना		८८०	९००	९२०	९४०	९६०	१०२०
३	कक्षा ९- १२ मा शिक्षक विद्यार्थी अनुपात	१:३७	१:३७	१:३६	१:३६	१:३५	१:३३	१:३३
४	कक्षा ९- १० को कुल भर्नादर	१२५.९	१२२	१२०	११५	११०	१०८	१०५
५	कक्षा ९-१०को खुद भर्नादर	७२.७	७५	७८	८१	८५	९०	९२
६	कक्षा ११-१२को कुल भर्नादर	१०३.४	१०३.४	१०३.३	१०३.२	१०३.१	१०२.८	१०२.४

७	कक्षा ११-१२को खुद भर्नादर	५३	५५	६०	६५	७०	८०	९०

३.३.५ प्रमुख क्रियाकलाप तथा परिमाणात्मक लक्ष्य

क्र.स	प्रमुख क्रियाकलाप	परिमाण	२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५	बाँकी अवधि	जिम्मेबारी
१	कक्षा १२ पढ्ने बालबालिकाको लागि इन्टर्नसिपको व्यवस्था	जना	०	१०	१०	१०	१०	५०	पालिका
२	अति विपन्न विद्यार्थीहरुलाई छात्रवृति	संख्या	०	१०	१०	१०	१०	५०	पालिका
३	मापदण्डअनुसार शिक्षक व्यवस्थापन र परिचालन	पटक		१	१	१	१	५	पालिका
४	विज्ञान, गणित लगायतका विषयका लागि प्रयोगशाला स्थापना तथा सुधार	विद्यालय	१	१	१	१	१	५	पालिका
५	शिक्षकलाई प्रोत्साहन एंव पुरस्कार	पटक	१	१	१	१	१	५	पालिका
६	विद्यार्थी तथा शिक्षक मनोसामाजिक परामर्श	पटक	१	१	१	१	१	५	पालिका स्वाथ्य शाखा

	तालिम कार्यक्रम								
७	शैक्षिक भ्रमण तथा सिकाइ आदान प्रदान	पटक		१		१		२	पालिका
८	शिक्षक क्षमता विकास तालिम, पेसागत सहयोग	पटक	१	१	१	१	१	५	पालिका
९	शिक्षकले प्रअ र प्रअले शिक्षा शाखा संग कार्यसम्पादन सम्झौता	विद्याल य	११	११	११	११	११	११	विद्यालय पालिका
१०	चौमासिक प्रतिवेदन तथा कार्ययोजना	विद्याल य	११	११	११	११	११	११	विद्यालय पालिका
११	विद्यालयमा स्टीम ल्याब स्थापना र प्रयोग(एकिकृत अभ्यास)	विद्याल य	०	२	२	२	२	३	
१२	पुस्तकालयको क्षमता विस्तार, पुस्तक थप तथा प्रयोग र व्यवस्थापन	विद्याल य		१	१	१	१	५	
१३	विद्यालय नर्सको व्यवस्था क्षमता विकास र विद्यालयमा	विद्याल य	०	२	२	२	२	३	पालिका

	विभिन्न स्वास्थ्य सामग्री थप गर्ने								
१४	एकिकृत शैक्षिक सूचना व्यवस्थापन तालिम तथा क्षमता अभिवृद्दि	पटक	१	१	१	१	१	५	पालिका
१५	पढ्दै, कमाउदै कार्यक्रम	विद्यालय		१	२	२	२	४	पालिका
१६	माध्यमिक तहका बालबालिका को एक विधालय एक परियोजना	विद्यालय		२	२	२	२	३	पालिका

३.४ प्राविधिक शिक्षा तथा व्यावसायिक तालिम

३.४.१ वर्तमान अवस्था

प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षाको सुरुवात औपचारिक रुपमा वि.सं.१९९९ सालमा स्थापित प्राविधिक तालिम शिक्षालय (हालको पुल्चोक इन्जिनियरिङ्ग कलेज)बाट भएको हो ।शिक्षालाई-सीप, सीपलाई-रोजगार र रोजगारलाई उत्पादन र उत्पादनलाई बजारसंग जोड्न सक्ने शिक्षा प्रणालीको विकास र विस्तार गर्न सकिएन भने राज्यलाई शैक्षिक बेरोजगारको भिड थेग्न थप चुनौती हुने देखिन्छ।नेपालमा विद्यालय शिक्षालाई जीवन उपयोगी बनाउने उद्देश्यले विद्यालय तहमा व्यवसायिक सीप र ज्ञान सिकाउने प्रयास वि.सं. २००४ सालदेखि नै शुरु भएको हो । यसरी हेर्दा नेपालको प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षाले ६ दशक पार गरीसकेको छ ।विद्यालय स्तरको शिक्षादेखि नै स्रोत साधनको उपयोग गर्न सक्ने न्यूनतम ज्ञान, सिप र धारणाको विकास गराउने किसिमको पाठ्यक्रम निर्माण गरी पठनपाठन गर्न जरु.री छ। विद्यालय शिक्षाको अन्तिम तह माध्यमिक तहको शिक्षा जीवनयापन गरेर खान सक्ने आधारभूत व्यवसायिक सिप र दक्षता सहितको श्रम शिक्षा हुनुपर्छ। शिक्षा स्थानीय स्तरमा उपलब्ध स्रोत साधनमा आधारित व्यवसायिक सिप र उद्यमशिलतामा आधारित श्रम गरेर जीवनयापन र आय आर्जनमा संलग्न भई आत्मनिर्भर र स्वाबलम्बी हुन सक्ने हुनुपर्छ।माध्यामिक तहलाई श्रम शिक्षाको रु.पमा विकास गर्ने र त्यसको जगमा उच्च शिक्षालाई प्राविधिक/व्यवसायिक र रोजगारमुलक बनाउनु पर्ने हुन्छ । यसका लागि विद्यार्थीका लागि माध्यमिक तहमा प्रविधिक र व्यवसायीक सिप प्रदान गरी उनीहरुलाई सक्षमत र गरीखाने बनाउन आवश्यक छ । कृषि ,पशुपालन, फलफूल , इन्जिनियरिङ जस्ता क्षेत्रहरुमा प्राविधिक र व्यवसायिक रुपमा सक्षम र दक्ष बनाउन सकेमा अहिलेको परिवेशमा बालबालिकाहरु स्वावलम्बी बन्न सक्दछन् ।

त्रिवेणी गाउँपालिका जल, जमिन र जडीवुटीको धनी गाउँपालिका हो । यहाँ फलफूल, पशुपालन, अन्नवाली र नगदेवालीको व्यापक सम्भावना रहेको पाईन्छ । प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षाले नागरिकलाई स्वरोजगार तुल्याउँछ । प्राविधिक शिक्षा आजको आवश्यकता हो । गाउँपालिकामा प्राविधिक शिक्षाको विकास र विस्तार कमै देखिन्छ । प्राविधिक शिक्षाको विकास र विस्तारमा सवै सरोकारवालाहरुले ध्यान दिनु जरुरी देखिन्छ । त्रिवेणी गाउँपालिका २ सिम्रुतुमा रहेको त्रिवेणी माविमा प्राविधिक तथा व्यवसायीक शिक्षा अन्तरगत १८ महिने र ३ बर्षे बालि विज्ञान विषयको पठन पाठन हुँदै आएको छ ।यो विषय अध्ययन गर्ने बालवालिकाहरुले तरकारी खेती, फलफूल खेती, च्याउ खेती, नगदेवाली, अन्नवाली जस्ता क्षेत्रहरुमा सिकाई गरी स्वरोजगार तथा आत्म निर्भर हुने अवसर प्राप्त गरीरहेका छन् ।यस विधालयमा अन्य पालिकाबाट पनि विधार्थीहरु आउने गरेका छन् । विधार्थीहरुले यसबाट कमाउदै, सिक्दै गरिरहेको देखिन्छ । प्रशिक्षकको क्षमता विकास र संख्यामा थप व्यवस्था मिलाएमा प्राविधिक र व्यावसायिक शिक्षामा सुधार गर्न सकिन्छ । हाल यस कार्यक्रममा जम्मा २१ जना विद्यार्थीहरु अध्ययनरत रहेका छन् । यस कार्यक्रमका लागि १ जना प्रशिक्षक १ जना सहायक प्रशिक्षकको व्यवस्था गरीरहेको छ । विद्यार्थीहरुको नतिजा पनि कर्णाली प्रदेशमै सवै भन्दा उत्कृष्ट रहेको पाईन्छ । यो कार्यक्रम सञ्चालन गर्न त्रिवेणी गाउँपालिका,, प्राविधिक शिक्षा तथा व्यावसायिक तालिम परिषद् भक्तपुर र संघीय सरकारको सहयोग प्रास भईरहेको छ । यो कार्यक्रम सञ्चालन गर्नको लागि अझैं पनि आर्थिक, भौतिक र प्राविधिक समस्याहरु विद्यालयले झेल्नु परिरहेको छ । विद्यालयको

भौतिक, आर्थिक र प्राविधिक अवस्थामा सुधार गर्नको लागि विद्यालय, अभिभावक, स्थानीय सरकार, प्रदेश सरकार, संघीय सरकार, गैरसरकारी संघसंस्थाहरु लगायत अन्य सरोकारवालाहरुको सहयोग अपरिहार्य देखिन्छ ।प्राविधिक शिक्षा आजको आवश्यकता हो । त्यसैले त्रिवेणीमा नै गुणस्तरीय प्राविधिक शिक्षाको विकास र विस्तार गर्न नयाँ धारका उच्च प्राविधिक शिक्षालयहरु खोल्नु पर्ने देखिन्छ । हाल १८ महिने कृषि र ३ बर्षे डिप्लोमा कोर्शमा विद्यार्थीहरु भर्ना कम भएकाले उक्त पठनपाठन बन्द हुने अवस्थामा पुगेको छ । गाउँपालिकाले यसतर्फ ध्यान पुर्याउन आवश्यक देखिन्छ । प्राविधिक शिक्षा तर्फ गाउँपालिकाले विभिन्न किसिमका सिपमुलक तालिमहरु पनि सञ्चालन गरेकोमा यस्ता क्रियाकलापहरु विद्यालयमा पनि जोडेर गर्नु पर्ने देखिन्छ । प्राविधिक शिक्षा एउटा मात्र विधालयमा रहेकोले अन्य माध्यमिक तहका विधालयमा पनि बालबालिकाको गरीखाने सिप संग जोडेर प्राविधिक शिक्षा प्रवर्द्धन गर्नु पर्ने देखिन्छ ।

३.४.२ उद्देश्य

त्रिवेणी गाउँपालिकामा प्राविधिक र व्यवसायीक शिक्षा मार्फत् सिपमुलक र रोजगारउन्मुख जनशक्ति तयार गर्न निम्नानुसारका उद्देश्यहरु तय गरिएको छ ।

(क) प्राविधिक, व्यावसायिक र सीपमुलक शिक्षा मार्फत् स्वरोजगारका अवसरहरु सुनिश्चित गर्नुका साथै आत्मनिर्भर र उत्पादनशील जनशक्तिको निर्माण गर्नु ।

(ख) गाउँपालिका भित्र भएका प्राकृतिक र मानव निर्मित स्रोत साधनहरुको उपयोग गरी रोजगारमूलक, सीपमुलक र उत्पादनशील जनशक्तिको निर्माण गरी नागरिकको आर्थिक अवस्थामा सुधार ल्याउनु ।

(ग) प्राविधिक तथा व्यवसायीक शिक्षा प्रवर्द्धन र व्यवस्थापन गर्नु साथै प्राविधिक शिक्षा विस्तार गरी सिपयुक्त जनशक्ति निर्माण र परिचालन गर्नु।

३.४.३ रणनीतिहरु

प्राविधिक तथा व्यवसायिक तालिमका लागि तय गरिएका माथि उल्लेखित उद्देश्यहरु पुरा गर्न निम्न बमेजिमका रणनीतिहरु अवलम्बन गरिनेछ ।

(क) प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षाको लागि सरोकारवालाहरुको सहभागिता र स्थानीय सरकारको अपनत्व र लगानीमा वृद्धि गर्ने ।

(ख) स्थानीय स्तरमा पाईने विधिन्न स्रोत साधनहरुको उपयोग गरी स्वरोजगारमुलक कार्यक्रमहरु सञ्चालन गर्ने यसका लागि माध्यमिक तहका बालबालिकालाई विभिन्न किसिमका सिपमुलक तालिम प्रदान गरी परिचालन गर्ने।

(ग) प्राविधिक विद्यालय, स्थानीय सरकार र समुदायवीच व्यवसायिक प्रणालीमा सुधार गर्न खोज तथा अनुसन्धान र तालिमको लागि समन्वयात्मक वातावरण तय गरी अगाडि बढाउने ।

(घ) प्राविधिक विषय सञ्चालन गरेका विद्यालयहरुको भौतिक, शैक्षिक र प्रशासनिक सुधारको लागि सम्भव भए सम्म आर्थिक स्रोतहरु जुटाउने र नयाँ शिक्षालयको स्थापनाका लागि प्रबन्ध मिलाउने तथा थप अध्ययन गर्ने।

(ङ) प्राविधिक विषयका शिक्षकहरुको क्षमता अभिवृद्धि गर्नको लागि तालिम कार्यशालाहरु सञ्चालन गर्ने।

३.४.४ उपलव्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य

प्रमुख उपलबिध तथा नतिजा

क.गाउँपालिका सेवाक्षेत्र भित्र उपलब्ध प्राकृतिक र कृत्रिम स्रोत र साधनहरुको उपयोग र परिचालन गर्दै, आर्थिक आयआर्जन गर्न सक्ने सीपमुलक ,स्वरोजगार जनशक्तिको उत्पादन गर्ने ।

ख.गाउँपालिकामा न्यूनतम थप १ वटा प्राविधिक धार भएको विधालय सञ्चालन भएको हुनेछ ।

ग.प्राविधिक शिक्षा अध्ययन गरेका सीपयुक्त जनशक्तिहरुले न्युनतम् स्रोत र साधनको प्रयोग गरी स्वरोजगार, उत्पादनशील र व्यावसायिक कार्यक्रमहरु मार्फत् पालिका भित्र बसोवास गर्ने सवै नागरिकहरुको आर्थिक आयआर्जनको रुपान्तरणमा टेवा पुर्याइएको हुनेछ ।

क्र.स	सूचक	आधार वर्ष २०८०	२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५	बाँकी अबधि
१	प्राविधिक शिक्षा तथा व्यबसायीक तालिम प्रदान गर्ने विद्यालय	१	१			२		३
२	प्राविधिक शिक्षा तथा व्यबसायीक तालिममा सहभागि विद्यार्थी	२१	२१			६०		१२०

३.४.५ प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य

क्र.स	मुख्य क्रियाकलाप	परिमाण	२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५	बाँकी अवधि	जिम्मेबारी
१	प्राविधिक तथा व्यवसायिक धारको विद्यालय स्थापना गर्ने र सञ्चालन	वटा				१		१	पालिका, सिटिईभिटी
२	शिक्षक तथा कर्मचारी व्यवस्थापन	जना				४		४	पालिका, सिटिईभिटी
३	प्रयोगशाला तथा आई.सि.टी ल्याब व्यवस्थापन र पुस्तकालय	पटक		१		१		१	पालिका, सिटिईभिटी
४	प्राविधक तथा व्यबसायीक शिक्षा सञ्चालनको लागि अध्ययन तथा कार्यविधि तयारी	पटक			१				पालिका सिटिईभिटी
५	छोटा अवधिका आधारभूत तालिमको व्यवस्था गर्ने	पटक	१	१	१	१	१	५	पालिका र सिटिईभिटी
६	प्राविधिक शिक्षा अध्ययनरत विद्यार्थीका लागि इन्टर्नसिपको प्रबन्ध	जना		५	५	५	५	२५	पालिका

३.५ अनौपचारिक शिक्षा र आजीवन सिकाइ

विभिन्न किसिमका कारणले औपचारिक शिक्षाबाट बञ्चित भएका नागरिकहरुलाई अनौपचारिक शिक्षाको सहयोगले पनि जीवन निर्वाहमा धेरै सहयोग पुर्याउन सक्छ । अनौपचारिक शिक्षा र आजीवन सिकाईले दैनिक जीवनका समस्याहरु हल गर्न र आफ्नो पेसा व्यावसाय सञ्चालन गर्न सहयोग गर्दछ । त्रिवेणी गाउँपालिकाले पनि अनौपचारिक र आजीवन सिकाईको लागि विभिन्न कार्यक्रहरु तर्जुमा गरी सञ्चालनमा ल्याएको पाईन्छ।यसबाट धेरै नागरिकहरु लाभान्वित भएको पाईन्छ। यस शैक्षिक कार्यक्रमलाई अझैं थप प्रभावकारी बनाउन स्थानीय सरकारले प्रदेश सरकार र संघीय सरकार संग साझेदारी गरी अघि बढ्नु पर्ने देखिन्छ ।त्रिवेणी गाउँपालिकाकामा हाल ३ वटा सामुदायिक सिकाइ केन्द्रहरु रहेको र ती केन्द्रहरु मार्फत् निरन्तर सिकाइका क्रियाकलापहरु सञ्चालनमा रहेका छन् । त्रिवेणी गाउँपालिकाको साक्षरता दर ७६.९प्रतिशत रहेको छ जसमा पुरुषको साक्षरता ८३.९ प्रतिशत र महिलाको साक्षरता ७०.७ प्रतिशत रहेको छ । सामुदायिक सिकाइ केन्द्र मार्फत् समुदायमा रहेका आमा समूहरुको भेला र क्षमता विकासका कार्यक्रमहरु सञ्चालन भैरहेका छन् । सामुदायिक सिकाइ केन्द्रहरु मार्फत् पुस्तकालयको व्यवस्थापन गर्ने उद्देश्य रहेता पनि कुनैपनि सामुदायिक सिकाइ केन्द्रहरुमा पुस्तकालय रहेका छैनन् । समुदाय स्तरमा साक्षरताका क्रियाकलापहरु सञ्चालन गर्नु पर्ने तथा निरन्तर शिक्षालाइ निरन्तर रुपमा चलाउन समुदाय स्तरमा रहेका विभिन्न उत्पादनमुलक आमा समूह र बचत समूहहरुलाई क्षमता विकास र परिचालन गर्न आवश्यक देखिन्छ । हाल यस गाउँपालिकामा रहेका ३ वटा सामुदायिक सिकाइ केन्द्रहरुलाई सक्रिय रुपमा क्रियाशील गराउन आवश्यक व्यवस्थापन गर्नुपर्ने देखिन्छ ।

३.५.२ उद्देश्य

अनौपचारिक शिक्षा तथा आजीवन सिकाइका लक्षित उपलब्धिहरु हासिल गर्नका लागि निम्नानुसारका उद्देश्य किटान गरिएको छ ।

(क) सबै नागरिकहरुका लागि समता सहितको साक्षरता र आजीवन सिकाईका अवसर सुनिश्चित गर्नु ।

(ख) सामुदायिक सिकाई केन्द्र मार्फत् सञ्चालन भएका विभिन्न कार्यक्रमलाइ सहजीकरण गर्ने र सामुदायिक सिकाइ केन्द्रहरुको क्षमता अभिवृद्दि तथा प्रभावकारी परिचालन गर्नु।

(ग) विद्यालय शिक्षाको अवसरबाट बञ्चित भएका वा बिचैमा छोडेका तथा औपचारिक शिक्षाको पहुँच भन्दा बाहिर रहेका वर्गलाई शैक्षिक मुलधारमा ल्याउनु र निरन्तर सिकाइका कार्यक्रमहरु प्रभावकारी रुपमा सञ्चालन गर्नु।

(घ) अनौपचारिक शिक्षा तथा निरन्तर एवं जीवन पर्यन्त शिक्षाको विकास तथा विस्तार गरी साक्षरता अभिवृद्धि गर्न डिजिटल साक्षरता र आयआर्जन लगायतका क्षेत्रमा सहयोग गर्नु ।

३.५.३ रणनीति

अनौपचारिक तथा जीवन पर्यन्त सिकाइका लागि तय गरिएका माथि उल्लेखित उद्देश्य हासिल गर्न निम्नानुसारका रणनीतिहरु अवलम्बन गरिनेछ ।

(क) त्रिवेणी गाउँपालिकामा रहेका सामुदायिक सिकाई केन्द्र मार्फत् विभिन्न सीप विकास र आयआर्जन तथा सीप मुलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।

(ख) सामुदायिक सिकाई केन्द्रको थप र स्तरोन्नतिको लागि स्थानीय सरकार, प्रदेश सरकार र संघीय सरकारसंग समन्वय र सहकार्य गरी अघि बढ्ने साथै सामुदायिक सिकाइ केन्द्रको कार्य क्षेत्र विस्तार गर्ने।
(ग) विभिन्न सरोकारवालाहरुसंगको समन्वय, सहकार्य र साझेदारीमा अनौपचारीक तथा खुला सिकाई कार्यक्रमलाई प्रवर्द्धन गर्ने ।
(घ) सामुदायिक सिकाई केन्द, विद्यालय, स्थानीय संघसंस्था, नागरिक समाज, सञ्चार माध्यम र अभिभावक परिचालन गरी अनौपचारीक शिक्षा तथा आजीवन सिकाई कार्यक्रमलाई समतामुलक र पहुँच योग्य बनाई नागरिकका दैनिक समस्याहरु हल गर्ने वातावरण सुनिश्चित गर्ने ।
(ङ) अनौपचारीक शिक्षा, साक्षरता कार्यक्रम, निरन्तर शिक्षा जस्ता कार्यक्रमहरु सञ्चालन गर्ने तथा समुदायस्तरमा आमा समूह, आयआर्जन समूह संगठित गर्ने तथा परिचालित गर्ने।

३.५.४ प्रमुख उपलब्धि तथा नतिजा

उपलब्धि

(क) सबै नागरिकका लागि साक्षरता शिक्षा, निरन्तर शिक्षा र आजीवन सिकाईका अवसरहरु प्राप्त भएको हुनेछ र त्रिवेणी गाउँपालिका पूर्ण साक्षर भएको हुनेछ।
(ख) सामुदायिक सिकाइ केन्द्रको क्षमता विकास भै समुदायस्तरमा सिप विकास, आजीवन सिकाइका क्रियाकलापहरु तथा अभिभावकहरुको क्षमता विकास र सिकाइ अभिवृद्दि भएको हुनेछ ।

नतिजा तथा परिमाणात्मक लक्ष्य

क्र.स	सूचक	आधार वर्ष २०८०	२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५	बाँकी अवधि
१	सामुदायिक सिकाई केन्द्रको संख्या	३			४			५
२	साक्षरता ७८ बमोजिम	७६.९	७८	८०	८२	८४	८६	९०

३.५.५ प्रमुख क्रियाकलाप र परिमाणात्मक लक्ष्य

क्र.स	प्रमुख क्रियाकलापहरु	इकाइ	२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५	बाँकी अवधि	जिम्मेबारी
१	निरक्षरहरुको तथ्याङ्क संकलन	पटक		१				२	पालिका र सिकाइ केन्द्र

२	साक्षरता कार्यक्रम तथा निरन्तर सिकाइका कार्यक्रमहरु सञ्चालन	पटक		१	१	१	१	५	पालिका र सिकाइ केन्द्र
३	सामुदायिक सिकाई केन्द्रको अनुगमन, निरीक्षण र सहयोग	पटक	१	१	१	१	१	५	पालिका र सिकाइ केन्द्र
४	सामुदायिक सिकाई केन्द्रको सुदृढीकरण र क्षमता विकास	पटक	१	१	१	१	१	५	पालिका र सिकाइ केन्द्र
५	नयाँ सामुदायिक सिकाई केन्द्रको स्थापना र सञ्चालन	वटा			१			२	पालिका र सिकाइ केन्द्र
६	सिकाइ केन्द्रमा पुस्तकालयको स्थापना	वटा		१		१		२	पालिका र सिकाइ केन्द्र
७	आयआर्जन समूहको गठन क्षमता विकास र परिचालन	पटक		१	१	१	१	५	पालिका र सिकाइ केन्द्र

परिच्छेद ४ : अन्तरसम्बन्धीत विषय तथा क्षेत्र

४.१ पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तक, सिकाइ सामग्री तथा मूल्याङ्कन

४.१.१ वर्तमान अवस्था

पाठयक्रम शिक्षा पद्दतिलाई मार्गदर्शन गर्ने महत्वपूर्ण र अनिवार्य आधार हो । यो कुनै कक्षा वा तहमा के के सिकाउने भन्ने कुरासँग मात्र सम्बन्धीत नभएर विद्यार्थीमा के कस्ता क्षमता विकास गराउने हो अर्थात किन सिकाउने, के कस्ता क्रियाकलापका माध्यमबाट अपेक्षित सक्षमता हासिल गराउने र विद्यार्थीले सिकेको विषयहरु सुनिश्चित गर्ने, आवस्यक पृष्ठपोषण तथा मूल्याङ्कन के कसरी गर्ने भन्ने कुरा निर्धारण गर्ने महत्वपूर्ण आधार नै पाठ्यक्रम हो ।बालबालिकाको सर्वाङ्गीण विकास गर्नु, सभ्यता वा संस्कृतिको हस्तान्तरण एवम् विकास गर्नु,शैक्षिक प्रक्रियाको स्वरुप निर्धारण गर्नु जस्ता कुराहरु पाठ्यक्रमको उद्देश्यभित्र पर्दछन् ।

पाठ्यक्रमलाई सही रुपमा कार्यान्वयन गर्नका निमित्त पहिलो शैक्षिक सामाग्रीको रुपमा पाठ्यपुस्तकलाई लिइन्छ। हाल नेपालमा सामुदायिक विद्यालयमा अध्ययनरत कक्षा १० सम्मका सम्पूर्ण विद्यार्थीलाई निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण गर्ने गरिएको छ । यसका साथै कक्षा ११ र १२ का अनिवार्य विषयहरु नेपाल सरकारले निःशुल्क पाठ्यपुस्तकको व्यवस्था गरेको छ । सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको उचित विकास नभइसकेको हाम्रो परिवेशमा विद्यार्थीको एकमात्र विकल्पको रुपमा पाठ्यपुस्तकलाई लिएको पाइन्छ जसले पाठ्यक्रम कार्यान्वयनलाई सहयोग गर्दछ । पाठ्यक्रम समयानुसार विकास, परिवर्तन र परिमार्जन निरन्तर भइरहने प्रक्रिया हो । नेपालको संविधानको धारा ३१ मा विश्वव्यापी भइरहेका नवीनतम् शैक्षिक प्रवर्धन, प्रयोग तथा उपलब्धि र राज्यको पुर्नसंरचनासँगै शैक्षिक स्मरण भई पाठ्यक्रम विकास केन्द्रको नेतृत्वमा विद्यालय तहका पाठ्यक्रम २००६ देखि परिवर्तन तथा कार्यान्वयन गरिएको छ । राष्ट्रिय पाठ्यक्रम प्रारुप २०७६, ले तयार गरेको विद्यालय क्षेत्रको पाठ्यक्रमलाई सामाजिक न्याय, सकारात्मक रुपान्तरण र विश्व प्रतिस्पर्धी सक्षम नागरिक तयार गर्ने, लक्ष्य केन्द्रित पाठ्यक्रम कार्यान्वयन गर्नु संघीय, प्रादेशिक र स्थानीय सरकारको प्रमुख जिम्मेवारी रहेको छ। पाठ्यक्रमको प्रभावकारी कार्यान्वयनका लागि शिक्षण सिकाइ सामग्री तथा सन्दर्भ सामग्रीहरुको महत्व धेरै हुन्छ । सिकाइ सहजLकरणका समयमा शिक्षण सिकाइ सामग्री तथा सन्दर्भ सामग्री जति प्रयोग गर्न सकियो त्यति सिकाइ प्रभावकारी हुने भएता पनि हाल गाउँपालिकामा सिकाइ शिक्षण र सन्दर्भ सामग्रीको उपलब्धता र प्रयोग न्यून रहेको छ । यसका साथै पाठ्यक्रमले निर्दिष्ट गरेको मूल्याङ्कन पद्धति अवलम्बन गरिएको छ भने कक्षा ८ को पालिका तहबाट स्तरिकृत परीक्षा सञ्चालन भएको र कक्षा ५ मा समेत स्तरिकृत परीक्षा सञ्चालन र व्यवस्थापन गर्नु आवश्यक देखिन्छ साथै अन्य कक्षाहरुमा पनि परीक्षा प्रणाली थप व्यवस्थित र प्रभावकारी गर्न आवश्यक देखिन्छ। यस पालिकामा समग्र रुपमा हेर्दा विद्यार्थी मूल्याङ्कन अझै पनि प्रभावकारी रुपमा गर्न सकिएको छैन । विद्यार्थी मुल्याङ्नका लागि शिक्षकलाई परिवर्तित मूल्याङ्कन प्रणालीको ज्ञान सही रुपमा नहुनु तथा गाउँपालिका तहबाट पनि विभिन्न कक्षाको परीक्षाका लागि स्पष्ट रुपमा अनुगमन तथा सहायता नहुनु पनि समस्याको रुपमा रहेको छ । परीक्षण र मूल्याङ्कन प्रणालीमा सुधार गरी आधारभूत तह सम्म निरन्तर विद्यार्थी मूल्याङ्कन पद्दति अपनाइएको छ । सबै कक्षामा अक्षरांकन पद्दति अनुसार नतिजा निकाल्ने परिपाटी अपनाइएको छ ।

राष्ट्रिय पाठ्यक्रम पारुप २०७६ ले स्थानीय पाठ्यक्रमको निर्माणका लागि स्थानीय तहलाई जिम्मेवारी दिएको छ भने पहिलो पटक पाठ्यक्रममा कार्यघण्टा र पाठ्यघण्टाको व्यवस्था गरिएको छ। स्थानीय पाठ्यक्रमको

विकास तथा कार्यान्वयन मार्गदर्शन २०७४ अनुसार त्रिवेणी गाउँपालिकाले आधारभूत तहमा हाम्रो त्रिवेणी विषयक स्थानीय विषयको पाठ्यक्रम निर्माण गरी शैक्षिक कार्यान्वयनमा ल्याएको छ । कक्षा १-३ सम्मको पाठ्यपुस्तकको समेत विकास कार्यान्वयन गर्नुका साथै अन्य कक्षाको पाठ्यपुस्तक बनाई कार्यान्वयनमा लैजाने योजना अगाडि बढाइरहेको छ।यसै सन्दर्भमा त्रिवेणी गाउँपालिकाले पनि यो योजना निर्माणको अभिन्न रुपमा पाठ्यक्रम र पाठ्यसामग्रीलाई उच्च महत्त्व दिइएको छ।

विगतमा प्रयोग गरिएको निरन्तर विद्यार्थी मूल्याङ्कन प्रणालीका समस्या तथा कठिनाइहरुको अनुभवका आधारमा मूल्याङ्कनका साधनहरुलाई व्यवहारिक बनाई नतिजालाई अक्षराङ्कन पद्धतिमा अभिलेखीकरण गर्ने प्रावधान राखिएको छ। यस योजनाले पनि विद्यालय तहको शिक्षाका लागि सङ्घीय तहमा रहेको पाठ्यक्रम विकास केन्द्रको नीतिगत व्यवस्थालाई कार्यान्वयन गराउन स्थानीय स्तरका शिक्षाका क्षेत्राधिकारभित्र रहेर योजना र कार्यक्रम तयार गरी कार्यान्वयन र सहजीकरण गर्ने ध्येय लिइएको छ। प्रमुख शैक्षिक सामग्रीका रुपमा प्रत्येक शिक्षकसँग सम्बन्धीत विषयको पाठ्यक्रम, शिक्षक निर्देशिका, वार्षिक शैक्षणिक कार्ययोजना र विद्यार्थीले आफूले प्रयोग गर्ने कार्यपुस्तक वा पाठ्यपुस्तक अनिवार्य हुनुपर्छ भन्ने मान्यता राखिएको छ । थिम वा पाठ्यवस्तुसँग सम्बन्धीत कक्षाकोठाको सिकाइ वातावरण बाहिरी वातावरण समुदाय र अनुभवी व्यक्ति, शिक्षक निर्मित सामग्री, स्मार्ट मोबाइल, ल्यापटप र आवश्यकतानुसार बजारबाट खरिद गरिएका सामग्रीहरु प्रयोग गर्नु अपरिहार्य हुन्छ । प्राथमिकता प्राप्त न्यूनतम सक्षमतामा पर्ने पाठ्यपुस्तक निःशुल्क रुपमा समयमै विद्यार्थीको हातमा पुयाउने काम पनि त्यत्तिकै महत्त्वपूर्ण रहेको छ ।

यस त्रिवेणी गाउँपालिकमा पाठ्यक्रमको प्रभावकारी कार्यान्वयनको लागि विषयगत शिक्षकको व्यवस्था गर्नु, स्थानीय पाठ्यक्रम र पाठ्यसामाग्री प्रयोगका लागि क्षमता विकास गर्नु, सबै शिक्षकलाई नयाँ पाठ्क्रमको अभिमुखीकरण गर्नु, स्थानीय पाठ्यक्रमलाई समय अनुसार अद्यावधिक गर्नु, अपाङ्गता भएका बालबालिकाको लागि अनुकुलका पाठ्यसामग्रीको व्यवस्था गर्ने जस्ता विषय पाठ्यक्रम तथा पाठ्यपुस्तक कार्यान्वयनका चुनौतीका रुपमा रहेका छन् । यसका साथै शिक्षकका लागि शिक्षक सहायता सन्दर्भ सामग्रीको व्यवस्थापन र सहायतमा पनि सहयोग पुर्याउन आवश्यक देखिन्छ ।

माध्यमिक तहसम्म निःशूल्क पाठ्यपुस्तकको व्यवस्था, शिक्षक निर्देशिकाको व्यवस्था, परीक्षा र मूल्याङ्कन प्रणालीमा सुधार, कक्षा ३ सम्मको स्थानीय पाठ्यपुस्तकको निर्माण, विभिन्न विषयका पाठ्यसामग्रीहरु मातृभाषामा तयार र कक्षा ८ सम्म एकीकृत पाठ्यक्रमको व्यवस्था, पाठ्यक्रम तथा पाठ्यपुस्तक कार्यान्वयनका अवसरहरु रहेका छन् ।

४.१.२ उद्देश्य

पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तक, सिकाइ सामग्री र मूल्याङ्कनलाई प्रभावकारी बनाउन निम्न उद्देश्यहरु अवलम्बन गरिएको छ ।

(क) पाठ्यक्रमलाई प्रभावकारी रुपमा कार्यान्वयन र विकास तथा परिमार्जनका लागि पृष्ठपोषण र पाठ्यक्रमलाई समय सापेक्ष, सान्दर्भिक, गुणस्तरीय र प्रभावकारी बनाई सिकारुको ज्ञान, सीप र व्यवहार विकासमा सहजीकरण गर्नु ।

(ख) स्थानीय परिवेश अनुसार निर्माण गरिएको स्थानीय पाठ्यक्रमको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्नु र पाठ्यक्रम अनुसारको सबै कक्षा (कक्षा ८ सम्म) पाठ्यपुस्तक निर्माण र प्रयोग गर्नु ।

(ग) बालबालिकाहरुको सिकाइ समस्याको समाधान उन्मुख निरन्तर, आवधिक तथा स्तरीकृत मूल्यङ्कन पद्धतिको कार्यान्वयन संगै सिकाइलाई समस्या समाधान उन्मुख गराई निरन्तर आवधिक, स्तरीकृत र प्रमाणमा आधारित मूल्याङ्कन पद्धतिको कार्यान्वयन गर्नु ।

(घ) बालवालिकालाई आधुनिक विज्ञान र प्रविधिमा आधारित समाजमा अनुकुल बनाउन पाठ्यक्रम तथा पाठ्यसामग्रीलाई प्रविधियुक्त बनाई प्रभावकारी कार्यान्वयनमा जोड दिनु र यसका लागि शिक्षण सिकाइ तथा सन्दर्भ सामग्रीहरुको व्यवस्थापन र प्रभावकारी प्रयोग गर्नु ।

४.१.३ रणनीति

(क) राष्ट्रिय पाठ्यक्रम प्रारुप २०७६ र तदनुसारका पाठ्यक्रमको कार्यान्वयन गरिने र विद्यालय तहको पाठ्यक्रम कार्यान्वयन गर्न क्षमता विकास र परिचालन गर्ने ।

(ख) विकास गरिएको राष्ट्रिय पाठ्यक्रम तथा स्थानीय पाठ्यक्रम तथा पाठ्यसामग्रीलाई सम्बन्धीत शिक्षक तथा सरोकारवालाहरुलाई प्रबोधिकरण गरिने, परिमार्जित राष्ट्रिय पाठ्यक्रम र स्थानीय पाठ्यक्रमको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्ने र आवश्यकतानुसार मूल्याङ्कन गरी त्यसका आधारमा पाठ्यक्रम परिमार्जन तथा सुधार गर्न पृष्ठपोषण प्रदान गर्ने ।

(ग) पाठ्यक्रम कार्यान्वयनका लागि अत्यावश्यक संरचनागत तथा शिक्षकको पेसागत क्षमता अभिवृद्धि गर्ने ।

(घ) शिक्षकका लागि शिक्षक निर्देशिका तथा स्रोत सामग्री तथा विद्यार्थीका लागि सिकाइ सामग्री, स्वाध्यायन तथा सन्दर्भ सामग्रीहरु.को प्रयाप्त उपलब्ध हुने व्यवस्था गरिने ।

(ङ) माध्यम भाषाका रु.पमा आवश्यकताअनुसार मातृभाषा, स्थानीय भाषा, बहु भाषा प्रयोग गरिने, विद्यालयमा आधारित सहयोग पद्धति विकास गर्ने ।

(च) स्थानीय पाठ्यक्रमको प्रभावकारी कार्यान्वयन र पाठ्यसामग्रीको विकास तथा प्रयोगलाई व्यवस्थित गर्ने ।

(छ) ज्ञानमा आधारित समाज, सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको विकास र प्रयोग एवम् शैक्षिक, सामाजिक सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक परिवर्तन र विश्व परिवेशका आधारमा पाठ्यक्रमलाई सान्दर्भिक र व्यवहारिक बनाउन समन्वय र सहकार्य गर्ने ।

(ज) पाठ्यक्रम प्रभावकारी कार्यान्वयनका लागि आवश्यक नीतिगत, संरचनागत तथा पेसागत सक्षमता अभिवृद्धि गर्ने ।

(झ) अपाङ्गता भएका, अनाथ तथा द्वन्द्ध प्रभावित बालबालिकाहरुको शैक्षिक पहुँच बढाउन र सिकाइ अवसर वृद्धि गर्न पाठ्यक्रम तथा सिकाइ सामग्रीलाई ब्रेल लिपि, साङ्केतिक भाषा, श्रव्यदृष्य सामग्रीको विकास तथा प्रयोगलाई उच्च प्राथमिकता दिई सबै बालबालिकाको शैक्षिक अधिकार सुनिश्चित गर्ने ।

(ञ) आधारभूत तहको परीक्षा तथा विद्यार्थी मूल्याङ्कन पद्धतिलाई क्रमश सुधार र व्यवस्थित गर्ने ।

(ट) शिक्षण सिकाइलाई प्रविधि सँग जोड्न सबै सामुदायिक विद्यालयमा प्राविधिक पद सिर्जना गरी विद्यालयमा रहेका कम्प्युटर प्रयोगशालालाई सुचारु गर्ने ।

(ठ) फरक क्षमता भएका तथा कमजोर सिकाइ क्षमता भएका बालबालिकाको सहपाठी सिकाइ समूह गठन गरी सिकाइमा सहयोग गर्ने व्यवस्था मिलाउने ।

४.१.४ प्रमुख उपलब्धि तथा नतिजा

उपलब्धि

विद्यालय तहको पाठ्यक्रम सान्दर्भिक तथा मूल्याङ्कन प्रणाली प्रभावकारी भई आवश्यक आधारभूत सक्षमता सहित सकारात्मक सोच सिर्जनशील, निरन्तर सिकाइप्रति प्रतिबद्ध र रोजगारोन्मुख नागरिक तयार गर्न सहयोग हुने ।

नतिजा

(क) पाठ्यक्रमको प्रभावकारी कार्यान्वयन भै सिकारुमा ज्ञान, सिप र व्यवहारमा सकरात्मक परिवर्तन भएको हुने,।

(ख) आधारभूत तहको स्थानीय पाठ्यक्रमको प्रभावकारी कार्यान्वयन भएको र परिमार्जन भएको साथै सबै कक्षाका स्थानीय पाठ्यक्रम अनुसारका पाठ्यसामग्री विकास तथा कार्यान्वयन भएको हुने ।

(ग) विद्यार्थी मूल्याङ्कन प्रणालीमा सुधार भै विद्यार्थीको सिकाइ उपलब्धिमा सुधार भएको हुने ।

(घ) स्थानीय पाठ्यक्रम जीवनपयोगी सिपहरु हासिल गरी स्थानीय कच्चा पदार्थको प्रयोग बाट आयआर्जन गरेको हुने ।

नतिजा तथा परिमाणात्मक लक्ष्य

क्र.सं.	सूचक	आधार वर्ष २०८१	२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५	२०८६	२०९०
१	एकीकृत पाठ्यक्रम लागु गरेका विद्यालय संख्या	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४१
२	परीक्षामा स्तरीकृत प्रश्न प्रयोग गर्ने विद्यालय संख्या	२०	२०	४१	४१	४१	४१	४१	४१
३	निरन्तर विद्यार्थी मूल्याङ्कन गर्ने विद्यालय	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४१
४	स्थानीय पाठ्यक्रम	कक्षा ८ सम्म	कक्षा ८ सम्म	कक्षा ८	कक्षा ८	कक्षा ८	कक्षा ८ सम्म	कक्षा ८ सम्म	कक्षा ८ सम्म

	निर्माण			सम्म	सम्म	सम्म			
५	स्थानीय पाठ्यपुस्तक निर्माण	कक्षा ३ सम्म	कक्षा ३ सम्म	कक्षा ४ र ५	कक्षा ६ देखि ८				

४.१.५ प्रमुख क्रियाकलाप र परिमाणात्मक लक्ष्य

क.स	प्रमुख क्रियाकलाप	इकाइ	२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५	बाँकी अवधि	कसले
१	पाठ्यक्रम अभिमुखीकरण र तालिम	पटक		१		१		२	पालिका
२	शिक्षक पेसागत विकास तालिम र क्षमता विकास सहजीकरणमा आधारित	पटक		१	१	१	१	५	पालिका
३	कक्षाकोठामा आधारित विद्यार्थी मूल्याङ्कनका लागि क्षमता विकास	पटक		१	१	१	१	५	विद्यालय
४	कक्षा ५ र ८ को स्तरिकृत परीक्षा सञ्चालन	पटक	१	१	१	१	२	५	पालिका
६	डिजिटल सामाग्रीको प्रयोगमा सहयोग प्रचार प्रसार र क्षमता विकास तथा	पटक		१	१	१	१	५	पालिका

	अभिमुखीकरण								
७	पाठ्यपुस्तक वितरण	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	पालिका
८	कक्षा ४ देखि ८ को स्थानीय पाठ्यपुस्तक निर्माण	निरन्तर	कक्षा ४ र ५	कक्षा ६ देखि ८	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	पालिका
९	शिक्षण सिकाइ र सन्दर्भ सामग्री वितरण र व्यवस्थापन	विद्यालय	४१	४१	४१	४१	४१	४१	पालिका र विद्यालय
१०	परीक्षा र मूल्याङ्कन प्रणाली सुधारका लागि क्षमता विकास अभिमुखीकरण	पटक		१	१	१	१	५	पालिका
११	शिक्षकका लागि सहायता सामग्रीको प्रबन्ध पाठ्यक्रम संग सम्बन्धीत	विधालय		४१	४१	४१	४१	४१	पालिका

४.२ शिक्षक व्यवस्थापन र विकास

४.२.१ वर्तमान अवस्था

शिक्षक शब्दमा प्रयोग भएको अक्षर शि ले 'शिखरमा लैजाने मान्छे', क्ष ले 'क्षमा गर्ने ब्यक्ति' र क ले 'कमजोरी दूर गर्ने ब्यक्ति' लाई पनि जनाउन सकिन्छ । यसर्थ शिक्षक भनेको विद्यालयमा शिक्षा प्रदान गर्ने व्यक्ति भनेर बुझिन्छ । गतिशिल शिक्षकले नै शैक्षिक गतिविधिहरुलाई प्रभावकारी रुपमा बढाउन मदत गर्दछ । शिक्षकमा भएको पेशाप्रतिको समर्पण र उत्साह विषयवस्तुको पर्याप्त ज्ञान, सिप क्रियाकलाप सञ्चालनमा दक्षता र नमूना व्यक्तित्व प्रदर्शनले विद्यार्थीहरुको सिकाइमा सकारात्मक प्रभाव पार्दछ । सबै तहको शिक्षामा योग्य दक्ष, समर्पित अभिप्रेरित शिक्षकहरुको व्यवस्थापनबाट नै शिक्षाको गुणस्तर सुनिश्चित गर्न सकिन्छ । गुणस्तरीय शिक्षाका लागि शिक्षक योग्य, व्यावसायिक रुपमा दक्ष, पेसाप्रति उत्प्रेरित, समर्पित,

प्रतिवद्ध र विद्यार्थीको सिकाइप्रति जवाफदेही हुन आवश्यक छ। शिक्षक व्यवस्थापनको यही महत्त्व र उपादेयतालाई मध्यनजर राखी प्रारम्भिक बालविकास केन्द्रका सहयोगी कार्यकर्तालाई समेत शिक्षकको रुपमा स्वीकार गर्दै प्रस्तुत एकाइमा बालविकासदेखि माध्यमिक तहसम्मको शिक्षकको सम्बन्धमा विश्लेषण एवम् योजना निर्माण कार्यलाई समेटिएको छ। नेपालमा शिक्षा विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालयले शिक्षकको पेसागत विकासका लागि नीति निर्माण गर्दछ। प्रदेश तहमा रहेका शिक्षा तालिम केन्द्रहरु मार्फत् तालिम र क्षमता विकासका गतिविधिहरु अगाडि बढेका छन् । शिक्षक अध्यापन अनुमति पत्र सम्बन्धी काम र रिक्त शिक्षक दरबन्दीमा स्थायी पदपूर्तिका लागि परीक्षा सञ्चालन गरी नियुक्तिका लागि सिफारिस गर्ने र शिक्षक बढुवासम्बन्धी कार्य शिक्षक सेवा आयोगले गर्ने गरेको छ भने आयोगबाट सिफारिस भई आएका शिक्षकहरु.लाई नियुक्ति गर्ने कार्य शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ र पदस्थापन स्थानीय तहहरु.बाट हुने गरेको छ। यसैगरी अस्थायी वा विद्यालयको निजी स्रोतमा शिक्षक नियुक्ति गर्ने, शिक्षकको कार्यसम्पादन मूल्याङ्कन गर्ने कार्य पनि स्थानीय तहबाट हुने गरेको छ। शिक्षा तथा मानव स्रोत विकास केन्द्रले प्रमाणीकरण तथा कष्टमाइज्ड तालिम पाठ्यक्रम निर्माण गर्ने प्रशिक्षक तयार गर्ने कार्य गर्दछ भने प्रदेश अन्तर्गतका शिक्षा तालिम केन्द्रहरु.ले शिक्षकको क्षमता अभिवृद्धिका लागि तालिम सञ्चालन गर्ने काम गर्दै आएका छन् । तत्कालीन शिक्षा विभाग मार्फत जिल्ला शिक्षा कार्यालयहरुले बालविकास केन्द्रका सहयोगी कार्यकर्ताहरुका लागि १६ दिने तालिम सञ्चालन गरेका थिए ।हाल उक्त तालिम अघि बढेको देखिदैन् । शिक्षक व्यवस्थापन संगै शिक्षकको क्षमता विकास र परिचालन उतिकै महत्व हुन्छ । शिक्षकको पेसागत दक्षता र पेसागत विकासका आधारमा नै शिक्षक परिचालित हुने र सिकाइ क्रियाकलापहरु प्रभावकारी हुने हुन्छन् ।

त्रिवेणी गाउँपालिकामा सामुदायिक विद्यालयहरु ४१ र सस्थागत विद्यालयहरु २ गरी जम्मा ४३ वटा विधालयहरुमा शिक्षक व्यवस्थापन गरिएको छ। उल्लिखित विद्यालय सङ्ख्यामध्ये कक्षा १ सञ्चालित १ (सामुदायिक) कक्षा १-३ सञ्चालित ५(सामुदायिक), कक्षा १ - ५ सञ्चालित १५ (सामुदायिक र २ (सस्थागत), कक्षा १–८ सञ्चालित ९, (सामुदायिक) कक्षा १–१० सञ्चालित १ (सामुदायिक) र कक्षा १–१२ सञ्चालित १० (सामुदायिक) विद्यालय सञ्चालनमा रहेकाछन्। यसैगरी शिक्षकको सङ्ख्या हेर्दा आधारभूत तह कक्षा १–५ कार्यरत जम्मा १४३ जना (दरबन्दीमा तथा अनुदान र राहत), आधारभूत तह कक्षा ६–८ तहमा कार्यरत ८९ जना (दरबन्दीमा, राहत र अनुदान), माध्यमिक तह (कक्षा ९–१०) मा कार्यरत ३६ जना (दरबन्दीमा , राहत र अनुदान), माध्यमिक तह (कक्षा ११–१२) मा कार्यरत १६ जना (दरबन्दीमा र राहत) कार्यरत रहेको अवस्था छ। यसैगरी गाउँपालिकामा सञ्चालनमा रहेका ४१ वटा विद्यालयमा आधारित प्रारम्भिक बालविकास शिक्षा केन्द्र र समुदायमा आधारित ४ वटा गरी ४५ वटा बालविकास केन्द्रहरुमा ४५ जना बालविकासका शिक्षकहरु कार्यरत रहेको अवस्था छ ।जसमा ३६ जना संघीय र गाउँपालिका अनुदानको स्रोतबाट तलव भत्ता खाने शिक्षकहरु ९ जना शिक्षकहरु रहेका छन् ।शिक्षक व्यवस्थापन अन्तर्गत आधारभूत तह कक्षा १-५ मा ३७ जना कक्षा ६–८ मा ५७ जना पालिका अनुदानमा शिक्षक व्यवस्थापन भएको छ भने माध्यमिक तह कक्षा ९–१० मा १६ र ११-१२ मा ७ जना पालिका अनुदानमा शिक्षक व्यवस्थापन भएको छ ।

शिक्षा नियमावली २०५९, को नियम ९२ अनुसार सामुदायिक विद्यालयमा रहने शिक्षक दरबन्दीको विवरण अनुसूची १२ मा व्यवस्था गरेको छ। पूर्व प्राथमिक विद्यालयमा १ जना, प्राथमिक विद्यालयमा ५० जनासम्म विद्यार्थी भएमा कम्तीमा २ जना र सोभन्दा बढी विद्यार्थी भएमा कम्तीमा ३ जना, कक्षा ६–८ का लागि कम्तीमा ४ जना र माध्यमिक तह ९–१२ का लागि ८ जना शिक्षक रहने व्यवस्था उक्त नियमावलीमा छ।यसै अनुसार त्रिवेणी गाउँपालकामा शिक्षक दरबन्दी मिलानको कार्य भएको छ । औषतमा माध्यमिक तहमा शिक्षक विद्यार्थी अनुपात १:३७ र आधारभूत तहमा शिक्षक विद्यार्थी अनुपात १:१७ रहेको छ । माध्यमिक तह कक्षा ११-१२ मा भने शिक्षक विधार्थी अनुपात १:५५ रहेको देखिन्छ । (शिक्षा युवा तथा खेलकुद शाखा २०८१) शिक्षकको क्षमता विकास र पेसागत सहयोगको हकमा भने गाउँपालिकामा पेसागत सहयोगका गतिविधिहरु न्यून रहेका छन्।प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षामा गाउँपालिकाबाट बालविकास शिक्षकका लागि थप प्रोत्साहन रु ७००० को व्यवस्था भएको छ भने अन्य शिक्षक प्रोत्साहनका कार्यक्रमहरु हुन सकेका छैनन्।शिक्षक तालिमलाई वास्तविक आवश्यकतामा आधारित बनाउन र तालिममा सिकेका ज्ञान तथा सिपलाई कक्षाकोठामा प्रयोग गराउन आवश्यक देखिन्छ भने दरवन्दी मिलान र वितरणका कार्यलाइ प्रभावकारी रुपमा लैजान आवश्यक देखिन्छ । गाउँपालिकामा शिक्षक पेसागत सहयोग पद्धति विकासका लागि सिकाइ समूह गठन, रोष्टर शिक्षक व्यवस्थापन, शिक्षक बिच सिकाइ आदान प्रदान जस्ता कार्य गराउन आवश्यक देखिन्छ ।

४.२.२ उद्देश्य

यस त्रिवेणी गाउँपालिकाको शिक्षक व्यवस्थापनलाई प्रभावकारी रुपमा अगाडि बढाउनका निम्ति निम्नानुसारको उद्देश्यहरु किटान गरिएको छ ।

(क) तहगत रुपमा शिक्षकको प्रभावकारी वितरण र व्यवस्थापन गर्नु (संघ तथा प्रदेश सरकारसँग समन्वय) र यसका लागि शिक्षक पुनर्वितरण कार्य प्रभावकारी र नियमित गर्नु।

(ख) निरन्तर पेसागत सहायता प्रणाली स्थापना संगै शिक्षकको निरन्तर पेसागत विकासका अवसरहरु.को सुनिश्चितता गर्नु ।

(ग) शिक्षक तथा विद्यालय कर्मचारी प्रोत्साहन, निरन्तर पेसागत विकास र सिकाइ आदान प्रदान कार्यक्रमका माध्यमबाट सबै तहमा सक्षम, प्रतिबद्ध र अभिप्रेरित शिक्षकहरुको प्रबन्ध गर्नु ।

४.२.३ रणनीति

शिक्षक व्यवस्थापनका लागि माथि उल्लेखित उद्देश्यहरु पुरा गर्नका लागि निम्नानुसारको रणनीतिहरु अवलम्बन गरिएको छ ।

(क) शिक्षक सक्षमता प्रारुपलाई अद्यावधिक गरी यसलाई शिक्षक तयारी र छनौट प्रक्रियामा आबद्ध गर्न संघ र प्रदेश सरकारसँग समन्वय र सहकार्य गर्ने ।

(ख) शिक्षक विद्यार्थी अनुपातको आधारमा तहगत र विषयगत रु.पमा शिक्षक दरबन्दी मिलान एवम् दरबन्दी पुनर्वितरण तथा थप गर्ने कार्यलाई सहजीकरण गर्ने र प्राविधिक शिक्षाका लागि पनि शिक्षक व्यवस्थापन र क्षमता विकास गर्ने ।

(ग) प्रारम्भिक बालविकास एवम् पूर्व प्राथमिक शिक्षा र कक्षा १–३ का लागि कक्षा १२ उत्तीर्ण, कक्षा ४-८ का लागि स्नातक तह उत्तीर्ण र कक्षा ९–१२ का लागि स्नातकोत्तर उत्तीर्ण हुने गरी शिक्षकको योग्यता अद्यावधिक गर्ने कार्यमा आवश्यक सहजीकरण गर्ने ।

(घ) शिक्षकको निरन्तर पेसागत विकासका लागि शिक्षण सिप विकाससम्बन्धी छोटो अवधि र लामो अवधिका सेवाकालीन तालिम प्रदान गर्ने कार्यलाई अनिवार्य र प्रभावकारी बनाइने।

(ङ) गाउँपालिकास्तरीय शिक्षक पेसागत सहयोग मार्फत् शिक्षकलाई निरन्तर पेसागत सहयोग उपलब्ध गराइनेछ। यसकालागि गाउँपालिकामा विषयगत शिक्षक सञ्जाल तथा आवश्यकता अनुसार अनुभवी शिक्षकहरुबाट सहयोग तथा अनुगमनको पद्धति विकास गर्ने ।

(च) शिक्षकको उपस्थिति, नियमितता र कार्यसम्पादनमा सुधार गरी नतिजा प्रति जवाफदेही हुने पद्धति विकासका लागि शिक्षक तथा प्रधानाध्यापकको वृत्ति विकासलाई विद्यार्थीको सिकाइ सुधारसंग सम्बन्धीत गरी सो को कार्यान्वयन गर्ने ।

(छ) प्रत्येक तहमा पुरस्कार र दण्डको प्रावधानलाई वस्तुगत र न्यायोचित किसिमले प्रभावकारी बनाइने र विद्यालय कर्मचारीलाई प्रोत्साहनको व्यवस्था गर्ने ।

(ज) अर्को पालिका वा जिल्लाबाट यस गाउँपालिकामा सरुवा भएर आउन चाहने शिक्षकहरुका निम्ति सूचना तथा सञ्चार प्रविधिमा शिक्षकको दक्षता सहितको मापदण्डको निर्माण र कार्यान्वयनलाई प्रमुख प्राथमिकतामा राख्ने ।

(झ) भौगोलिक क्षेत्रका आधारमा गाउँपालिकामा सञ्चालित सामुदायिक विद्यालयका प्रधानाध्यापकलाई अतिरिक्त प्रोत्साहन भत्ताको व्यवस्थापन गर्ने ।

(ञ) गाउँपालिकाका सबै शिक्षकहरुको स्वास्थ्य बिमा निःशुल्क वा अनिवार्य गर्ने ।

(ट) अपाङ्गता भएका व्यक्ति, महिला, सीमान्तकृत वर्गका व्यक्तिलाई शिक्षण पेसामा सहभागी हुन पाउने अवसर एवम् क्षमता अभिवृद्धिका कार्यक्रमहरु सञ्चालन गर्ने ।

(ठ) सबै शिक्षकहरुले सिकाइमा सुधार गर्नका लागि अनिवार्य रुपमा कार्यमूलक अनुसन्धान गर्न लगाउने र उत्कृष्ट अनुसन्धानलाई गाउँपालिकावाट प्रकाशन र सम्प्रेषण गर्ने साथै शिक्षक क्षमता विकासमा प्रविधिलाई जोड दिने ।

(ड) गाउँपालिकास्तरमा सेवा निवृत्त शिक्षक र शिक्षा प्रशासनका अधिकृतहरु सम्मिलित विज्ञ टोलीको गठन गरी शिक्षकहरुको पेसागत सहयोगको कार्यमा परिचालन गरिने छ।

४.२.४ प्रमुख उपलब्धि तथा नतिजा

(क)पर्याप्त मात्रामा सक्षम र पेशाप्रति अभिप्रेरित दक्ष र जिम्मेवार शिक्षकको व्यवस्था भई विद्यार्थीको सिकाइउपलब्धिमा सुधार भएको हुने ।

(ख) राष्ट्रिय शिक्षक सक्षमता कार्यढाँचाको आधारमा शिक्षक तयारी, छनौट र पेसागत सहयोग प्रणालीको विकास हुने ।

(ग) शिक्षक सक्षमता प्रारु.पको पुनरावलोकन भई शिक्षकको तयारी छनौट र पेसागत विकास भएको हुने ।

(घ) तहगत रुपमा शिक्षक वितरण र विषयगत रुपमा शिक्षक व्यवस्थापन र परिचालन भएको हुने ।

(ङ) सबै तहमा शिक्षकहरुको न्यूनतम शैक्षिक योग्यतामा पुनरावलोकन तथा सुधार भएको हुने र शत प्रतिशत शिक्षकहरु न्यूनतम योग्यता हासिल गरेको हुने ।

(च) शिक्षक र कर्मचारी प्रोत्साहित भएको हुने तथा जिम्मेवार र जवाफदेही भएको हुने ।

नतिजा तथा परिमाणात्मक लक्ष्य

क्र.सं.	सूचक	इकाइ	आधार वर्ष १	२०८१	२०८२	२०८	२०८४	२०८५	२०८६	२०९०
१	प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षामा कार्यरत तोकिएको योग्यता प्राप्त शिक्षक सहजकर्ताको संख्या	प्रतिशत	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००
२	आधारभूत तहमा कार्यरत तोकिएको योग्ता प्राप्त शिक्षक (%)	प्रतिशत	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००
३	माध्यमिक तह कक्षा ९-१२ मा कार्यरत न्यूनतम योग्यता तथा तालिम प्राप्त शिक्षक (%)	प्रतिशत	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००
४	सूचना प्रविधि सम्बन्धी न्यूनतम सक्षमता भएका शिक्षक (%)	प्रतिशत	१०	२५	३५	४५	५५	६५	७५	१००
५	शिक्षकको पेसागत सहयोग प्रणाली लागु भएका	प्रतिशत	०	०	१०	३०	५०	७०	८०	१००

	विद्यालय (%)									

४.२.५ प्रमुख क्रियाकलाप र परिमाणात्मक लक्ष्य

क्र.स	प्रमुख क्रियाकलाप	इकाइ	२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५	बाँकी अवधि	कसले
१	शिक्षक व्यवस्थापन र परिचालन तहगत रुपमा वितरण र पुनर्वितरण	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	पालिका
२	शिक्षक पेसागत सहयोग प्रणालीको विकास	पटक		१	१	१	१	५	पालिका
३	अन्तरविधालय सिकाइ आदानप्रादन भ्रमण	पटक		१		१		५	पालिका र विधालय
४	पालिकाले प्रअ र प्रअले शिक्षकहरु सँग करार सम्झौता	पटक		१	१	१	१	५	पालिका र विधालय
५	सिकाइ समूह वैठक/घुम्ती वैठक संचालन गर्ने	पटक		१	१	१	१	५	पालिका र विधालय
६	तहगत रुपमा उत्कृष्ट कार्य गर्ने शिक्षकलाइ प्रेत्साहन	वार्षिक	१	१	१	१	१	५	पालिका र विधालय
७	एक शिक्षक एक ल्याप्टप अवधारणा कार्यान्वयन	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	पालिका र शिक्षक विद्यालय

८	प्रधानाध्यापकलाई प्रअ भत्ता थप	जना	४१	४१	४१	४१	४१	४१	पालिका

४.३ शैक्षिक समता र समावेशीकरण

४.३.१ वर्तमान अवस्था

बालबालिकाहरुलाई कुनै पनि कारणबाट शिक्षाको पहुँच भन्दा बाहिर रहन दिनु हुन्न ।यसका लागि समता र समावेशीतालाई मुख्य मन्त्रका रुपमा लिएर बालबालिकाको पहुँच सुनिश्चित गर्नु पर्दछ । त्रिवेणी गाउँपालिका भित्रका शिक्षाको मूलधारमा आउन नसकेका बालबालिकाहरुलाई समावेशी, बालमैत्री, अपाङ्गमैत्री, लैङ्गिकमैत्री र विपतप्रतिरोधी सिकाइ वातावरणको निर्माण गरी समतामुलक पहुँच र गुणस्तरमा वृद्धि गर्नु आजको आवश्यकता हो । भौगोलिक, आर्थिक, सामाजिक, साँस्कृतिक , धार्मिक , शारीरिक, मानसिक तथा जातिय ढंगबाट उपेक्षित सबै वर्गलाई कुनै पनि कारणले शिक्षा बाट बञ्चित हुन नदिनका लागि समतामुलक तवरले शैक्षिक अवसर प्रदान गर्नु नै समतामुलक र समावेशी शिक्षा हो । हाल विकसित परिवेश सँगै सडक बालबालिका, विभिन्न कारणले अनाथ बालबालिका, घरेलु हिंसा पिडित, द्वन्द पिडित, सहिद परिवार, बेपत्ता घाइते , अपांङ्गता भएका बालबालिका तथा सामाजिक र आर्थिक रुपले पछाडि पारिएका बालबालिका सबैलाई शिक्षामा समता सहितको समावेशी सहभागिता सुनिश्चित गर्नु नै शैक्षिक समता र समावेशीता हो । विविधतालाई पहिचान दिनु, सम्मान गर्नु र व्यक्तिगत भिन्नताको कदर गरी विविधतालाई प्रोत्साहित गर्नु आवश्यक छ। बालबालिकामा भएका विभिन्नताले पहुँच, सहभागिता तथा नतिजामा फरक नपर्ने अवस्था सृजना गरी समता कायम गर्नु आवश्यक छ । समताले अवसरको समानता मात्र सिर्जना नगरी अवसर असमान हुनाका कारण पहिचान गरी तिनलाई समान बनाउन विशेष तथा थप प्रबन्ध गर्नु पर्दछ। सामाजिक न्याय स्थापित गर्न शिक्षामा सबैको पहुँच तथा सहभागिताको अधिकार सुनिश्चित गर्ने कार्य भएकाले महत्वपूर्ण र अत्यावश्यक छ।

नेपालमा विद्यालय शिक्षामा सबैको समतामुलक, र समावेशी पहुँचका लागि नीतिगत व्यवस्थाका साथै विभिन्न कार्यक्रमहरु. पनि सञ्चालित छन् । दिवा खाजा, पाठ्यपुस्तक सहित निःशुल्क शिक्षा, छात्रवृती र अपाङ्गता भएका बालबालिकाहरुलाई समतामुलक र समावेशी पहुँचका लागि योगदान गरेका छन् । विद्यालय तहमा महिला लगायत शिक्षक नियुक्तिको समावेशी व्यवस्था,, पाठ्यक्रममा लैङ्गिक लगायत सांस्कृतिक, धार्मिक, जातजातिय सम्वेदनशिलतालाई विचार गरी विविधताको सम्मान गर्ने प्रयास गरिएको छ।

त्रिवेणी गाउँपालिकामा समता र समावेशीतालाई प्राथमिकतामा राखेर कार्य गरिएको छ । विभिन्न कारणले पहुँच बाहिर रहेका बालबालिकालाई शैक्षिक सहायता मार्फत् पनि पहुँच अभिवृद्दि गर्ने गरिएको छ। त्रिवेणी गाउँपालिकामा भएका अपाङ्गता भएका बालबालिकाको लागि सहायताका प्रयासहरु भएका छन् । यद्यपी पालिकामा विशेष रुपमा सहायताको प्रबन्ध भने भएको छैन ।

यस त्रिवेणी गाउँपालिकामा आधारभूत र माध्यमिक तहको लैङ्गिक समता सूचक हेर्दा क्रमश ०.९२ र १.९०३ रहेको छ । समग्रमा पालिकामा लैङ्गिक समता सूचक ०.९५ रहेको छ ।समग्रमा गाउँपालिकामा ३२.९ प्रतिशत महिला शिक्षक रहेका छन् । महिला शिक्षकको उपस्थिति भने माथिल्लो तहमा न्यून रहेको छ । गाउँ शिक्षा समिति र विद्यालय व्यवस्थापन समितिमा महिलाको उपस्थिति करिब ३३ प्रतिशत भन्दा

माथि पुर्याउने कार्यलाई प्राथमिकतामा राखिएको छ। आधारभूत तहमा अध्ययन गर्ने सम्पूर्ण छात्राहरुलाई छात्रवृत्ति प्रदान गर्ने कार्यलाई निरन्तरता प्रदान गरिएको छ। लैङ्गिकमैत्री वातावरण निर्माण गर्न माध्यमिक विद्यालयहरु.मा छात्रा सुलभ शौचालय निर्माण गर्ने कार्यलाई जोड दिइएको छ। महिनावारी हुने सबै छात्राहरु.लाई स्यानेटरी प्याडको निःशुल्क वितरण गरी विद्यालयले व्यवस्थापन गर्ने कार्य शैक्षिक सत्र २०७७ देखि शुरु गरिएको छ। यसका साथै अपाशङ्गतामैत्री तथा अन्य हिसाबमा पनि सबैको पहुँच पुग्ने गरी शैक्षिक सेवाहरु प्रदान गर्ने कार्य गरिएको छ । छात्रामाथि हुन सक्ने दुर्व्यवहार, हिंसा, विभेद आदिजस्ता कार्यलाई रोक्नका लागि प्रत्येक विद्यालयमा लैङ्गिक सम्पर्क व्यक्ति तोकी गुनासो सुनुवाई संयन्त्रको निर्माण एवम् परिचालन गर्ने कार्यलाई अगाडि बढाउन आवश्यक देखिन्छ ।केही विधालयहरु विशेष गरी माध्यमिक तहमा लैङ्गिक सम्पर्क व्यक्ति रहेता पनि सबै तवरले सबैको पहुँच सुनिश्चित हुने गरी कार्य गर्न आवश्यक देखिन्छ ।हाल त्रिवेणी गाउँपालिकामा पूर्ण रुपमा विद्यालय बाहिर रहेका १७ जना बालबालिका रहेका छन् (किर्डार्क नेपाल २०८१) र उनीहरुलाई विद्यालय शिक्षामा समाहित गराउन नितान्त आवश्यक देखिन्छ। विद्यालय भित्र र विद्यालय बाहिर रहेका अपाङ्गता भएका बालबालिकाको सिकाई सहजीकरणका लागि सामग्रीहरु तथा सहायताको कार्य प्रभावकारी बनाउन आवश्यक देखिन्छ ।

४.३.२ उद्देश्य

शिक्षामा समतामुलक र समावेशी रुपमा पहुँच अभिवृद्दि गर्नका निमित्त निम्नानुसारको उद्देश्यहरु अवलम्बन गरिएको छ ।

(क) महिला, दलित, जनजाति, अपाङ्गता भएका, भौगोलिक कठिनाइमा रहेका, जोखिममा परेका, सामाजिक र आर्थिक रु.पले विपन्न, द्वन्द्व प्रभावित तथा सामाजिक तथा आर्थिक कारणले वञ्चितिमा परेका व्यक्तिहरु.लाई शिक्षामा पहुँच पुऱ्याउनु।

(ख) शिक्षण सिकाइ प्रक्रिया लगायत समस्त शैक्षिक प्रणालीमा विविधता, समता तथा समावेशिता अभिवृद्धि गरी विद्यालयलाई बालमैत्री, अपाङ्तामैत्री , लैङ्गिकमैत्री बनाउनु ।

(ग) विद्यालयमा कुनै पनि प्रकारको विभेद, हिंसा र दुर्व्यवहार नहुने वातावरणको सुनिश्चित गर्नु ।

४.३.३ रणनीति

शैक्षिक समता र समावेशीताका लागि माथि उल्लेखित उद्देश्यहरु पुरा गर्न निम्नुसारका रणनीतिहरु अवलम्बन गरिएको छ ।

(क) विद्यालय बाहिर रहेका तथा अपाङ्गता भएका बालबालिकाको लेखाजोखा गरी उनीहरुलाई समावेशी शिक्षाको प्रबन्ध मिलाउने ।

(ख) घरधुरी सर्वेक्षण गरी बालबालिकाको अवस्था र आवश्यकता पहिचान गरी सोअनुसार पहुँच र सहभागिताको प्रबन्ध मिलाइने ।

(ग) सबै तह र प्रकारका विद्यालयहरु.मा लैङ्गिक तथा अपाङ्गमैत्री भौतिक अवस्था तथा शैक्षिक वातावरणको विकास गरी विशेष लक्षित समूहका सबै बालबालिकाहरु.लाई विद्यालय शिक्षा उपलब्ध गराउने ।

(घ) सबै सामुदायिक आधारभूत विद्यालयहरुमा दिवा खाजा सहित स्वास्थ्य, पोषण, सरसफाइ तथा स्वच्छता सम्बन्धी सेवा तथा शिक्षाको प्रबन्ध तथा किशोरीहरु लक्षित महिनावारी स्वच्छता सम्बन्धी सेवा तथा शिक्षा प्रदान गरिनेछ ।

(ङ) आवश्यकतानुसार पोसाक, स्टेसनरी तथा सिकाइ सामग्रीका लागि छात्रवृत्ति, अपाङ्गता भएका बालबालिहरुका लागि आवश्यकताअनुसार सहायक सामग्री उपलब्ध गराइने ।

(च) सिकाइका क्रियाकलापहरु सहभागितात्मक बनाइ विद्यालयमा कुनै पनि किसिमको विभेद नहुने वातावरण सिर्जना गर्ने ।

(छ) समावेशी शिक्षा लागु गर्नको लागि शिक्षकहरुलाई आवश्यकता अनुसार विभिन्न तालिम प्रदान गरिने छ।

(ज) प्रत्येक विद्यालयमा गुनाशो सुनुवाई तथा सूचना अधिकारी तथा लैङ्गिक सम्पर्क व्यक्ति तोकि जवाफदेही बनाइने ।

४.३.४ प्रमुख उपलब्धि तथा नतिजा

(क) विद्यालय तहको शिक्षामा समता सहितको समावेशी लैङ्गिक तथा अपाङ्गमैत्री पहुँच कायम गरी सबैका लागि गुणस्तरीय समावेशी शिक्षा सुनिश्चित हुने ।

(ख) महिला, दलित, जनजाति, लोपोन्मुख समुदाय, अपाङ्गता भएका, कठिन भौगोलिक अवस्थामा रहेका, जोखिममा परेका, आर्थिक रु.पले विपन्न, द्वन्द्व प्रभावित तथा सामाजिक तथा आर्थिक कारणले वञ्चितिमा परेका सबै - बालबालिकाहरु.ले समावेशी शिक्षा प्राप्त गर्ने अवसर पाउने ।

(ग) विद्यालयमा कुनै पनि प्रकारको विभेद, हिंसा, दुर्व्यवहार र हेपाइरहित बालमैत्री , अपाङ्गमैत्री र लैङ्गिकमैत्री समता सहितको समावेशी वातावरण सिर्जना भएको हुने ।

नतिजा तथा परिमाणात्मक लक्ष्य

क्र.सं.	शिक्षामा समता र समावेशीकरण	आधार वर्ष २०८१	२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५	२०८६	२०९०
१	विद्यालय बाहिर रहेका बालवालिकाको प्रतिशत	१७	१७	०	०	०	०	०	०
२	लैङ्गिक समता सूचक (१ देखि ५)	०.९२	०.९२	०.९३	०.९४	०.९५	०.९६	०.९७	०.९८
	लैङ्गिक समता सूचक (६ देखि	०.९४	०.९४	०.९५	०.९५	०.९६	०.९६	०.९७	०.९८

	८)								
३	लैङ्गिक समता सूचक (९ देखि १०)	०.९६	०.९६	०.९७	०.९७	०.९८	०.९८	०.९९	०.९९
४	लैङ्गिक समता सूचक (११ देखि १२)	१.१०	१.१०	१.०८	१.०६	१.०४	१.०४	१.०२	१.००
५	लैंगिक, अपांग, बाल मैत्री संरचना भएका विधालय प्रतिशत	२०	३०	४०	५०	६०	७०	८०	९०
६	लैङ्गिक अपाङ्गता तथा बाल संरक्षण सम्पर्क व्यक्ति भएको विद्यालय प्रतिशत	२०	२०	५०	१००	१००	१००	१००	१००

४.३.५ प्रमुख क्रियाकलाप र परिमाणत्मक लक्ष्य

क.स	**मुख्य क्रियाकलाप**	**इकाइ**	**२०८१**	**२०८२**	**२०८३**	**२०८४**	**२०८५**	**बाँकी अवधि**	**जिम्मेबारी**
१	अपाङ्गता भएका तथा विभिन्न कारणले विधालय बाहिर रहेका बालबालिकाको पहिचान र तथ्याङ्क अद्यावधिक	पटक		१		१		२	पालिका वडा र विधालय
२	छात्रवृत्रि कार्यक्रम नियमित छात्रा र दलित	जना	निरन्तर						पालिका शिक्षा शाखा

३	अति विपन्न र लक्षित बालबालिकालाई शैक्षिक सामग्रीहरु सहायता	संख्या		२०	२०	२०	२०	१००	पालिका तथा अन्य सस्था
४	विद्यालयमा लैङ्गिक तथा समावेशी फोकल शिक्षकको व्यवस्था र क्षमता विकास	विद्यालय		१०	१०	१०	११	निर्नतर	पालिका शिक्षा शाखा
५	अपाङ्गता भएका बालबालिकाको लागि शैक्षिक सामग्री सहयोग	पटक		१	१	१	१	५	पालिका तथा अन्य सस्था
६	समावेशी तथा समता शिक्षा र क्षमता विकास तालिम र अभिमुखीकरण	पटक		१	१	१	१	५	पालिका तथा अन्य सस्था

४.४ विद्यालय पोषण तथा स्वास्थ्य कार्यक्रम

४.४.१ वर्तमान अवस्था

विद्यालय पोषण तथा स्वास्थ्य कार्यक्रम विद्यालय शिक्षा संग प्रत्यक्ष रुपमा जोडिएको हुन्छ । पोषण तथा स्वास्थ्य प्रभावकारी भएमा बालबालिकाको सिकाइ पनि राम्रो हुन्छ । बालबालिकाको सर्वाङ्गिण विकास तथा सिकाइसँग उनीहरुको स्वास्थ्य तथा पोषणको अवस्थाको प्रत्यक्ष सम्बन्ध हुने भएकाले पनि यस विषयमा ध्यान पुर्याउन आवश्यक हुन्छ । स्वास्थ्य तथा पोषणको राम्रो अवस्थाले बालबालिकाको बौद्धिक, मानसिक, सामाजिक र शारीरिक विकास भई सिकाइ उपलब्धिमा सुधार गर्न प्रोत्साहित गर्दछ । बालबालिकाहरुमा सरसफाइको कमी, सन्तुलित आहार नहुनु ,पोषणयुक्त खानाको कमी जस्ता विभिन्न कारणले उनीहरुमा रोगहरु उत्पन्न हुँदा बालबालिकाहरु विद्यालयमा नियमित नहुँदा उनीहरुको शैक्षिक वातावरणमा नकरात्मक प्रभाव परेको छ । साथसाथै मानसिक समस्याहरु देखिन्छन। पोषणका साथ साथै सरसफाइ तथा स्वच्छता अतिनै आवश्यक हुन्छ । व्यक्तिगत सरसफाइ, घरायसी सरसफाइ, विद्यालयको सरसफाइ, वातावरणीय सरसफाइले बालबालिकाको स्वस्थ जीवनमा सहयोग पुर्याउँदछ । विद्यालयमा हुने दिवा खाजा, स्वच्छ खानेपानी, महिनावारी स्वच्छता व्यवस्थापन तथा बालबालिकाको स्वास्थ्य जाँच, खोप लगायतका कार्यक्रमहरु पोषण र स्वास्थ्य अन्तर्गत पर्दछन् । कक्षा ६ देखि १२ सम्म अध्ययनरत छात्राका लागि महिनावारी स्वच्छता व्यवस्थापन तथा निःशुल्क सेनिटरी प्याड वितरण कार्यक्रम तथा केही विद्यालयहरुमा इन्सिनिरेटरको व्यवस्थापन र प्रयोगले सरसफाइमा सहायता गर्दै आएको छ ।

सरसफाइ तथा स्वच्छता गुरुयोजना २०११, विद्यालय स्वास्थ्य र पोषण रणनीति २००६, विद्यालय क्षेत्र विकास कार्यक्रम सन २०१६ देखि २०२३, बालमैत्री विद्यालय फ्रेमवर्क लगायतका नीति, पूर्ण सरसफाइ निर्देशिका लगायतले स्पष्ट रुपमा विद्यालयको खानेपानी तथा सरसफाइ एवं पोषणको बारेमा दिशानिर्देशन गरेका छन् र सोही अनुसार विद्यालयमा यस्ता गतिविधिहरु प्रभावकारी रुपमा कार्यान्वयन गर्नु पर्दछ ।विद्यालयमा छात्र र छात्राका लागि युरिनल सहितका फरकफरक शौचालय, शौचालयमा नियमित पानी, नियमित सरसफाइ, सहज हात धुने व्यवस्था, स्वच्छ खानेपानी र सरसफाइ न्यूनतम रुपमा हुनुपर्ने र सोही बमोजिम विद्यालयलमा कार्यान्वयन हुनुपर्ने व्यवस्थाको उल्लेख गरेको छ । विद्यालयमा पानी, शौचालय, वातावरणीय सरसफाइ, सफा र हरियाली वातावरण, स्वच्छता सुविधा, स्वच्छता शिक्षा, महिनावारी स्वच्छता व्यवस्थापन सुविधा, लगायतको व्यवस्थापनले विद्यालयको पोषण तथा सरसफाइमा मदत पुर्याएको छ ।बालबालिकाहरुको नियमित रुपमा स्वास्थ्य परीक्षण, नियमित खोप, भिटामिन ए, आइरन चक्की तथा सुक्ष्म पोषक तत्वहरुको वितरण जस्ता कार्यहरु समुदाय तथा विद्यालयमा नियमित हुनुपर्दछ र केही हद सम्म भने यस्ता कार्यहरु भएका छन् । सबै बालबालिकालाई खोप पूर्ण भएको सुनिश्चित गरिएको छ । एक वटा विद्यालयमा विधार्थी बचत कार्यक्रमहरु पनि सञ्चालन भएको छ । उल्लिखत क्रियाकलापहरुमा लगानी गर्न सकिन्छ ।

त्रिवेणी गाउँपालिकामा रहेका ४१ वटा सामुदायिक विधालयहरुमा रहेका प्रारम्भिक बालबिकास कक्षा देखि कक्षा ५ सम्म रहेका सबै बालबालिकाका लागि दिवा खाजा कार्यक्रम संञ्चालन गरिएको छ । दिवा खाजा अन्तर्गत विद्यालयले मेनु निर्माण गरी पत्रु (जङ्ग फुड) खाजा निरुत्साहित गर्नलागि स्थानीय स्तरमा उत्पादन भएका अर्गानीक खाजा खुवाउने व्यवस्था गरेको छ । अझै केही विद्यालयहरुले पत्रु (जङ्ग फुड) खाजा खुवाउने गरेकाले पालिकाले स्थानीय परिवेश अनुसारको खाजा मेनु तयार गरी कार्यान्वयन गर्न आवश्यक छ । कक्षा ६ भन्दा माथि अध्ययन गर्ने छात्राका लागि महिनावारी स्वच्छता व्यवस्थापनका लागि निःशुल्क सेनिटरी प्याड वितरण कार्यक्रमलाई प्रभावकारी बनाउदै लगिएको छ। सामुदायिक तथा सस्थागत विद्यालयहरुका सम्पूर्ण किशोरीका लागि निःशुल्क आइरन चक्की प्रदान गर्ने कार्य सञ्चालन हुँदै आएको छ। सबै विद्यालयमा प्राथमिक उपचार किडको व्यवस्थापन गर्नुपर्ने देखिन्छ । गाउँपालिका अन्तर्गत रहेका ४१ वटा सामुदायिक विद्यालयहरुमध्ये ११ माध्यामिक विद्यालय मध्य हालसम्म कुनैपनि माध्यमिक विद्यालयमा विद्यालय नर्स कार्यक्रम सञ्चालनन गर्न सकिएको छैन । विद्यालयमा नर्स कार्यक्रम सञ्चालन गर्नुपर्ने देखिएको छ । गरिएको र सो कार्यक्रमलाई प्रभावकारी बनाउने प्रयास थालिएको छ ।विद्यालय सरसफाइ अन्तरगत कक्षाकोठाको सरसफाइ, विद्यालयको वातावरणीय सरसफाइ, स्वच्छ खानेपानीका लागि फिल्टरको व्यवस्था लगायतका कार्य गर्नुपर्दछ । विद्यालय स्वास्थ्य अन्तरगत सबै विद्यालयमा प्राथमिक उपचार किटको वितरण, नियमित स्वास्थ्य चेकजाँच, विद्यालयमा पोषणका साथै माध्यमिक तहका सबै विद्यालयमा पोषणको महत्व दिने तथा व्यवहार परिवर्तन गर्ने, मानसिक स्वास्थ्य, लागु औषध सम्बन्धी सचेतनामुलक कार्यक्रमहरु नियमित रुपमा सञ्चालन गर्नु पर्ने देखिन्छ ।

४.४.२ उद्देश्य

बालबालिकाको पोषण र स्वास्थ्य अवस्थामा सुधार गरी बालबालिकाको शिक्षण सिकाइमा सुधार ल्याउनका लागि निम्नानुसारका उद्देश्यहरु अवलम्बन गरिएको छ ।

क) बालबालिकालाई स्वस्थ्य एवं पोषणयुक्त तथा रैथाने पौष्टिक खानाप्राप्तिको सुनिश्चितता गर्नु।

ख) विद्यालयमा बालबालिकाको स्वास्थ्य पोषण र सरसफाइ तथा स्वच्छताको सेवामा सुधार गर्नु ।

ग) विद्यालयमा अध्ययन गर्ने बालबालिकाहरु.को स्वास्थ्य पोषण र सरसफाइ तथा स्वच्छतासम्बन्धी सकारात्मक व्यवहारलाई प्रोत्साहन गर्नु र सिकाइ उपलब्धिमा सुधार गर्नु ।

४.४.३ रणनीति

विद्यालय पोषण र स्वास्थ्य कार्य प्रभावकारी बनाउनका लागि माथि उल्लेखित उद्देश्यहरु हासिल गर्न निम्नानुसारको रणनीतिहरु अवलम्बन गरिएको छ ।

(क) बालबालिकाको लागि विद्यालयमा नै पोषिलो र ताजा खाजा तयार गर्नका साथै खाजा भान्सा तथा भण्डार, भान्सामा प्रयोग हुने आवश्यक भाँडावर्तन र अन्य सामग्रीहरु. तथा समूहमा हात धुने लगायतका सुविधा विस्तार गरिने छ ।यस कार्यमा अभिभावकको संलग्नतामा पनि जोड दिइनेछ ।

(ख) दिवा खाजा कार्यक्रमलाई क्रमशः विस्तार गर्दै अभिभावकको संलग्नतामा माध्यमिक तहसम्मका विद्यार्थीका लागि खाजाको प्रबन्ध गरिने छ ।

(ग) स्थानीय तहले पालिकाका सबै विद्यालयका लागि हुने गरी स्थानीय स्तरको स्टान्डर्ड मेनु तयार गरी कार्यान्वयन गर्ने ।

(घ) विद्यालयमा विद्यार्थी सङ्ख्याको अनुपातमा पर्याप्त पानी, साबुन तथा सफाइ सामग्रीसहित आवश्यक सङ्ख्यामा छात्र र छात्राका लागि अलग अलग शौचालय तथा युरिनल, किशोरिहरु.का लागि चेन्ज रुम, प्रयोग भइसकेका सामग्री व्यवस्थापन, स्वच्छ खानेपानी, कक्षाकोठा तथा विद्यालय परिसर सरसफाइको प्रबन्ध र घेराबारको व्यवस्था गरिनेछ साथै प्रयोग गरिएका स्यानीटरी प्याड व्यवस्थापनका लागि रातो बाल्टी तथा इन्सिनरेटरको व्यवस्थापन गरिनेछ ।

(ङ) विद्यालयहरु.मा नियमित प्राथमिक उपचार किट वितरण, बालबालिकाहरु.को आवधिक स्वास्थ्य जाँच, जुकाको औषधी तथा सूक्ष्म पोषक तत्त्व प्रदायक ट्याबलेटहरु. (भिटामिन ए र आइरन फोलिक एसिड आदि) को वितरण र किशोरीहरु.को महिनावारी स्वच्छताको लागि स्यानिटरी प्याड वितरणलाई स्वास्थ्य क्षेत्रको सहकार्यमा नियमित र प्रभावकारी बनाईनेछ।

(च) विद्यालयमा स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, सफाइ तथा स्वच्छता, किशोरीहरु.का लागि महिनावारी स्वच्छता र पोषणसम्बन्धी शिक्षा प्रदान गर्न स्वास्थ्य र कृषि क्षेत्रसँग समन्वय र सहयोगमा संयुक्त कार्य योजना निर्माण गरी कार्यान्वयन गरिने छ।

(छ) मानसिक स्वास्थ्यमा सुधारका लागि बालबालिकालाई मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा तथा मनेसामाजिक परामर्शको व्यवस्था गरिनेछ ।

(ज) दिवा खाजालगायत स्वास्थ्य, पोषण तथा सरसफाइ र स्वच्छतासम्बन्धी कार्यक्रमको अनुगमन तथा मूल्याङ्कन साधन,संयन्त्र र प्रक्रियामा पुनरावलोकन गरी प्रभावकारी बनाइने छ।

(झ) माध्यमिक तहका सबै विद्यालयहरुमा विद्यालय नर्स कार्यक्रम लागु गरिने छ र अन्य विद्यालयहरुमा परिचालन गरिनेछ।

(ञ) अभिभावकको संलग्नतामा माध्यमिक तहसम्मका विद्यार्थीका लागि स्थानीय पोषणयुक्त खाजाको प्रबन्ध गराउन प्रोत्साहन गरिने छ साथै शिक्षक र कर्मचारीका लागि पनि विद्यार्थी सरह खाजाको व्यवस्था गरिनेछ ।

(ट) दिवा खाजा खुवाउने वर्तमान अवस्थामा सुधार गर्दै जाने क्रममा रकम थप गरी पुग्दो मात्रामा उपलब्ध गराउने ।

४.४.४ प्रमुख उपलब्धि तथा नतिजा

(क) विद्यालयमा अध्ययन गर्ने सबै बालबालिकाको स्वास्थ्य तथा पोषणको अवस्थामा सुधार भएर सुरक्षित तथा रमाइलो सिकाइ वातावरणमा पूर्ण पहुँच तथा सहभागिता भएको हुनेछ ।

(ख) दिवा खाजालगायत स्वास्थ्य तथा पोषण तीनै तह र अन्य क्षेत्रसमेतको लागत साझेदारीमा व्यवस्थापन हुने गरी कानुनी मान्यता सहितको नियामक ढाँचा र कार्यान्वयनका लागि आवश्यक मापदण्ड र कार्यविधि तयार हुने,

(ग) सबै बालबालिकाहरुले पोषणयुक्त दिवा खाजा प्राप्त गरेको हुनेछन् र सबै बालबालिकाहरु.ले स्वस्थकर, पौष्टिक र स्थानीय उत्पादनमा आधारित दिवा खाजा स्थानीय तह मार्फत् विद्यालयबाट प्राप्त हुने र जंक फुडलाई पूर्णरुपमा निरुत्साहित गरिएको हुनेछ ।

(घ) सामुदायिक माध्यमिक विद्यालय र सस्थागत विद्यालयका सबै कक्षाका विद्यार्थीहरुलाई अभिभावकको सहभागितामा दिवा खाजा वा खाना प्राप्त हुने,

(ङ) विद्यालयमा विद्यार्थी सङ्ख्याको अनुपातमा पर्याप्त पानी, साबुन तथा सफाइ सामग्रीसहित आवश्यक सङ्ख्यामा छात्र र छात्राका लागि अलग अलग शौचालय तथा युरिनल, किशोरीहरुका लागि चेन्ज रुम, प्रयोग भइसकेका सामग्री व्यवस्थापन, हात धुने ठाउँ, स्वच्छ खानेपानी, कक्षाकोठा तथा विद्यालय परिसर सरसफाइको प्रबन्ध र घेराबारको व्यवस्था हुने,

(च) विद्यालयमा विद्यार्थीलाई स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, सफाइ तथा स्वच्छता, किशोरीहरु.का लागि महिनावारी स्वच्छता र पोषणसम्बन्धी आधारभूत शिक्षा प्राप्त हुने,

(छ) विद्यार्थी र विद्यालयको अगुवाइमा स्मार्ट विद्यालय कार्यक्रम लागु गरी पूर्ण सरसफाइका सूचकहरु पूरा हुने।

(ज) सबै बालबालिकाहरुले पूर्ण रुपमा खोप प्राप्त गरेका हुनेछन् र सबै बालबालिकाको न्यूनतम स्वास्थ्य चेक जाँच भएको हुनेछ ।

(झ) सबै माध्यमिक विद्यालयहरुमा विद्यालय नर्सको व्यवस्था भएको हुनेछ र अन्य विधालयमा परिचालित भएका हुनेछन्।

(ञ) विद्यालयहरुमा प्राथमिक उपचार किट वितरण तथा प्रतिस्थापन, बालबालिकाहरुको स्वास्थ्य जाँच, जुकाको औषधि, आईरन चक्की तथा किशोरीहरु.को मासिक महिनावारीमा स्यानिटरी प्याड वितरण र डिस्पोजेबल इन्सिनरेटरको व्यवस्था भएको हुने,

नतिजा तथा परिमाणात्मक लक्ष्य

क्र.सं.	सूचक	आधार वर्ष २०८१	२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५	२०८६	२०९०
१	५ वर्ष मुनिका भर्ना भएका बालवालिका मध्ये आवश्यक खोप प्राप्त गरेका बालबालिका	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००
२	पत्रु खाजा प्रतिवन्ध	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००
३	वार्षिकरुपमा विद्यार्थीको नियमित स्वास्थ्य नियमित स्वास्थ्य परीक्षण गर्ने विद्यालयको प्रतिशत	४०	५०	७०	१००				
४	प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाको पहुँच पुगेका विद्यालय सङ्ख्या	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००
५	नर्सिङ् सेवा तथा सुविधा पुगेका विद्यालय सङ्ख्या	०		३	६	११			

४.४.५प्रमुख क्रियाकलापहरु र लक्ष्य

क्र.स	मुख्य क्रियाकलाप हरु	इकाइ	२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५	बाँकी अवधि	जिम्मेबारी
१	प्रारम्भिक बालविकास कक्षा १ मा भर्ना भएका बालवालिका लाई खोप तथा सुक्ष्म	विद्यालय	४१	४१	४१	४१	४१	४१	स्थानीय तह स्वास्थ्य शाखा

	पोषक तत्व वितरण								
२	स्वस्थकर दिवा खाजाको व्यवस्था	जना	३१११	३१५०	३२००	३२५०	३३००	११०० ०	स्थानीय तह विद्यालय
३	वार्षिकरुपमा विद्यार्थीको नियमित स्वास्थ्य परीक्षण	विद्या लय	४१	४१	४१	४१	४१	४१	विद्यालय स्वास्थ्य शाखा
४	प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाको पहुँच पुर्याउने	विद्या लय	४१	४१	४१	४१	४१	४१	पालिका र स्वास्थ्य शाखा
५	विद्यालय नर्सको व्यवस्था	विद्या लय	०	३	३	५	निरन्तर	निरन्तर	विद्यालय स्वास्थ्य शाखा संघ
६	फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि डम्पिङ पिट निर्माण, प्रयोग गरेको स्यानीटरी प्याड व्यवस्थापनका लागि रातो बाल्टी, इन्सिनरेटर	विद्या लय	०	११	१९	११		नियमित	विद्यालय र पालिका
७	स्यानीटरी प्याड वितरण तथा व्यवस्थापन	विद्या लय	३०	३०	३०	३०	३०	३०	शिक्षा शाखा
८	सरसफाइमा उत्कृष्ट कार्य गर्ने विद्यालयलाई	विद्या लय		१	१	१	१	५	पालिका

	पुरस्कृत गरिने								
११	विद्यालयलाई प्राथमिक उपचारको किट प्रदान तथा प्रतिस्थापन	विद्यालय		११	१९	११		नियमित	पालिकाऽ र स्वास्थ्य शाखा
१२	मानसिक स्वास्थ्य तथा लागुऔसध सम्बन्धी सचेतनामुलक कार्यक्रम	पटक		१		१		२	पालिका र स्वास्थ्य शाखा
१३	विद्यालयलाईसरस फाई र पोषण सम्बन्धी क्षमता विकास कार्यक्रम	पटक		१	१	१	१	५	पालिका र स्वास्थ्य शाखा

४.५ विद्यालय सुरक्षा, विपत् तथा उत्थानशीलता

४.५.१. वर्तमान अवस्था

विद्यालयलाई विभिन्न किसिमले सुरक्षित राख्ने र विपत् को समयमा समेत विपततबाट उठ्ने विभिन्न प्रयास थाली बालबालिकाको सिकाइ निरन्तरताका लागि कार्य गर्नु आवश्यक हुन्छ ।विद्यालय शान्ति क्षेत्र राष्ट्रिय कार्यढाँचा र कार्यान्वयन निर्देशिका २०६८ ले विद्यालयलाई सशस्त्र गतिविधि र हिंसाबाट मुक्त गर्ने, दलगत राजनीतिक हस्तक्षेपबाट मुक्त राख्ने , भेदभाव दुर्व्यवहार र शोसनबाट मुक्त राख्ने कुरा उल्लेख गरिएको छ ।बालबालिकाहरुको सिकाइ प्रभावकारी बनाउनका लागि बालबालिका सुरक्षित हुन अति आवश्यक हुन्छ ।विद्यालय शिक्षामा विभिन्न कारणले सिकाइ गतिविधिहरु निरन्तर हुन नसकेको अवस्था हुन्छ । विशेष गरी कोभिड १९ पश्चात भोगेको समस्या र शैक्षिक क्षतिलाई न्यूनीकरण गर्न वैकल्पिक माध्यमबाट शिक्षण सिकाइ गर्न विभिन्न नीतिगत कार्यक्रहरु हुँदै आएका छन् । जसमध्ये सिकाइ सहजीकरण निर्देशिका २०७७, विद्यालय शिक्षा सम्बन्धी आकस्मिक कार्ययोजना २०७७, विद्यालय सञ्चालन कार्यढाँचा, पाठ्यवस्तु समायोजन ढाँचा २०७७, ले विपद्को समयमा शैक्षिक गतिविधिहरु कसरी बढाउन सकिन्छ भन्ने विषयहरु उल्लेख गरेका छन् । युद्ध, द्वन्द्व महामारी तथा प्राकृतिक प्रकोपको अवस्थामा पनि बालबालिकाको सिक्न पाउने अधिकारलाई संरक्षण गर्दै सिकाइलाई निरन्तरता दिने वैकल्पिक उपाय सहितका शैक्षिक कार्यक्रमलाई आपतकालीन तथा संकटपूर्ण अवस्थामा शिक्षाको रुपमा लिने गरीन्छ । विभिन्न कारणले उत्पन्न संकटकालीन अवस्थामा बालबालिका लगायत सम्वद्ध व्यक्तिहरुको जीवन रक्षा, प्रकोपबाट सिर्जित संकटको व्यवस्थापन, सामाजिक द्वन्द

तथा हिंशा र दुरुपयोगबाट बालबालिकालाई सुरक्षित राख्नुका साथै समग्र शिक्षा क्षेत्रलाई निर्वाद रुपमा क्रियाशिल हुने गरी शैक्षिक कार्यक्रमहरुको तयारी तथा सञ्चालन गर्नु हो । आपतकालीन तथा संकटपूर्ण अवस्थामा शिक्षाको अवधारण बाल अधिकारको रुपमा स्वीकार गरिएको छ । यसमा प्राकृतिक प्रकोप जोखिम न्यूनीकरण, महामारी, युद्ध, द्वन्द्व व्यवस्थापन आदि कुराहरु समावेश गरीन्छ

विपद्को समयमा शैक्षिक गतिविधिहरु कसरी निरन्तर बनाउन सकिन्छ भन्ने विषयमा त्रिवेणी गाउँपालिकाले पनि विशेष महत्वको रुपमा लिएको छ । गाउँपालिकामा शिक्षा समूह गठन भएको छ र शिक्षा समूहले विपत् शिक्षा योजना निर्माण थालेको छ । त्रिवेणी गाउँपालिकामा विशेष गरी हावाहुरी, बाढी तथा पहिरोको जोखिम र विभिन्न समयमा अन्य भाइरल लगायतका रोगहरुले बालबालिकाको पठनपाठनमा समस्या निम्ताएको हुन्छ । यस्तो अवस्थामा बालबालिकाको पढाइलाई निरन्तरताका लागि विद्यालय सुधार योजना मार्फत् विभिन्न किसिमका सिकाइ क्षति आपुरणका कार्यहरु राखिएका छन् । विपतको समयमा विद्यालयमा हुने भौतिक तथा शैक्षिक क्षति न्यूनीकरणका लागि गाउँपालिकाले आपतकालीन सहयोगको योजनाहरु बनाएको र सोही अनुसार कार्य गर्ने गरी योजना निर्माण गरेको छ ।यस गाउँपालिकामा रहेका अधिकांश विद्यालय भवनहरु भूकम्प प्रतिरोधी रहेका छन् । यद्यपि विपत् सचेतना र तयारीका कार्य भने न्यून रुपमा हुने गरेको देखिन्छ । त्रिवेणी गाउँपलिकाले कोभिड १९ को महामारीको अवस्थामा शिक्षण सिकाइलाई टोल सिकाइ, भर्चुअल कक्षा तथा रेडियो मार्फत् कक्षाहरु सञ्चालन गरेको थियो । हरित विधालय अवधारणा लिएको भएतापनि विद्यालयहरु हरित र सुरक्षित अवस्थामा लिन आवश्यक देखिन्छ । विपतको समयमा भर्चुअल कक्षाहरु सञ्चालन तथा टोल सिकाइका अनुभव हासिल गरेकाले अबका दिनमा यस्ता विपद्का घटना भएमा भर्चुअल माध्यमबाट निरन्तर सिकाइका अभ्यासहरु गर्न सकिन्छ । विधालयमा विपत् व्यवस्थापन सम्बन्धी तालिम र क्षमता विकास प्राप्त शिक्षक नहुनु चुनौतीका रुपमा रहको छ । आपतकालीन अवस्थामा लागु गरिने पाठ्यवस्तु, छुट्टै योजना बनाउने कि योजनाको हरेक अंगमा यसलाई समावेश गर्ने, योजना तत्कालीन बनाउने कि दीर्घकालीन, योजनामा संकटका कुनकुन पक्षलाई समावेश गर्ने, अनुमान गर्न नसकिने, घटनालाई योजनामा कसरी समेट्ने आदि यसका चुनौतीहरु रहेका छन् ।

४.५.२ उद्देश्य

विद्यालय सुरक्षा र विपद्को समयमा बालबालिकाको सिकाइ सहजीकरणलाई प्रभावकारी रुपमा कार्यान्वयन गर्नका लागि निम्नानुसारका उद्देश्यहरु तय गरिएको छ ।

(क) औपचारिक तथा अनौपचारिक शिक्षाको माध्यमबाट सम्भावित विपद्को पूर्व सावधानी र तयारीको वातावरण तयार गर्नु र विपतको समयमा समेत सिकाइ निरन्तरता प्रदान गर्नु।

(ख) सम्भावित विपद्को व्यवस्थापन तथा उत्थानशीलता प्रणाली विकासको लागि भौतिक, मानवीय तथा आर्थिक स्रोतको तयारी गर्नु ।

(ग) विपत् व्यवस्थापन प्रतिकार्यको संयन्त्र र कार्यढाँचा विकास गर्ने र पूर्व तयारीका लागि आधार तय गर्नु।

(घ) विपतबाट बालबालिकामा पर्ने शैक्षिक असर न्यूनीकरण गरी उनीहरुको सिकाइ निरन्तरता दिनु तथा विपद्का समयमा हुने शैक्षिक क्षति न्युनीकरणका लागि क्षमता विकास र परिचालन गर्नु साथै अल्पकालीन र दीर्घकालीन पुनर्स्थापना गर्नु ।

४.५.३ रणनीति

विपत् उत्थानशीलताका लागि माथि उल्लेखित उद्देश्यहरु हासिल गर्नका लागि निम्नानुसारका रणनीतिहरु अवलम्बन गरिएको छ ।

(क) विपद्को समयमा शिक्षण सिकाइका गतिविधिहरुलाई निरन्तरता दिन पूर्वतयारी, व्यवस्थापन, प्रतिकार्य र पूर्नस्थापना सम्बन्धी आवश्यक नीति, मार्गदर्शन तथा कार्यविधिहरु. तयार गरी कार्यान्वयन गर्ने।

(ख) सम्भावित प्रकोप तथा विपत् सम्बन्धी पूर्वसावधानी, प्रकोपबाट बच्ने उपायहरु.को बारेमा जानकारी तथा सिप विकास गर्ने ।

(ग) महामारीका समयमा शिक्षण सिकाइलाई निरन्तरता दिन वैकल्पिक उपायहरुको खोजी र प्रयोग गर्ने ।

(घ) सम्पूर्ण विद्यालयहरुको विपत जोखिमको अवस्था मूल्याङ्कन गर्ने र प्राथमिकिकरण गर्ने साथै विद्यालयमा विपत् प्रतिकार्य योजना निर्माण गरी कार्यान्वयन गर्ने।

(ङ) गाउँपालिकामा रहेको शिक्षा समूहको प्रभावकारी परिचालन गर्ने र विपतको प्रतिकार्यका लागि आवश्यक सीप, ज्ञान र स्रोत तयारी गरिने ।

(च) गाउँपालिकामा विद्यालय शिक्षाका लागि विपत् सुरक्षा डेस्क स्थापना गरी विद्यालय तहमा पनि कार्यान्वयन गर्ने ।

(छ) शिक्षा क्षेत्रमा प्रभाव पार्न सक्ने विपत् वा संकटहरुको पूर्वानुमान तथा त्यसको प्रभावको मूल्याङ्कन तथा विश्लेषण गर्ने तथा संकटासन्नताको मूल्याङ्कनका आधारमा पूर्वानुमान तथा प्रतिकार्यको वृहत योजना तयार गर्ने ।

(ज) विद्यालय भौतिक पूर्वाधार सम्बन्धी मापदण्ड २०८० को प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्ने र प्रभावकारी अनुगमन प्रणालीको विकास गर्ने ।

(झ) हरित विद्यालय अभियान, जलवायु परिवर्तन, शिक्षा तथा दिगो विकासका निम्ति शिक्षा जस्ता कार्यक्रमहरु कार्यान्वयन गर्ने जसमा एक विधालय एक बँगैचा र एक विद्यार्थी एक बिरुवा नीति अवलम्बन गर्ने ।

(ञ) विपत् तथा प्रकोप र शान्ति सुरक्षा र अधिकारको क्षेत्रमा काम गर्ने सरकारी तथा अर्धसरकारी निकायहरु बिच वडा तहसम्म समन्वय र जिम्मेवारीको संयन्त्र बनाउने ।

४.५.४ प्रमुख उपलब्धि तथा नतिजा

उपलब्धि तथा नतिजा

(क) विपत् व्यवस्थापनका लागि गाउँपालिकामा भएका शिक्षा समूहको प्रभावकारी परिचालन तथा विपत् शिक्षा योजना निर्माण भै कार्यान्वयन भएको र विभिन्न विपत् प्रतिकार्य सयन्त्रहरु निर्माण र क्षमतावान भएको हुनेछन्।

(ख) सम्भावित विपतको व्यवस्थापन तथा उत्थानशीलता प्रणाली विकासका लागि भौतिक , मानवीय तथा आर्थिक स्रोतको व्यवस्थापन भएको हुने ।

(ग) आपतकालीन अवस्थामा वैकल्पिक सिकाइका विधिहरुको प्रयोग भै बालबालिकाको सिकाइ सहजीकरण नियमित भएको हुनेछ ।

(घ) सबै विद्यालयले हरित र सुरक्षित विद्यालयको नीति अवल्मबन गरी कार्यान्वयन गरेका हुनेछन् ।

नतिजा तथा परिमाणात्मक लक्ष्य

क्र.सं.	सूचक	आधार वर्ष २०८१	२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५	२०८६	२०९०
१	बालवालिकालाई आधारभूत जीवन- सिप सहित कोभिड जस्ता महामारी तथा जोखिम न्यूनीकरण सम्बन्धी अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने विद्यालय सङ्ख्या	०	०	४१					
२	हरित विद्यालय सङ्ख्या	०		१०	२०	३०	४१		
३	जलवायु परिवर्तन तथा दिगो विकासका निम्ति शिक्षा जस्ता कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्ने विद्यालय सङ्ख्या	०	०	१०	२०	३०	४१		
४	विपत् प्रतिकार्य योजना निर्माण गर्ने विद्यालय संख्या	०	०	११	३०	४१			
५	गाउँपालिकामा विपत् शिक्षा योजना निर्माण	०	१						

४.५.५ प्रमुख क्रियाकलाप र परिमाणात्मक लक्ष्य

क्र.स	मुख्य क्रियाकलाप	परिमाण	२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५	बाँकी अवधि	जिम्मेबारी
१	विपत् तथा प्रकोप व्यवस्थापन नीति तथा मापदण्ड पुनरावलोकन तथा विपद शिक्षा योजना निर्माण	पटक		१				पुनरावलोकन	पालिका
२	विपत् तथा प्रकोप स्थानीय तह र विद्यालयको क्षमता विकास तालिम र अभिमुखीकरण	पटक		१	१	१	१	५	पालिका र सरोकारवाला
३	विद्यालयमा विपत् प्रतिकार्य योजना निर्माण र कार्यान्वयन	विद्यालय		११	१९	११		परिमार्जन	पालिका र विद्यालय
४	विपत् पूर्वतयारी, प्रतिकार्य, पुनर्स्थापन तथा उत्थानशीलताका लागि सचेतना शिक्षक तथा विव्यस तालिम	पटक		१	१	१	१	५	पालिका र विद्यालय
५	हरित विद्यालय अवधारणाको कार्यान्वयन	विद्यालय		१०	१०	१०	११	निरन्तर	पालिका र विद्यालय
६	विपत् मा शैक्षिक क्रियाकलाप सञ्चालनका लागि सिकाइ सहजीकरणका सामग्रीको तयारी र व्यवस्थापन	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	पालिका र विद्यालय
७	विपत् प्रतिकार्यका लागि सिकाइ सामग्री तयारी	पटक		१	१	१	१	५	पालिका

४.६ विद्यालय भौतिक पूर्वाधार विकास

४.६.१ वर्तमान अवस्था

शैक्षिक वातावरण निर्माणमा भौतिक वातावरणको भूमिका महत्वपूर्ण हुन्छ । सबैको पहुँच सुनिश्चित हुने गरी सुरक्षित भौतिक वातावरण निर्माण गर्नु पर्दछ । बालबालिकालाई विद्यालयमा पहुँच अभिवृद्दि गर्न तथा भर्ना हुनका लागि सुरक्षित विद्यालय, पढ्नका लागि कक्षाकोठा, खेल्नका लागि खेलमैदान, शौचका लागि शौचालय, सफाइ र पिउनका लागि खानेपानी जस्ता भौतिक पूर्वाधार विद्यालयका आधारभूत संरचना हुन्। विद्यार्थीका लागि सुविधाजनक रु.पमा पठनपाठनमा सहभागी बन्न प्रारम्भिक बालविकास तथा आधारभूत तहका प्रारम्भिक कक्षाका लागि प्रति विद्यार्थी ०.७५ वर्ग मिटर र उच्च आधारभूत तह तथा माध्यमिक तहका लागि प्रति विद्यार्थी १.०० वर्गमिटर बराबरको क्षेत्रफलको मापदण्ड शिक्षा नियमावली २०५९ को नियममा तोकिएको छ। राष्ट्रिय शिक्षा नीति, २०७६ मा विद्यालयहरु.मा भवन, कक्षाकोठा, फर्निचर, प्रयोगशाला, शौचालय, पानी, पुस्तकालय, बुक – कर्नर जस्ता भौतिक पूर्वाधार तयार गर्ने, विद्यालय भवनलगायत सम्पूर्ण भौतिक पूर्वाधार विपत् जोखिममुक्त बनाउँदै सबै विद्यालयलाई सुरक्षित एवम् बालमैत्री, हरित विद्यालयको रु.पमा विकास गर्ने लगायतका नीतिगत व्यवस्था गरिएको छ। राष्ट्रिय शिक्षा नीतिले आत्मसात् गरेको सबैका लागि सुरक्षित भौतिक पूर्वाधार विकास एवम् विस्तारको नीति र हालसम्मको अभ्यासका आधारमा भएको सिकाइ अनुभवका आधारमा शिक्षा क्षेत्रको यो योजनामा कार्यक्रम प्रस्ताव गरिएको छ।

विद्यालयका प्राथमिकता प्राप्त सक्षमताभित्र रहेको कक्षाकोठा, छात्राका लागि बेग्लै शौचालय समेत हालसम्म पूर्ण रुपमा कार्यान्वयन गर्न सकेको छैन । विद्यालयका भौतिक संरचना निर्माणका लागि हालसम्म अवलम्बन गरिएका पद्धतिमा लागत अनुमानमा एकरुपता कायम हुन सकेको छैन । चार कोठाको भवन बनाउँदा सङ्घीय सरकारबाट प्राप्त हुने बजेटले गाउँपालिकाको सबै विद्यालयमा समान नाप र गुणस्तरको भवन निर्माण गर्ने कार्य सोचनीय छ। प्रदेश सरकारबाट प्राप्त भौतिक पूर्वाधारसम्बन्धी कार्यक्रमहरु मागमा आधारित नहुँदा झनै समस्या भएको छ। विद्यालयमा भवन निर्माण गर्ने सिलसिलामा भवन आचार संहिताको पूर्ण रुपमा पालना नभएका कारण धेरैजसो विद्यालयहरु. अपाङ्ग मैत्री र विपत् प्रतिरोधी बन्न सकेका छैनन् । समग्रमा विद्यालयको पूर्वाधार विकासमा तीन तहका सरकार र विकास साझेदार निकायहरु बिचको समन्वय र सहकार्य अपेक्षित रुपमा प्रभावकारी र नतिजामुलक बन्न सकिरहेको छैन।

त्रिवेणी गाउँपालिकामा संचालित ४१ वटा सामुदायिक विद्यालयहरु तथा २ वटा सस्थागत विद्यालयहरु गरी जम्मा ४३ वटा र १ वटा स्नातकोत्तर सम्म शिक्षण गरिने सिम्रुतु शिक्षा क्याम्पस रहेको छ र विद्यालयहरुमा विभिन्न भौतिक संरचनाहरु निम्नानुसारको रहेको छ ।

क्रसं	भौतिक विवरण	परिमाण	कैफियत
१	पक्की भवन	७३	६१ वटा भूकम्प प्रतिरोधि भवन रहेको
२	कच्ची भवन	४०	
३	शौचालय	६३	

४	पुस्तकालय	११	
५	विज्ञान प्रयोगशाला	३	
६	कम्प्युटर कक्ष	८	
७	खानेपानी धारा	२५	
८	घेराबार	१९	
९	खेलमैदान	२७	
१०	चमेना गृह	१	
११	विद्युत	१३	
१२	इन्टरनेट	१९	

अधिकांश विद्यालयहरुमा छात्र र छात्राको लागि छुट्टाछुटै शौचालयको व्यवस्था गरिएको छैन । स्वच्छ पिउने पानीको अभाव पनि छदैछ । यसै गरी खेलमैदान तथा विद्यालय घेराबार पनि प्रभावकारी हुन आवश्यक देखिन्छ । माथि उल्लेखित भौतिक संरचनाहरु निर्माण गर्दा त्रिवेणी गाउँपालिकाको एकल प्रयासले मात्र सम्भव नभएकोले प्रदेश सरकार, संघीय सरकार, समुदाय विभिन्न संघ संस्थाहरुको समेत सहयोग लिन सकेमा शिक्षण सिकाइमा प्रभावकारी भूमिका निर्वाह गर्न सकिन्छ ।सबै विद्यालयहरुमा भौतिक पूर्वाधारहरु अपाङ्गतामैत्री, लैङ्गिकमैत्री तथा सुरक्षित वनाउन भौतिक पूर्वाधार निर्माणको निर्देशिका अनुसार कार्य गर्न र स्थानीय तहले पनि कार्यविधि बनाउन आवश्यक छ ।

४.६.२ उद्देश्य

शैक्षिक संस्थाहरुको भौतिक पूर्वाधारमा सुधार गरी सुरक्षित भौतिक पूर्वाधार र सिकाइ वातावरणमा सुधार गरी बालबालिकाको विद्यालयमा पहुँच अभिवृद्दि गर्न निम्नानुसारका उद्देश्य अवलम्बन गरिएको छ ।

(क) सुरक्षित विद्यालय पूर्वाधार विकास गरी गुणस्तरीय शिक्षा व्यवस्थापनमा सहयोग गर्नु ।

(ख) विद्यालय शिक्षा पूर्वाधारका लागि आवश्यक मापदण्ड सहितको गुरुयोजनाको विकास र कार्यान्वयन गर्नु.

(ग) गुणस्तरीय पूर्वाधार विकास एवम् विस्तारका लागि पारदर्शी एवम् जवाफदेही प्रणालीको विकास गर्नु ।

४.६.३ रणनीति

भौतिक पूर्वाधारमा सुधार ल्याउनका लागि माथि उल्लिखत उद्देश्य पुरा गर्न निम्नानुसारका रणनीतिहरु अवलम्बन गरिएको छ ।

(क) विद्यालयको तह, विद्यार्थी सङ्ख्या र लागतका आधारमा विद्यालयमा आवश्यक पर्ने पूर्वाधार विकासको मापदण्ड र गुरुयोजना अनुसार कार्य गर्ने ।

(ख) विद्यालयको समग्र पक्षमा सुधार ल्याउनका लागि प्राथमिकताका आधारमा भौतिक पूर्वाधारको निर्माण, मर्मत सम्भार तथा सवलीकरण गर्ने ।

(ग) गाउँपालिकामा सञ्चालन भएका विद्यालयहरुमा पूर्वाधार विकासका लागि सङ्घ र प्रदेश सरकार, विकास साझेदार एवम् गाउँपालिकाको लागत साझेदारीका आधारमा स्रोत व्यवस्थापन गर्ने ।

(घ) प्रत्येक माध्यमिक तहका विद्यालयमा एक पुस्तकालय, एक विज्ञान प्रयोगशाला, एक गणित प्रयोगशाला र शैक्षिक सूचना व्यवस्थापन प्रणाली तथा साहित्य लेखन प्रवर्धनमा जोड दिने ।

(ङ) विद्यालयहरुको भौतिक संरचनाहरुको अवस्था पहिचान र प्रोफाईल तयार गरी उक्त प्रोफाईलका आधारमा कार्यान्वयन प्रक्रिया अगाडि बढाउने ।

(च) पूर्वाधार निर्माणसँगै सुरक्षित विद्यालय एवम् वातावरणीय पक्षलाई एकीकृत प्रणालीको विकास गरी सस्थागत क्षमता अभिवृद्धि गर्ने ।

(छ) विद्यालयको भौतिक पक्षमा सुधार गर्नका लागि स्थानीय समुदाय र लगानीकर्ताहरुलाई प्रोत्साहन एवम् परिचालन गर्ने कार्यमा आवश्यक सहजीकरण र समन्वय गर्ने ।

४.६.४ प्रमुख उपलब्धि तथा नतिजा

क) उपलब्धि

(क) सबै विद्यार्थीहरु.लाई सुरक्षित र उपयुक्त भौतिक अवस्था सहितको विद्यालयमा अध्ययन गर्ने अवसर हुने

ख) नतिजा

(क) विद्यालय शिक्षाअन्तर्गत विकास एवम् विस्तार गर्नुपर्ने भौतिक मापदण्ड तथा गुरुयोजना निर्माण भएको हुने

(ख) गाउँपालिकाका सबै विद्यालयहरुमा आवश्यक भौतिक पूर्वाधार विकास र विस्तार भएको हुने ।

(ग) सबै माध्यमिक तहका विद्यालयहरुमा पुस्तकालय र प्रयोशालाहरु तथा आधारभूत तहका विद्यालयहरुमा पनि विस्तार भएको हुने ।

(घ) विद्यालयहरु.मा बनेका संरचनाको सम्प्रवर्धन तथा मर्मत सम्भार तथा सवलीकरणका लागि नियमित पद्धति विकास भएको हुने ।

नतिजा तथा परिमाणात्मक लक्ष्य

क स	सूचक	आधार वर्ष २०८१	२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५	२०९०
१	बाल मैत्री, फरक क्षमता मैत्री तथा भूकम्प प्रतिरोधी विद्यालय %	४०	४०	५०	६०	७०	८०	१००
२	खेल मैदान व्यवस्थापन तथा खेलकुद सामाग्री व्यवस्थापन %	५०	५०	७०	९०	१००		
३	भूकम्प प्रतिरोधी कक्षाकोठा सङ्ख्या %	६०	६०	७०	८०	९०	९५	१००
४	मैत्रीपूर्ण शौचालय भएको विद्यालय %	५०	५०	६०	७०	८०	१००	
५	स्वच्छ र मैत्रीपूर्ण खाने पानीको व्यवस्थापन भएको	६०	६०	७०	८०	९०	१००	

	विद्यालय %							
६	भौतिक पूर्वाधार संरक्षण र मापदण्ड सम्वन्धी अभिमुखीकरण	०	०	१				

४.६.५ प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य

क्र.स	मुख्य क्रियाकलाप	परिमाण	२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५	बाँकी अवधि	जिम्मेबारी
१	बालमैत्री अपाङ्गतामैत्री तथा भूकम्प प्रतिरोधी भवन तथा पूर्वाधार निर्माण , मर्मत तथा सवलीकरण	पटक प्राथमिकताका आधारमा		१	१	१	१	५	पालिका र वडा
२	भौतिक पूर्वाधार व्यवस्थापनका लागि अभिमुखीकरण तथा क्षमता विकास	पटक		१		१		२	पालिका र वडा
३	भौतिक पूर्वाधारको अवस्था बिश्लेषण तथा प्रोफाईल तयारी	पटक		१				अद्यावधिक	पालिका,
४	खेलमैदानहरुको विस्तार र व्यवस्थापन	पटक	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	पालिका र विद्यालय
५	शौचालय , खानेपानी तथा फर्निचरहरुको व्यवस्थापन तथा	पटक	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	पालिका र विद्यालय

	मर्मत सम्भार								

४.७ विद्यालय सूचना तथा सञ्चार प्रविधि

४.७.१ वर्तमान अवस्था

शिक्षामा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको विकास तथा प्रयोगले सबै विद्यार्थीका लागि सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको आधारभूत पहुँच पुर्याइ डिजिटत भिन्नता कम गर्ने, सूचना तथा सञ्चार प्रविधिलाई शिक्षण सिकाइको साधनका रु.पमा प्रयोग गरी सिकाइमा सुधार गर्ने, सबैका लागि शिक्षामा पहुँच पुऱ्याउने र शिक्षाको व्यवस्थापकीय तथा शासकीय पद्धतिलाई कुशल र प्रभावकारी बनाई सुशासनको प्रत्याभूतिका लागि सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको भूमिका महत्वपूर्ण हुन्छ । नेपालको सूचना तथा सञ्चार प्रविधि नीति, २०७२ ले सूचना तथा सञ्चारका संरचनामा पहुँच पुऱ्याउने विषयमा नीति निर्धारण गरेको छ भने शिक्षामा सूचना तथा सञ्चार प्रविधि सम्बन्धी गुरु योजना कार्यान्वयन गर्ने लगायतका नीतिहरु उल्लेख गरेको छ। डिजिटल नेपालको कार्यढाँचा २०७६, ले विद्यालय तथा क्याम्पसहरुमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधि शिक्षा प्रदान गर्ने र शिक्षा क्षेत्रको सूचना तथा सञ्चार प्रविधि शिक्षासम्बन्धी क्षमता विकास गर्ने र सबैका लागि सूचना प्रविधिसम्बन्धी साक्षरता प्रदान गर्ने उल्लेख गरेको छ।

नेपाल सरकारले २०७६ सालमा स्वीकृत गरेको राष्ट्रिय शिक्षा नीति र विज्ञान तथा प्रविधि प्रवर्धन नीतिमा पनि शिक्षामा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको प्रयोगसम्बन्धी नीतिहरु. उल्लेख गरिएको छ। उक्त नीतिहरुमा सबै शिक्षण संस्थाहरु.मा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिसम्बन्धी संरचना तयार गर्ने, कनेक्टिभिटी पुर्याउने, तालिम, शिक्षणसिकाइ तथा व्यवस्थापनमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको प्रयोग गर्नका लागि आवश्यक सामग्रीको व्यवस्थापन र जनशक्ति संरचना तयार पार्ने जस्ता विषय उल्लेख गरिएको छ। शिक्षामा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिसम्बन्धी गुरु योजना, २०१३ देखि २०१७ ले १० हजार विद्यालयमा शिक्षण सिकाइका लागि इन्टरनेट कनेक्टिभिटी सहित सूचना प्रविधिका संरचनाका विकास तथा प्रयोग - गर्ने, शिक्षक तथा शिक्षा क्षेत्रको अन्य जनशक्तिका लागि सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको प्रयोग गर्ने, सबै स्रोतकेन्द्रहरु.मा डिजिटल डाटा केन्द्र स्थापना गर्ने, निरन्तर सिकाइको प्रबन्ध गर्ने, सूचना प्रविधि विषय पाठ्यक्रम समावेश गर्ने, अन्तरक्रियात्मक डिजिटल सामग्री तयार गर्ने, सबै स्रोतकेन्द्रहरु.मा डिजिटल सामग्री आदानप्रदान गर्नका लागि प्लेटफर्म बनाउने, शैक्षिक सूचना तथा व्यवस्थापन प्रणालीलाई डिजिटलाइज्ड गर्ने, स्रोतकेन्द्रलाई सूचना प्रविधिको केन्द्रका रु.पमा विकास गर्ने लगायतका कार्यक्रमहरु. निर्धारण गरिएका थिए।

सिकाइमा सूचना प्रविधिको प्रयोगका लागि आवश्यक सामग्री विद्यालयलाई उपलब्ध गराउने, विज्ञान, गणित र अङ्ग्रेजी विषयमा विद्युतीय सामग्री निर्माण गर्ने, पूर्वाधार विकास र शिक्षण सिकाइ सामग्री प्रदान गर्ने, नमूना विद्यालयहरु.मा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको सिकाइ केन्द्र स्थापना गर्ने, एकीकृत लेखा सफ्टवेयर कार्यान्वयन गर्ने र एकीकृत शैक्षिक व्यवस्थापन सूचना प्रणाली विकास गर्ने जस्ता कार्यक्रमहरु समेत विद्यालय शिक्षा क्षेत्र विकास योजनामा समावेश गरिएको छ।यसरी नै स्थानीय तहले पनि सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको व्यवस्थापन र प्रयोगमा जोड दिनु आवश्यक हुन्छ । विशेष गरी अहिलेको सन्दर्भमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिमा बालबालिकाको सिकाइ सहजता गराउनका लागि शिक्षक क्षमता विकास तथा परिचालन र विधालयमा समेत सूचना प्रविधिको व्यवस्थापन प्रभावकारी बनाउन आवश्यक हुन्छ ।

त्रिवेणी गाउँपालिकामा सूचना तथा सञ्चारको अवस्था निम्नानुसारको रहेको छ ।

क्र.सं.	सूचक	हालको अवस्था के छ कति विधालयमा छ
१	इन्टरनेट जडान भएका विद्यालयको सङ्ख्या	१५ (सबै विधालयमा अनुदान भने गएको)
२	शिक्षण सिकाइ क्रियाकलापमा कम्प्यूटर लगायतको प्रविधिको उपयोग भएका विद्यालयको सङ्ख्या	११ माध्यमिक मात्र
३	मुख्य विषयमा डिजिटल पाठ्यसामग्री प्रयोग गर्ने विद्यालय सङ्ख्या	५
४	व्यवस्थापकीय कार्यमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको प्रयोग गर्ने विद्यालय सङ्ख्या	१४
५	विद्युतको पहुँच पुगेका विद्यालय सङ्ख्या	२६
५	विद्यालयलेआफ्नो सूचना, जानकारीको लागि डिजिटल माध्यम प्रयोग (फेसबुक पेज, वयव पेज) सख्या	१
६	इमिसमा प्रयोगमा दक्षता भएका विद्यालय	९
७	पुस्तकालय भएका विद्यालय सख्या	८
८	स्मार्टबेर्ड भएका विधालय संख्या	८
९	प्रोजेक्टर भएका विधालय संख्या	८
१०	कम्प्युटर ल्याव भएको विधालय	८

त्रिवेणी गाउँपालिका र विद्यालयहरुले विभिन्न प्रयास गरे तापनि विभिन्न वडाहरुमा भौगोलिक विकटता तथा अन्य पूर्वाधारगत समस्या हुँदा टेलिभिजन र इन्टरनेट जस्ता सुविधाबाट त्यहाँका केही वालबालिकाहरु वञ्चित भइरहेका छन्। सबै विद्यालयहरु.मा वैकल्पिक माध्यमबाट विद्यार्थीको सिकाइ सहजीकरण गर्न इन्टरनेट जडानका लागि सबै सामुदायिक विद्यालयहरु.लाई अनुदान प्रदान गरिँदै आएको अवस्था छ । तर सबै विधालयले इन्टरनेटको प्रयोग गर्न नसकेको तथा शिक्षकहरुमा समेत सूचना प्रविधिमा दक्षता नभएको अवस्था छ । विद्यालयको सम्पूर्ण तथ्याङ्कलाई एकीकृत शैक्षिक सूचना व्यवस्थापन प्रणालीमा प्रविष्ट गर्ने कार्यलाई समेत प्रभावकारी बनाइएको छ । यधपि इमिस अधावधिकमा अझैपनि सबै विधालय पूर्ण रुपमा आफै गर्न नसकेको अवस्था देखिन्छ । सूचना तथा सञ्चार प्रविधिमा शिक्षकको क्षमता विकास तथा परिचालन लक्ष्य

अनुरुप हुन सकेको छैन् । शिक्षकहरुलाई सूचना प्रविधिमा दक्ष बनाउनका निमित्त क्षमता विकास गर्न प्रशिक्षकको व्यवस्था गरी परिचालन गर्न आवश्यक देखिन्छ । सूचना व्यवस्थापनमा समेत प्रभावकारी कार्य गरेमा सूचना व्यवस्थापन प्रणाली चुस्त दुरुस्त हुने देखिन्छ ।सबै विद्यालयमा अनलाइन तथा अफलाईन माध्यमबाट चलाउन सकिने इ-पुस्तकालयहरुको व्यवस्थापन गर्न सकिन्छ । यसै गरी हाल ३ वटा विद्यालयमा विधुतिय हाजिरीको वेयवस्थापन भएकोमा सबै विधालयमा विधुतिय हाजीरको व्यवस्था तथा अनुगमन हुन आबश्यक छ । विशेष गरी सूचना प्रविधिमा शिक्षकको दक्षता र पहुँच अभिवृद्दि गर्नु नितान्त आवश्यक देखिन्छ ।

४.७.२ उद्देश्य

बालबालिकाहरुमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिमा सरल र प्रभावकारी पहुँच अभिवृद्दि गरी सिकाइ उपलब्धिमा सुधार ल्याउन निम्नानुसारका उद्देश्यहरु किटान गरिएको छ ।

(क) सबै विद्यालयहरुमा विधुत सेवाको पहुँच सुनिश्चित गरी सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको प्रयोग विस्तार र व्यवस्थापन समयानुसार गर्नु र सबैको पहुँच अभिवृद्दि गर्नु।

(ख) शिक्षासम्बन्धी विभिन्न सेवामा सूचना तथा सञ्चार प्रविधि प्रयोग गरी सहज र छिटोछरितो तथा प्रभावकारी बनाउनु ।

(ग) शिक्षाको समग्र व्यवस्थापनलाई सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको प्रयोग गरी प्रभावकारी, कार्यकुशल, पारदर्शी र समतामुलक बनाउनु तथा विद्यालयको दैनिक प्रशासनिक कार्यमा सूचना प्रविधिको प्रयोगमा प्राथमिकता दिनु ।

(घ) विपत् तथा सङ्कटको समयमा समेत विद्यालयका शैक्षिक गतिविधिहरुलाई निरन्तरता दिनका लागि प्रविधिसँग सम्बन्धित संरचना र स्रोत व्यवस्थापन गर्नु ।

४.७.३ रणनीति

सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको लागि माथि उल्लेखित उद्देश्यहरु पुरा गर्न निम्नानुसारका रणनीतिहरु अवलम्बन गरिनेछ ।

(क) सबै विद्यालयहरुमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिका आधारभूत संरचना तथा उपकरणको प्रबन्ध गरिनेछ र सुरक्षित भौतिक र प्राविधिक प्रबन्ध मिलाइने यसका लागि विधुत सेवाको पहुँचको सुनिश्चितता गरिनेछ ।

(ख) विभिन्न कक्षा र विषयका लागि उपयोगी हुने डिजिटल सामग्रीहरुको विकास गरिने छ ।

(ग) विभिन्न किसिमका अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरुका लागि उपयोगी हुने गरी डिजिटल सामग्री विकास गर्ने ।

(घ) गाउँपालिका स्तरमा व्यवस्थित शिक्षा सम्वन्धित जानकारी का लागि ई–पोर्टल निर्माण गरिने छ,

(ङ) विद्यालयमा शैक्षिक स्रोत सामग्रीहरु इन्टरनेटको सुविधा विस्तार गरी विद्यार्थीहरुको पहुँचमा विस्तार गर्ने र क्षमता विकास गर्ने ।

(च) शैक्षिक सूचना व्यवस्थापन तथा सूचना प्रणालीलाई थप व्यवस्थित गरी विद्यालयको लेखा प्रणाली, शिक्षकको तलबी प्रतिवेदन पारित गर्ने जस्ता कार्यसमेत यस प्रणालीमा एकीकृत गरी लागु गर्ने कार्यमा आवश्यक सहजीकरण र समन्वय गर्ने ।

(छ) सामुदायिक सिकाइ केन्द्रहरुलाई सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको क्षेत्रमा सेवा प्रदान गर्न परिचालन गरिनेछ ।

(ज) सङ्घ र कर्णाली प्रदेशसँग समन्वय गरी गाउँपालिका र इन्टरनेट प्रदायक संस्थाहरु बिच समन्वय र सहकार्य वृद्धि गर्ने ।

(झ) अफलाईन माध्यमबाट पनि चलाउन सकिने इ पुस्तकालयको व्यवस्थापन गर्ने ।

(ञ सबै विद्यालयका शिक्षक तथा कर्मचारीहरुको आधारभूत सूचना तथा सञ्चार प्रविधिसँग सम्बन्धीत आधारभूत सिपमा क्षमता विकास गर्ने ।

(ट) विपत् तथा सङ्कटको समयमा समेत विद्यार्थीको सिकाइलाई निरन्तरता दिन सक्ने गरी सिकाइका वैकल्पिक विधिको रुपमा प्रविधिलाई प्रयोग गर्न सक्ने गरी कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।

(ठ) स्थानीय एफ.एम. रेडियो सँग समन्वय गरेर शैक्षिक कार्यक्रम नियमित रुपमा उत्पादन र प्रसारण गर्ने ।

(ठ) एक शिक्षक एक ल्याप्टप अवधारणा कार्यान्वयन गर्ने तथा कम्प्युटर र सूचना प्रविधि प्रशिक्षकको व्यवस्था र परिचालन गर्ने ।

(ड) वेभसाइट,विद्युतीय हाजिरी र सी.सी. क्यामेराको व्यवस्था गरिने छ ।

४.७.४ प्रमुख उपलब्धि तथा नतिजा

उपलब्धि

(क) विद्यालयमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको विस्तार भई सिकाइलाई प्रभावकारी, गुणस्तरीय र सान्दर्भिक बनाउन सहयोग पुग्नका साथै विद्यालय शिक्षाको व्यवस्थापनमा सुधार आई सुशासन प्रवर्धन भएको हुने ।

(ख) विद्यालयमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको विस्तारले सिकाइ उपलब्धिमा सुधार भएको हुनेछ ।

(ग) गाउँपालिकामा शिक्षामा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको प्रभावकारी प्रयोगका डिजिटल सिकाइ सहजीकरण केन्द्र स्थापना र सञ्चालन भएको हुने ।

(घ) गाउँपालिकाभित्रका सबै विद्यालयमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको पूर्वाधार विकास भई सबैको सहज पहुँच पुगेको हुने ।

(ङ) विभिन्न कक्षा र विषयका लागि आवश्यक पर्ने अन्तरक्रियात्मक डिजिटल सामग्री विकास भई ती सामग्रीमा विद्यार्थीको सहज पहुँच भएको हुने ।

(च) सबै सामुदायिक विद्यालयहरु र विद्यार्थीहरुमा सूचना र सञ्चार प्रविधिसम्बन्धी आधारभूत सुविधामा पहुँच पुगेको हुने ।

(छ) सबै शिक्षकमा ल्यापटपको व्यवस्था र प्रयोग भै विद्यालयमा शिक्षक तथा कर्मचारीहरुबाट प्रविधिको बढीभन्दा बढी प्रयोग गरिएको हुने ।

(ज) विद्यार्थीको सिकाइ सहजीकरणमा स्थानीय रेडियो प्रभावकारी रुपमा परिचालन भएको हुने तथा सबै विद्यालयहरुमा विद्युतीय हाजिरी र सी.सी. क्यामेराको प्रयोग गरिएको हुने ।

नतिजा तथा परिमाणात्मक लक्ष्य

क्र.सं.	सूचक	आधार वर्ष २०८१	२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५	२०९०
१	इन्टरनेट जडान भएका विद्यालयको सङ्ख्या	१५	१५	२०	३०	४१		
२	शिक्षण सिकाइ क्रियाकलापमा कम्प्युटर लगायतको प्रविधिको उपयोग भएका विद्यालयको सङ्ख्या	८	८	११	२०	३०	४१	
३	मुख्य विषयमा डिजिटल पाठ्यसामग्री प्रयोग गर्ने विद्यालय सङ्ख्या	८	८	२०	३०	४१		
४	व्यवस्थापकीय कार्यमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको प्रयोग गर्ने विद्यालय सङ्ख्या	१४	१४	२०	३५	४१		
५	विद्युतको पहुँच पुगेका विद्यालय	२६	२६	३०	३५	४१		

	सङ्ख्या							
६	विद्यालयले सूचना, जानकारीका लागि डिजिटल माध्यम प्रयोग (फेसबुक पेज, वयव पेज)	१	११	३०	४१			
७	IEMIS व्यवस्थापनमा दक्षता विधालय	९	९	३०	४१			

३.४.५ प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य

क.स	मुख्य क्रियाकलाप	परिमाण	२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५	बाँकी अवधि	जिम्मेबारी
१	विद्यालयमा ICT संरचना विस्तार गरी इलाइब्रेरी स्थापना	विद्यालय	०	५	६	६	६	१८	पालिका,
२	प्रत्येक विद्यालयमा Internet Connectivity को व्यवस्था	संख्या	०	५	१०	११		निरन्तर	पालिका
३	कक्षा १ देखि ५ सम्म पठन पाठनमा डिजिटल माध्यमको प्रयोग वा ICT प्रयोग	विद्यालय	०	१०	१०	१०	११	निरन्तर	पालिका,
४	शिक्षकको क्षमता विकास कम्प्युटर र सूचना प्रणाली व्यवस्थापनमा	पटक		१	१	१	१	५	पालिका

५	सूचना प्रविधि प्रशिक्षकको व्यवस्था	संख्या		२	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	पालिका
६	IEMIS व्यवस्थापन तालिम	पटक		१	१	१	१	५	पालिका
७	विद्यालयहरुमा वेभसाइट, विद्युतीय हाजिरी र सी.सी. क्यामेराको व्यवस्था	संख्या		५	५	५	५	२५	पालिका
८	सामुदायिक केन्द्रमा सूचना, सञ्चार प्रयोग सम्वन्धी प्राविधिक सिप प्रदान गर्ने	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	पालिका
९	विभिन्न विषयमा रेडियो कार्यकम	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	पालिका
१०	शिक्षकको क्षमता विकास, विद्यार्थी पठन पाठनमा सघाउ पुग्ने खालका अनलाइन बैठक तथा तालिम सञ्चालन	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	पालिका
११	अनलाइन सिकाइ आदान प्रदान बैठक	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	पालिका

परिच्छेद ५ अन्य उपक्षेत्र तथा अन्तरसम्बन्धीत विषयहरु

५.१ उच्च शिक्षाको व्यवस्थापन

५.१.१ वर्तमान अवस्था

त्रिवेणी गाउँपालिका भित्र प्रारम्भिक बालविकास शिक्षा, आधारभूत शिक्षा कक्षा (१–८) , माध्यमिक शिक्षा कक्षा (९–१२) सम्म सञ्चालित विद्यालयहरुका अतिरिक्त उच्च शिक्षाको लागि स्रिमुतु बजारमामा स्रिमुतु शिक्षा क्याम्पस रहेको छ। सिम्रुतु शिक्षा क्याम्पसको स्थापना हुनु भन्दा पहिले यहाँका सवै विद्यार्थीहरु खलंगा-मुसीकोट, दाङ्ग,वीरेन्द्रनगर,सुर्खेत, वाँकेको नेपालगञ्ज,,चितवन र काठमाण्डौं गएर पढ्ने गर्थे ।हाल न्यून

आयस्रोत भएका विद्यार्थीहरुका लागि यो क्याम्पस कोसेढुङ्गा सावित भएको छ । न्यून आम्दानीका स्रोत भएका विद्यार्थीहरुले पनि आफ्नो घरको खाना खाएर उच्च शिक्षा हासिल गर्न पाईरहेका छन् । हाल यस क्याम्पसमा स्नातक र स्नातकोत्तर तहका विभिन्न विषयहरु अध्ययन अध्यापन गराउदै आइरहेको छ । घरबाट टाढा गएर शिक्षा हासिल गर्नु निकै चुनौतीपूर्ण हुन्छ ।आफ्नै गाउँठाउँमा उच्च शिक्षा प्राप्त गर्ने अवसर प्रदान गर्ने यो संस्था त्रिवेणीबासीहरुको लागि गौरवको विषय हो । सिम्रुतु शिक्षा क्याम्पसको भौतिक, शैक्षिक र प्रशासनिक पक्षमा सुधार गर्न सहयोग पुर्याउने चन्दादाताहरु, सहयोगीहरु, त्रिवेणी गाउँपालिका, प्रदेश, संघ, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग सवैको महत्वपूर्ण योगदान रहेको पाईन्छ । हाल यस क्याम्पसमा स्नातक तहमा जम्मा ८३३ जना विद्यार्थीहरु र स्नातकोत्तर तहमा जम्मा ७५ जना विद्यार्थीहरु अध्ययनरत छन् । यस क्याम्पसमा पूर्णकालीन प्राध्यापकहरु जम्मा ४ जना र आँशिक प्राध्यापकहरु २ जना कार्यरत छन् ।साथै, यस क्याम्पसमा ४ जना कर्मचारीहरु पनि कार्यरत छन् ।उच्च शिक्षा स्थानीय तहको अधिकार क्षेत्रभित्र नरहेता पनि उच्च शिक्षाका लागि आधार तय गर्ने तथा उच्च शिक्षा प्रदान गर्ने संस्थाको लागि सहयोग तथा सहकार्य आवश्यक देखिन्छ । माध्यमिक तहको अध्ययन पश्चात विद्यार्थीहरुलाई उच्च शिक्षाका लागि स्थानीय तह भित्रनै गुणस्तरीय शिक्षा प्रदानका अवसरहरु उपलब्ध गराउनु पनि स्थानीय तहको दायित्व भित्र रहेकाले यस तर्फ स्थानीय तहले ध्यान दिनु आवश्यक देखिन्छ ।

५.१.२ उद्देश्य

त्रिवेणी गाउँपालिकामा उच्च शिक्षा प्रवर्द्धनका लागि निम्न बमोजिमका मुख्य उद्देश्यहरु तय गरिएको छ ।

(क) उच्च शिक्षा हासिल गर्ने अवसरबाट बञ्चित बालवालिकाहरुका लागि न्यूनतम खर्चमा स्थानीय स्तरमा उच्च शिक्षा हासिल गराउनु ।

(ख) उच्च शिक्षामा सबै बाबालिकाहरुको समान पहुँच सुनिश्चित गर्नु।

(ग) गुणस्तरीय उच्च शिक्षाको माध्यमबाट सक्षम र प्रतिस्पर्धी जनशक्ति उत्पादन गर्नु।

(घ) उच्च शिक्षा प्रदायक संस्थासंगको सहकार्य तथा समन्वय बढाउनु ।

५.१.३ रणनीतिहरु

उच्च शिक्षाका लागि माथि उल्लेखित उद्देश्यहरु हासिल गर्नका लागि निम्नानुसारका रणनीतिहरु अवलम्बन गरिएको छ ।

क) त्रिवेणी गाँउपालिकाले संघीय सरकार,, प्रदेश सरकार र विश्वविद्यालय अनुदान आयोगसंग समन्वय गरी क्याम्पसलाई आर्थिक रुपले सम्पन्न गराउने ।

ख) उच्च शिक्षामा सूचना प्रविधिको प्रयोग बढाउनका लागि विभिन्न स्रोतको खोजी गर्न सहयोग प्रदान गर्ने ।

ग) पहुँच र गुणस्तर अभिवृद्धि गर्न विद्यार्थीलाई छात्रवृत्तिको व्यवस्था मिलाउने ।

घ) क्याम्पसका भौतिक पूर्वाधार निर्माण गर्न आवश्यक स्रोतको खोजी गर्ने ।

ङ) पूर्णकालिन शिक्षक भर्ना गर्न प्रदेश र संघीय सरकारसंग समन्वय गरी आवश्यक स्रोतको खोजी गर्ने ।

च) नियमित पठनपाठन सञ्चालन गर्ने र गराउने ।

५.१.४ उपलब्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य

उपलब्धि र नतिजा

(क) उच्च शिक्षा हासिल गर्ने उमेर समूहका सबै युवाहरुलाई गुणस्तरीय उच्च शिक्षाको सुनिश्चितता भएको हुने साथै उच्च शिक्षामा सर्वसुलभ पहुँच सुनिश्चित भएको हुने ।

(ख) उच्च शिक्षा प्रदायक संस्थाको भौतिक, आर्थिक र प्रशासनिक तथा शैक्षिक वातावरणमा उल्लेख्य सुधार भएको हुने तथा स्थानीय तह तथा अन्य निकायको सहयोग समन्वय बढेको हुने।

(ग) सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको प्रयोगमा समतामुलक पहुँच भएको हुने साथै विद्यार्थीहरुमा गरीखाने किसिमको शिक्षा हासिल भएको हुने र उच्च शिक्षामा भर्नादर तथा टिकाउ दरमा वृद्दि भएको हुने ।

५.१.५ मुख्य क्रियाकलापहरुः

क्र.स	मुख्य क्रियाकलापहरु	इकाइ	२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५	बाँकी अवधि	जिम्मेबारी
१	भौतिक पूर्वाधार निर्माणमा सहयेग	क्याम्पस		१		१		१	पालिका , प्रदेश र सघ
२	शिक्षक व्यवस्थापन अनुदान	पटक		१	१		१	१	पालिका , प्रदेश र सघ
३	सूचना तथा प्रविधिको पहुँचमा वृद्धि	क्याम्पस			१		१		पालिका , प्रदेश र सघ
४	विपन्न वर्गको लागि छात्रबृति	जना	०	१०	१०	१०	१०	५०	पालिका , प्रदेश र सघ
५	उच्च शिक्षामा अध्ययनरत विद्यार्थीका लागि परियोजना मार्फत् छात्रबृत्ति	जना		५	५	५	५	२५	पालिका

५.२ सामुदायिक पुस्तकालय

५.२.१ वर्तमान अवस्था

पठन संस्कृतिको विकासका लागि पुस्तकालयको स्थापना र प्रयोग अति आवश्यक देखिन्छ । समुदाय स्तरमा पुस्तकालयको स्थापना र प्रयोग मार्फत् पठन क्षमताको विकास र आवश्यक विभिन्न सामग्रीहरुके प्रयोगमा मदत पुर्याउन सहयोग मिल्दछ । सामुदायिक पुस्तकालय" भन्नाले स्थानीय समुदाय, समाजसेवी वा सामुदायिक संस्था, गैरसरकारी तथा अन्तराष्ट्रिय गैरसरकारी निकायको सहयोगमा स्थापना र संचालन भएका समुदायमा रहेका वा समुदाय स्तरले समेत सहज रुपमा प्रयोग गर्न पाउने पुस्तकालय सम्झनु पर्छ । यसले बाल पुस्तकालय, वाचनालय, विद्युतीय पुस्तकालय समेतलाई जनाउँछ ।समुदायमा स्थापना हुने र समुदायका लागि लक्षित गरिएका पुस्तकालय स्थानीय तह वा प्रदेश सरकारको सहयोगमा समुदायका सबै वर्ग, धर्म, लिङ्ग, जातजाति, भाषाभाषी लगायतका सबै उमेर र पेसा व्यवसायमा संलग्न नागरिकलाई विना भेदभाव सदस्यता प्राप्त गरी वा नगरी पुस्तकहरुको आदान प्रदान वा निश्चित स्थानमा बसी अध्ययन वा प्रयोग गर्न पाउने गरी संचालन भएको पुस्तकालय हुन जुन सार्वजनिक रुपमा प्रयोगमा हुन्छन् ।

विभिन्न पेशा व्यवसाय, वर्ग र सबै क्षेत्रको लागि अति आवश्यक विषयबस्तुहरु र सन्दर्भ सामग्रीहरु पुस्तकालयमा उपलब्ध गरी पठन संस्कृतिको विकास र प्रवर्द्धन गर्न सकिन्छ । त्रिवेणी गाउँपालिकामा हाल सामुदायिक पुस्तकालय नभएको र ३ वटा सामुदायिक सिकाइ केन्द्र मार्फत् तथा अन्य तवरले पनि समुदाय स्तरमा सबैको सहज पहुँच पुग्ने गरी पुस्तकालय स्थापना र प्रयोग गर्न सकिन्छ ।

५.२.२ उद्देश्यहरु

समुदाय तहमा समेत पठन संस्कृतिको विकास र प्रर्वद्धन गरी सिकाइ वातावरणमा सुधार ल्याउन निम्नानुसारका उद्देश्य किटान गरिएको छ ।

(क) समुदायस्तरमा समेत पठन संस्कृतिको विकास र प्रवर्द्धन गर्नु।

(ख) पाठकलाई विभिन्न किसिमका आवश्यक पठन सामग्रीहरुको सरल र सहज उपलब्ध गराउनु ।

५.२.३ रणनीतिहरु

उल्लेखित उद्देश्य पुरा गर्न निम्नानुसारका रणनीतिहरु अवलम्बन गरिएको छ ।

क. सामुदायिक सिकाइ केन्द्रहरुको क्षमता विकास र परिचालन मार्फत पुस्तकालय व्यवस्थापन र प्रयोगमा जोड दिने ।

ख. पठन संस्कृतिको विकासका लागि समुदाय स्तरमा सचेतनामुलक कार्यक्रमहरु गर्ने तथा समुदायको आवश्यकतामा आधारित पुस्तक तथा सामग्रीहरु व्यवस्थापन गर्ने ।

५.२.४ उपलब्धि तथा नतिजा

क.सामुदायिक तवरमा पुस्तकालय स्थापना भएको हुनेछ ।

ख.स्तरमा रहेका आम नागरिकको पठन संस्कृतको विकास भएको हुनेछ ।

नतिजा तथा परिमाणात्मक लक्ष्य

क्र.स	सूचक	आधार वर्ष २०८०	२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५	बाँकी अवधि
१	पुस्तकालयको स्थापना	०		१		२		३

५.२.५ मुख्य क्रियाकलापहरुः

क्र.स	मुख्य क्रियाकलापहरु	इकाइ	२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५	बाँकी अवधि	जिम्मेबारी
१	पुस्तकालयको स्थापना इपुस्तकालय सहित	वटा		१		१		१	पालिका , सामुदायिक सिकाइ केन्द्र
२	समुदाय तहमा पठन संस्कृतिको लागि सचेतनामुलक कार्यक्रम	पटक		१	१	१	१	५	पालिका , सामुदायिक सिकाइ केन्द्र
३	सामुदायिक पुस्तकालयको सस्थागत क्षमता विकास	पटक		१		१		२	गाउँपालिका

५.३ युवा तथा खेलकुद विकास

५.३.१ वर्तमान अवस्था

नेपालको संविधानको २०७२ अनुसार संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको साझा अधिकार सम्बन्धमा संघ तथा प्रदेश कानुनको अधिनमा रही स्थानीय तहले युवा तथा खेलकुदका लागि आवश्यक संरचना पूर्वाधार निर्माण संचालन तथा विकासका कार्यक्रमहरु गर्ने प्रावधान रहेको तथा यसैका आधारमा स्थानीय सरकार संचालन ऐन २०७४ को दफा ११ उपदफा ४ (क) मा पनि गाँउ तथा नगरपालिकाको खेलकुद तथा पत्रपत्रिका सम्बन्धी अधिकार सुनिश्चित गरेकाले स्थानीय तहले आफ्नो स्थानीय तहमा युवा तथा खेलकुदका गतिविधिहरु सञ्चालन र प्रवर्द्धन गर्न आवश्यक छ । यस त्रिवेणी गाउँपालिकाले शिक्षा युवा तथा खेलकुद शाखा मार्फत् युवा तथा खेलकुद सम्बन्धी प्रचलित ऐन, नियम एंव स्थानीय तहबाट निर्माण भई कार्यान्वयनमा आएका कार्यविधिहरु अनुरुप युवा तथ खेलुकदका विभिन्न कार्यहरु गर्ने गरेको छ । विधालय खेलकुद तथा अन्य खेलकुदका गतिविधिहरु र युवा संग सम्बन्धीत क्रियाकलापहरु प्रभावकारी रुपमा गर्नु अति आवश्यक छ । यस

अन्तरगत स्थानीय तहले स्थानीय स्तरका खेलकुद संरचनाको पूर्वाधार निर्माण संचालन तथा विकास, स्थानीय स्तरमा खेलकुद प्रशासन तथा संघसंस्थाको नियमन र समन्वय,खेलकुदको विकास र प्रवर्द्धन, खेलकुद प्रतियेगिता आयोजना र सहभागिता, खेलकुद सम्बन्धी पूर्वाधार विकास तथा संघीय युवा तथा खेलकुद मन्त्रालयको युवा स्वरोजगार कार्यक्रमको कार्यान्वयनका लागि आवश्यक व्यवस्थापन गर्न पर्दछ ।

यसै सन्दर्भमा त्रिवणी गाउँपालिकाको विद्यालय तथा युवाहरुले खेलकुद कार्यक्रमहरुलाई शिक्षा युवा तथा खेलकुद शाखा मार्फत् शिक्षा समितिले संयोजन गर्दै आएको छ । यस अन्तर्गत विद्यालयस्तरका अन्तरविद्यालय खेलकुद संचालन, राष्ट्रपति रनिङ सिल्ड प्रतियोगिताको तयारी छनोट र जिल्लास्तरको कार्यक्रममा सहभागिता समुदायस्तरमा युवा तथा खेलकुद संचरना एंव पूर्वाधार विकास र सहभागिता गराउँदै आएको छ । विभिन्न किसिमका खेलकुद प्रतियोगिताको लागि आवश्यक अन्तर्विद्यालय खेलकुद प्रतियोगिता कार्यक्रम तथा युवा खेलकुदका लागि खेलकुद सामग्री र आवश्यक स्रोत व्यवस्थापन गर्दै आएको छ ।यसका अलवा विद्यालय तहमा खेलकुद विकासका लागि विभिन्न खेल सामग्रीहरुको वितरण र सहयोग भएता पनि खेल प्रशिक्षकको व्यवस्थापन तथा खेलकुदका गतिविधिहरु प्रभावकारी रुपमा बढाउन अति आवश्यक देखिन्छ । विद्यालय तहमा नै विभिन्न खेलमा बालबालिकालाई अभ्यस्त बनाइ उनीहरुलाई खेलकुदमा सक्षम र प्रतिस्पर्धी बनाउन त्रिवेणी गाउँपालिका निरन्तर रुपमा लाग्नु पर्ने देखिन्छ । यसका लागि शिक्षा युवा तथा खेलकुद शाखाले पनि खेलकुद तथा युवा संग सम्बन्धीत कार्यक्रमहरु तय गरी प्रभावकारी रुपमा कार्यान्वयन गर्न नितान्त आवश्यक छ ।

५.३.२ उद्देश्य

त्रिवेणी गाउँफालिकामा युवा तथा खेलकुदका गतिविधिहरुमा युवा तथा विद्यार्थीहरुको पहुँच अभिवृद्धि गर्न निम्नानुसारका उद्देश्यहरु तय गरिएको छ ।

क. स्थानीय स्तरका खेलकुद संरचनाको पूर्वाधार निर्माण संचालन तथा विकास गर्नु तथा स्थानीय स्तरमा खेलकुद प्रशासन तथा संघ संस्थाको नियमन र समन्वय गर्नु।

ख. खेलकुदको विकास र प्रवर्द्धन गर्नु र यसका लागि खेलकुद प्रतियोगिता आयोजना र सहभागिता सुनिश्चित गर्नु।

ग. विधालयस्तरमा विविध प्रकारका खेलकुद प्रतियोगिता संचालन व्यवस्थापन एंव राष्ट्रपति रनिङ्ग सिल्ड प्रतियोगिताका लागि तयारी गर्नु।

घ. युवा स्वरोजगार सम्बन्धी तालिम तथा रोजगार व्यवस्थापन गर्नु ।

५.३.३ रणनीतिहरु

युवा तथा खेलकुद संग सम्बन्धीत माथि उल्लेखित उद्देश्यहरु पुरा गर्न निम्नानुसारका रणनीतिहरु अवलम्बन गरिएको छ ।

क. त्रिवेणी गाउँपालिका क्षेत्रमा खेलकुद समिति गठन र परिचालन गर्ने ।

ख. खेलकुद संरचनाका लागि पूर्वाधार निर्माण गर्ने र खेलकुदको संचालन र विकास गर्ने।

ग. स्थानीय स्तरमा खेलकुद सम्बन्धी संघ, प्रदेश र सरोकारवालाहरु संगको समन्वय र सहकार्य गर्ने ।

घ. संघ र प्रदेशबाट जारी खेलकुद सम्बन्धी कानुनको अधिनमा रही कार्यविधि निर्माण र कार्यान्वयन गर्ने।

ङ. विद्यालय तहमा तथा युवा स्तरका खेलकुद प्रतियोगिता आयोजना र सहभागिता सुनिश्चित गर्ने र विधालयमा खेल प्रशिक्षकको व्यवस्था तथा अतिरिक्त क्रियाकलापमा खेलकुदका गतिविधि बढाउने खालका क्रियाकलापहरु सञ्चालन गर्ने।

च. गाउँपालिका मार्फत् आयोजना तथा सहभागिता हुने खेलकुद कार्यक्रममा आवश्यक सामग्री तथा स्रोतको व्यवस्थापन गर्ने ।

छ. युवा स्वरोजगार कार्यक्रम कार्यान्वयन मा साझेदारी विकास हुने तथा युवा लक्षित खेलकुद तथा उत्पादनमुखी कार्यक्रमहरु सञ्चालन गर्ने ।

५.३.४ मुख्य उपलब्धि, र नतिजा

उपलब्धि

क) विधालयस्तरका विधार्थी तथा समुदायस्तरका युवाहरुलाई खेलकुद प्रति उत्प्रेरित गर्दै सक्रिय सहभागिता र प्रतिस्पर्धाको विकास भएको हुने ।

नतिजा

(क) गाउँपालिकास्तरमा विभिन्न खेलसम्बन्धी सहजकर्ता तथा सहभागी तयार हुने।

(ख) खेलकुलका लागि पूर्वाधारकौं निर्माण र व्यवस्थापन भएको हुने ।

(ग) खेलकुद सम्बन्धी स्थानीय नीति तथा कार्यविधिहरु तयारी र कार्यान्वयन भएको हुने।

(घ) खेलकुद सम्बन्धमा जिल्ला तथा प्रदेश स्तरका निकायसंग समन्वय र सहकार्य भएको हुने।

(ङ)खेलकुदको विकास र प्रवर्द्धन सम्बन्धमा विधार्थी र युवाहरुलाई अभिमुखीकरण भएको हुने ।

(च)विभिन्न खेलहरुमा उत्कृष्ट खेलाडी तथा प्रशिक्षकहरुलाई सम्मान भएको हुने ।

(छ)युवा स्वरोजगार कार्यक्रम कार्यान्वयन भएको हुने।

५.३.५ मुख्य क्रियाकलापहरुः

क्र.स	मुख्य क्रियाकलापहरु	इकाइ	२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५	बाँकी अवधि	जिम्मेबारी
१	स्थानीयस्तको खेलकुद संरचनाको विकास	पटक		१		१		२	पालिका , संघ र प्रदेश
२	विभिन्न खेलकुद सम्बन्धी निकायहरुसंगसहकार्य र समन्वय	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	पालिका ,
३	अन्तर विधालय खेलकुद प्रतियोगिता	पटक	१	१	१	१	१	५	पालिका र विधालय

४	समुदायस्तरमा युवा खेलकुद प्रतियोगिता	पटक	१	१	१	१	१	५	पालिका र वडा
५	विधालय तथा युवा स्तरका खेलकुदका लागि आवश्यक कार्यविधि र निर्देशिका तयारी	विद्यालय		१				परिमार्जन	पालिका
६	खेलकुद सामग्री व्यवस्थापन	पटक	१	१	१	१	१	५	पालिका
७	उत्कृष्ट खेलाडी तथा प्रशिक्षकहरुलाई सम्मान	पटक		१	१	१	१	५	पालिका
८	विद्यालयमा खेलकुद प्रशिक्षकको व्यवस्थापन	जना		२		२		२	पालिका
९	अध्यक्ष कप सञ्चालन र व्यवस्थापन	पटक		१	१	१	१	५	पालिका

परिच्छेद ६ : सुशासन तथा व्यवस्थापन

६.१ शिक्षाको व्यवस्थापन तथा सस्थागत क्षमता विकास

६.१.१ वर्तमान अवस्था

शैक्षिक सुशासन स्थापना गर्न स्थानीय सरकार, विद्यालय तथा समुदाय, गैरसरकारी निकाय तथा विकास साझेदारहरु.को भूमिका रहनका साथै स्रोत साधनको उचित व्यवस्थापन संस्थागत क्षमता विकासमा पनि योगदान रहन्छ । सुशासनले आर्थिक पारदर्शिता नीति तथा योजना निर्माण प्रकृया विद्यालय सञ्चालन पद्धति निर्णायक निकाय आदिलाई समेट्दछ । सुशासन हासिल गर्नका लागि आवश्यक सस्थागत संरचना सहित क्षमता विकास, योजना कार्यान्वयनको जिम्मेवारी सहितको प्रबन्ध र उपयुक्त अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रणाली स्थापित गर्नु पर्दछ।नेपालमा आर्थिक सुशासन तथा व्यवस्थापन गर्न आर्थिक ऐन २०७७ आर्थिक कार्यबिधि तथा बितिय उत्तरदायित्व ऐन २०७६ र लेखा परीक्षण ऐन तथा कार्यबिधि समेत जारी भएको छ । विद्यालयको हकमा आर्थिक सुशासन कायम गर्न शिक्षा ऐन २०२८ मा अनिवार्य सामाजिक लेखापरीक्षण

गर्नुपर्ने ब्यवस्था छ ।विद्यालय सञ्चालन पद्धति र निर्णय प्रकृयामा विद्यालय ब्यवस्थापन समिति समेत रहने व्यवस्था छ ।

स्थानीयत तहको शैक्षिक संरचना, प्रक्रिया र क्षमता सुधार गर्न स्थानीय आवश्यकता र चुनौती पहिचान गर्दै शैक्षिक गतिविधि प्रभावकारी बनाउन तथा सुशासन कायम गर्न संघीय संरचनाअनुसार स्थानीय सरकारका अधिकार तथा दायित्व बमोजिम स्थानीय सरकार सञ्चाल ऐन २०७४, नेपालको संविधान, शिक्षा नीति लगायतको आधारमा स्थानीय तहले पनि नीति निर्माण गर्ने, शैक्षिक कार्यविधिहरु तयार गर्ने तथा शिक्षासंग सम्बन्धीत विभिन्न कार्यक्रमहरु र बजेट तय गरी कार्यान्वयन गर्नु पर्दछ । यसै गरी नियमित रुपमा लेखा परीक्षण, सामाजिक परीक्षण, अनुगमन तथा मूल्याङ्कन जस्ता कार्य गर्नुपर्दछ ।

त्रिवेणी गाउँपालिकामा शिक्षा, युवा तथा खेलकुद शाखा अन्तर्गत ४ जना कर्मचारी रहेकोमा १ जना हाल अध्ययन विदामा रहेका छन् । पालिकामा गाउँ शिक्षा समिति तथा वडा तहमा वडा शिक्षा समितिहरु रहेका छन् । यस गाउँपालिकाले शिक्षा ऐन र नियमावली, २०७४, (हाल संसोधन २०७९), आधारभूत तह शिक्षा परीक्षा सञ्चालन तथा व्यवस्थापन कार्यविधि २०७४ तथा त्रिवेणी गाउँपालिकाको विद्यालय शिक्षा कार्यान्वयन कार्यविधि २०७४ तयार गरी कार्यान्वयन गरीरहेको छ । यसका साथै हरेक वर्ष शिक्षा क्षेत्रको बजेट तथा कार्यक्रम र नीति निर्माण गर्ने तथा कार्यान्वयन गर्ने गरेको छ ।यसका अलवा गाउँपालिकाको आवधिक योजना २०८०।८१- २०८४।८५ मा पनि शिक्षा क्षेत्रको विकासका लागि विभिन्न कार्यक्रमहरु तय गरिएको छ। विद्यालय तहले लेखापरीक्षण, सामाजिक परीक्षण तथा अन्य व्यवस्थापनका कार्यहरु पनि गरीरहेको र निरन्तर तथा नियमित गर्न आवश्यक देखिन्छ । विद्यालयमा गुनासो सुनुवाई संयन्त्रको व्यवस्था गरिएको भएता पनि प्रभावकारी हुन सकेको छैन् । शैक्षिक गतिविधिहरुको प्रभावकारी कार्यान्वयन र नतिजा प्राप्तिका लागि जवाफदेहीता प्रणालीको विकासका लागि विद्यालय तहमा पनि सूचना प्रवाह, विभिन्न समावेशीता लगायतका विषयमा सस्थागत क्षमता विकास र परिचालन गर्न नितान्त आवश्यक देखिन्छ । हाल औषतमा वार्षिक रुपमा विधालय व्यवस्थापन समितिको बैठक ६ पटक, शि .अ .स .को बैठक २ पटक, शिक्षक कर्मचारीको बैठक १० पटक भएको देखिन्छ । यसै गरी शैक्षिक सत्र २०८०।८१ मा विद्यालयको विद्यालय सुधार योजना सबै विद्यालयको सम्पन्न भएको छ भने सामाजिक परीक्षण पनि गत आव सम्मको नियमित भएको छ । यधपि सामाजिक परीक्षणलाई प्रभावकारी रुपमा सञ्चालन गर्न सकिएको भने छैन । यसको साथै सस्थागत क्षमता विकास र परिचालन र जवाफदेहीता प्रणालीको विकास हुन आवश्यक देखिन्छ सबै विद्यालयले लेखा परीक्षण गरेका छन् र विगतका शैक्षिक सत्रहरुमा भन्दा निरन्तर सुधार भएको अवस्था छ ।गाउँपालिकाले शिक्षामा बजेट विनियोजनमा भने सुधार गर्नु पर्ने देखिन्छ ।

६.१.२ उद्देश्य

त्रिवेणी गाउँपालकाको विद्यालयमा सुशासन र व्यवस्थापन र प्रभावकारी शैक्षिक ब्यवस्थापन कायम गर्नका लागि निम्न उद्देश्यहरु. रहेका छन् ।

क. सुशासन तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्न शैक्षिक नीति, कार्यविधि, कार्यक्रम, सस्थागत क्षमता विकास तथा गुरुयोजना गर्नु ।

ख. शैक्षिक क्षेत्रमा असल शासन कायम गर्न निरन्तर रुपमा सामाजिक परीक्षण, लेखा परीक्षण, गुनासो सुनुवाइ संयन्त्रको विकास जस्ता कार्य प्रभावकारी रुपमा गर्नु ।

ग. विद्यालयको कार्यसम्पादन प्रति उत्तरदायी तथा नतिजा प्रतिको जवाफदेही र विद्यालयको निर्णय प्रकृयामा समता तथा समावेशीतालाई प्रोत्साहन गरी शिक्षामा सुशासन व्यवस्था गर्नु ।

घ. विद्यार्थीको सिकाइ उपलब्धिको न्यून नतिजा सम्बोधनको लागि स्थानीय तहमा गुणस्तर अभिवृद्धि गर्न संरचना र जनशक्तिको व्यवस्था गर्नु ।

ङ. लविद्यालयमा सुशासन स्थापना गर्न सहअस्तित्व र सहकार्यको प्रत्याभूतिका लागि संयन्त्र र सस्थागत रुपमा समन्वय गर्दै प्रविधिलाई समेत प्रयोगमा ल्याउनु ।

६.१.३ रणनीतिहरु

सुशासन र व्यवस्थापनका लागि माथि उल्लेख गरिएका विभिन्न उद्देश्य पुरा गर्न निम्नानुसारका रणनीतिहरु अवलम्बन गरिएको छ ।

क. गाउँपालिका तथा विद्यालय स्तरीय गुरुयोजना तथा कार्यबिधि निर्माण गरिने ।

ख. सस्थागत क्षमता विकासको लागि नीति तथा निर्देशिका तयार गर्ने ।

ग. विद्यालयको निर्णय प्रकृयामा समता तथा समावेशीतालाई प्रोत्साहन गरिने ।

घ. विद्यार्थीको सिकाइ उपलब्धिको न्यून नतिजा सम्बोधनको लागि स्थानीय तहमा गुणस्तर अभिवृद्धि गर्न भौतिक तथा सांगठानिक संरचनाको सुधार गर्ने र पर्याप्त र तालिम प्राप्त जनशक्तिको व्यवस्थापनमा जोड दिने ।

ङ. विधालय व्यवस्थापन समिति , शिअस, प्रधानाध्यापकको क्षमता विकास र जिम्मेबारी बढाउने ।

च. विद्यालयका दक्ष जनशक्ति व्यवस्थापनका लागि सस्थागत क्षमता विकास गर्नुका साथै भौतिक तथा सांगठानिक संरचनाको निर्माण गर्ने र संयन्त्रको क्षमता अभिवृद्धि गर्नमा जोड दिने

छ. सबै विद्यालयहरुमा गुनासो सुनुवाइ शिक्षकको व्यवस्था तथा संयन्त्र विकास भएको हुने ।

ज. विद्यार्थी, शिक्षक, अभिभावक सबैको आचारसहिताको व्यवस्थापन र प्रयोग तथा विद्यालयमा बडापत्र व्यवस्थापन गर्ने ।

६.१.४ प्रमुख उपलब्धि र नतिजा उपलब्धि

क. शिक्षामा संस्थागत विकास र सुशासन प्रवर्द्धनले शैक्षिक निकाय तथा विद्यालयमा सुशासन प्रवर्धन भई विद्यालयको सेवा तथा बालबालिकाको सिकाइको गुणस्तरका साथै समावेशी शिक्षा प्रणालीमा विकास भएको हुने र सस्थागत क्षमता अभिवृद्दि भई परिचालित भएको हुने ।

प्रमुख नतिजाहरु

क. गाउँपालिका तथा विद्यालय स्तरीय गुरुयोजना तथा कार्यबिधि निर्माण भएको हुने ।

ख. संस्थागत क्षमता विकास भई माग बमोजिमको जनशक्ति व्यवस्थापन भएको हुनेछ ।

ग. विद्यालय तथा विव्यस, शि. अ .स. तथा बालक्लवहरुको क्षमता विकास भै सुशासन तथा जवाफदेहीताको विकास भएको हुनेछ ।

घ. शैक्षिक संस्थाहरुमा जिम्मेबारी तथा उत्तरदायित्व वृदि भएको हुनेछ ।

ङ. स्रोत व्यवस्थापन र परिचालन प्रभावकारी भै कार्य सम्पादनमा सुधार भएको हुनेछ ।

नतिजा तथा परिमाणात्मक लक्ष्य

क्र.स	सूचक	आधार वर्ष २०८०	२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५	बाँकी अवधि
१	शिक्षा ऐन नीति निर्माण	१	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	परिमार्जन
२	सामाजिक परीक्षण	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४१
३	लेखा परीक्षण	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४१
४	विद्यालय सुधार योजना	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४१
५	विव्यसको बैठक शिअसको बैठक	अनियमित	नियमित गराउने	नियमित गराउने	नियमित गराउने	नियमित गराउने	नियमित गराउने	नियमित गराउने

६.१.५ मुख्य क्रियाकलापहरुः

क्र.स	मुख्य क्रियाकलापहरु	इकाइ	२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५	बाँकी अवधि	जिम्मेबारी
१	विभिन्न अपुग शैक्षिक कानुन, मापदण्ड कार्यविधि निर्माण	पटक		१	१			परिमार्जन गर्ने	पालिका
२	सस्थागत क्षमता विकास तालिम	पटक		१	१	१	१	५	पालिका ,
३	कार्यसम्पादन करार सम्झौता र स्वमूल्याङ्कन	विद्यालय		११ मावि	४१	४१	४१	४१	पालिका र विधालय
४	विद्यालय व्यवस्थापन समिति र शिअसको क्षमता विकास	पटक		१	१	१	१	५	पालिका र विद्यालय

५	लेखा परीक्षण तथा सामाजिक परीक्षण तथा विधालय सुधार योजनाका लागि क्षमता विकास	विद्यालय	१	१	१	१	१	५	पालिका
६	गुनासो सुनुवाइ संयन्त्रको विकास र र व्यवस्थापन	विद्यालय	११	३०				नियमित	पालिका र विद्यालय
७	बडापत्रको व्यवस्थापन	विद्यालय		११	३०			नियमित	पालिका र विद्यालय
८	बालिका तथा समावेशी सञ्जालको गठन तथा क्षमता विकास	पटक	१		१		१	निरन्तर	पालिका
९	प्रधानाध्यापकको नियमित बैठक	पटक	६	६	६	६	६	३०	पालिका
१०	शैक्षिक पात्रो निर्माण	पटक	१	१	१	१	१	५	पालिका

६.२ स्थानीय शिक्षा योजना कार्यान्वयनको प्रबन्ध

६.२.१ परिचय

यस त्रिवेणी गाउँपालिकाको आवधिक शिक्षा योजना कार्यान्वयनको प्रबन्धअन्तर्गत वार्षिक योजना तथा बजेट तर्जुमा, क्रियाकलाप निर्धारण तथा कार्यान्वयन, वित्तीय व्यवस्थापन तथा अनुगमन र मूल्याङ्कन लगायत कार्यान्वयनका लागि आवश्यक संरचना स्थापना र क्षमता विकास, जनशक्ति व्यवस्थापन, कार्यान्वयन प्रक्रिया र विभिन्न क्षेत्रको जिम्मेवारी तथा उत्तरदायित्वहरु. पर्दछन् । स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ ले स्थानीय सरकारलाई शिक्षाका २३ अधिकारहरु को व्यवस्थाको प्रभावकारी कार्यान्वनयका साथै, नेपाल सरकारले तय गरेका शिक्षा क्षेत्रको १० वर्षे योजनाले तय गरेका लक्ष्यहरु पुरा गर्नका लागि र त्यसको कार्यान्वनयमा पनि स्थानीय सरकारले सहयोग समन्वय तथा आत्मीकरण गर्नु आवश्यक रहेको छ । यस गाँउपालिकाले पनि समग्र गाउँपालिकाको विकास र परिवर्तनका लागि केही सोच, लक्ष्य, उद्देश्य सहित शिक्षा क्षेत्रको नीति तय गरेको छ । उल्लेखित सन्दर्भमा पालिकाको शिक्षा सम्बन्धी नीति, कार्यक्रम, लक्ष्य, तथा उद्देश्य पुरा गर्न

गाँउपालिकाको आफ्नो परिवेश अनुसारको शिक्षा योजना तयार गर्नु आजको आवश्यकता रहेको निष्कर्ष रहेको छ । ।

त्रिवेणी गाउँपालिकाले शिक्षा क्षेत्रको योजना कार्यान्वयनका लागि शिक्षा युवा तथा खेलकुद शाखाको अगुवाइ तथा शिक्षा समितिको नेतृत्वदायी भूमिकामा शैक्षिक गतिविधिहरु कार्यान्वयनमा रहेका छन् । शिक्षा समितिले नीति नियमहरु निर्माण गर्ने तथा शिक्षा शाखाले नीति तथा कार्यक्रमहरुको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्ने गरीरहेको छ । पालिकाको शिक्षा समितिले तयार गरेको नीति तथा कार्यक्रम र बजेटको प्रभावकारी कार्यान्वयनका लागि गाउँपालिका तहबाट शिक्षा युवा तथा खेलकुद शाखा तथा वडा तहमा वडा शिक्षा समिति र विद्यालय, विव्यस, शिअस लगायतका संस्थाहरु मार्फत् कार्यान्वयन भैरहेको छ । यसका अलवा प्रदेश तथा संघको निर्देशन तथा सल्लाह सुझाव र समन्व्य भएर शैक्षिक गतिविधिहरु अगाडि बढेका छन् । शिक्षाका गतिविधिहरुको प्रभावकारी कार्यान्वयनका लागि विभिन्न निकायहरु संगको समन्वय र सहकार्य प्रभावकारी रुपमा गर्न आवश्यक छ । साथै संस्थागत क्षमता विकास र परिचालन तथा नियमन गरी यो शिक्षा योजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्न सकिन्छ ।

६.२.२ उद्देश्य

त्रिवेणी गाउँपालिकाको शिक्षा योजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयनका लागि निम्नानुसारका उद्देश्यहरु अवलम्बन गरिएको छ ।

क) यस आवधिक शिक्षा योजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयनको सुनिश्चितता गर्नु ।

ख) शिक्षा योजना कार्यान्वयनका लागि विभिन्न निकाय संगको समन्वय, सहकार्य तथा साझेदारी कायम गर्नु।

६.२.३ रणनीतिहरु.

शिक्षा योजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयनका लागि लक्षित गरिएका उद्देश्यहरु परिपुर्ति गर्नका लागि निम्नानुसारका रणनीतिहरु अवलम्बन गरिएको छ ।

क) सङ्घीय तथा प्रदेश तहबाट वित्तीय हस्तान्तरण मार्फत् प्राप्त सशर्त अनुदान तथा अन्य अनुदान र आफ्नै स्रोतको बजेट समेत संलग्न गरी वार्षिक शिक्षा बजेट तथा कार्यक्रम तयार गर्ने ।

ख) विद्यालयमा विद्यालय व्यवस्थापन समिति र शिक्षक अभिभावक संघ लगायतका संरचनाको गठन, पुनर्गठन गर्ने र विद्यालयलाई विद्यालय सुधार योजना निर्माण र कार्यान्वयनमा सहजीकरण गर्ने ।

ग) कार्यक्रम कार्यान्वयनका लागि आवश्यकतानुसार कानुन, कार्यविधि तथा निर्देशिका विकास गर्ने।

घ) अभिभावक तथा सरोकारवालाहरुसँग अन्तरक्रिया तथा सहकार्य गर्न अभिभावक भेला तथा बैठकहरु आयोजना गर्ने सहकार्य तथा सहभागिता बनाउने।

ङ) कार्यक्रम कार्यान्वयनको नियमित अनुगमन तथा सहजीकरण गरी विद्यालयमा कार्यक्रमहरु प्रभावकारी रुपमा कार्यान्वयन हुने सुनिश्चितताका साथै समस्या समाधानका लागि आवश्यक नीति निर्देशन तथा समन्वय गर्ने ।

६.२.४ उपलब्धि, तथा नतिजा

उपलब्धिहरु तथा नतिजा

(क) शिक्षा योजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयनको सुनिश्चितता भएको हुनेछ ।

(ख) शिक्षा योजना कार्यान्वयनमा सरेकारवाला सबैको सहभागिता तथा सहकार्य बढेको हुनेछ ।

(ग) शिक्षा योजनाले लिएका अपेक्षित उपलब्धिहरु हासिल भएको हुनेछन् ।

६.२.५ प्रमुख क्रियाकलापहरु तथा लक्ष्य

क्र.स	मुख्य क्रियाकलापहरु	इकाइ	२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५	बाँकी अवधि	जिम्मेवारी
१	वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम निर्माण	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	पालिका शिक्षा समिति
२	शैक्षिक योजना कार्यान्वयनका लागि सहभागिता बढाउन शैक्षिक वहस तथा पैरवी र समन्वय	पटक		१	१	१	१	५	पालिका शिक्षा शाखा
३	योजना कार्यान्वयनको लागि मार्गदर्शन निर्माण	पटक		१				परिमार्जन	पालिका शिक्षा शाखा
४	विभिन्न निकाय संगको समन्वय र सञ्चार	पटक	१	१	१	१	१	५	पालिका शिक्षा शाखा
५	योजना कार्यान्वयनको प्रभावकारीता का लागि विद्यालयमा अध्यक्ष उपाध्यक्ष संग विधालय कार्यक्रम (कार्यविधि सहित)	पटक		१	१	१	१	५	पालिका

६	सरोकारवालाहरु संगको शैक्षिक अन्तरक्रिया	पटक		१	१	१	१	५	पालिका शिक्षा समिति

परिच्छेद ७ : लगानी स्रोत व्यवस्थापन

७.१ वर्तमान अवस्था

शिक्षा क्षेत्रको नीति तथा कार्यक्रम बमोजिम शिक्षा क्षेत्रममा पनि सोही बमोजिमको लगानी स्रोत व्यवस्थापन गर्न आवश्यक छ । राष्ट्रिय आकांक्षालाई मध्यनजर गर्दै नेपाल सरकारले पनि शिक्षा क्षेत्रमा लगानी अभिवृद्दि गरीरहेको छ । शिक्षामा कुल बजेटको २० प्रतिशत पुर्याउनु पर्ने गरी नीतिगत व्यवस्था पनि गरेको छ । शिक्षामा गरिने लगानीले समाजको आकांक्षा, आवश्यकता, मान्यता र दिगो विकासको लक्ष्यको लागि कार्य गर्नु पर्दछ । संवैधानिक व्यवस्था बमोजिम विद्यालय शिक्षा सञ्चालनको मूल जिम्मेवारी स्थानीय तहको भए तापनि शिक्षा साझा सूचीको विषय रहेकोले शिक्षाको वित्तीय व्यवस्थापनमा संघ, प्रदेश र स्थानीय तहका साथै समुदाय र निजी क्षेत्रको समेत साझेदारी आवश्यकता पर्दछ ।शिक्षामा आवश्यक पर्ने स्रोत पहिचान गरी तिनलाई एकीकृत गर्नु र उपयुक्त तरिकाले वितरण तथा उपयोग गर्नु शिक्षामा लगानीको प्रबन्धका लागि ध्यान दिनुपर्ने महत्वपूर्ण पक्ष हो । शिक्षामा आवश्यक पर्ने वित्तीय स्रोत जुटाउने, स्रोतको विनियोजन गर्ने, विनियोजित स्रोतको प्रवाह गर्ने र उपलब्ध स्रोतको उपयोग गर्ने भन्ने विषयमा ध्यान पुग्दछ ।

त्रिवेणी गाँउपालिकाले पनि पालिकाको शैक्षिक सुधारका लागि हरेक वर्षका नीति तथा कार्यक्रमहरुमा शिक्षा क्षेत्रलाई प्राथमिकतामा राखेर कार्य गरीरहेको छ ।शिक्षा क्षेत्रको सुधारका लागि पालिकाले विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रम र नीतिहरु निर्माण गरेर कार्यान्वयन गरेको छ । बालविकासका शिक्षकको तलब थप गर्ने तथा पालिका अनुदान मार्फत् शिक्षक थप गरी शैक्षिक गतिविधि सहज बनाउन पनि पालिकाले बजेट विनियोजन गरेर अगाडि बढेको छ । पालिकाको कुल बजेटमा शिक्षा क्षेत्रको बजेट अत्यन्त बढी देखिएको भएता पनि कुल बजेटको ८५ प्रतिशतको हाराहारीमा शिक्षकको तलवमा जाने र बाँकी रहेको न्यून बजेटमा पनि शैक्षिक पूर्वाधारमा लगानी भएर १५ प्रतिशत जति बजेटमात्र अन्य क्षमता विकासमा विनियोजन हुने गरेको छ । यस आर्थिक वर्षमा त्रिवेणी गाउँपालिकामा रहेको शिक्षा क्षेत्रको बजेट यस प्रकार छ ।

त्रिवेणी गाउँपालिका शिक्षा, युवा तथा खेलकुद शाखा सिम्रुतु खारानेटा रुकुम पश्चिम
आर्थिक वर्ष २०८१/०८२ का कार्यक्रमहरु

सि.नं	कार्यक्रम/ क्रियाकलापको नाम	विनियोजन जम्मा रु
१	मेसिनरी औजार , सवारी साधन मर्मत तथा इन्धन	१५००००
२	मसलन्द तथा कार्यालय सञ्चालन	१५००००
३	राष्ट्रपति रनिङ्गसिल्ड सञ्चालन	७०००००

४	वार्षिक परीक्षा सञ्चालन	७०००००
५	शैक्षिक पात्रो छपाई	२०००००
६	शिक्षा समिति तथा प्र.अ बैठक भत्ता तथा खाजा खर्च	१०००००
७	आधारभूत तहका स्वीकृत दरवन्दीका शिक्षक, राहत अनुदान शिक्षकका लागि तलव भत्ता अनुदान(बिशेष शिक्षा परिषद अन्तर्गतका शिक्षक कर्मचारीहरु समेत) आधारभूत तह कक्षा (६-८)मा अंग्रेजी,गणित र विज्ञान विषयमा शिक्षण सिकाई अनुदान	९५९९४०००
८	माध्यामिक तह कक्षा (९-१०)मा अंग्रेजी,गणित र विज्ञान विषयमा शिक्षण सिकाई अनुदान	८२२५०००
९	सार्वजनिक विद्यालयका विद्यार्थीहरुका लागि निःशुल्क पाठ्यपुस्तक अनुदान(स्थानीय विषय , मातृ भाषाको समेत)	४९११०००
१०	प्रति विद्यार्थी लागतको आधारमा सिकाई सामाग्री तथा डिजिटल सिकाई सामाग्री व्यवस्थापनका लागि विद्यालयलाई अनुदान	३०००००
११	ctevt को मापदण्ड बमोजिम सामुदायिक विद्यालयमा प्राबिधिक शिक्षा संञ्चालन	७०००००
१२	तोकिएका विद्यार्थीको दिवा खाजाका लागि विद्यालयलाई अनुदान	८६५६०००
१३	विद्यालय शैक्षिक गुणस्तर सुदृढीकरण एवं कार्यसम्पादनमा आधारित प्रोत्साहन अनुदान	६२५००००
१४	शैक्षिक पहुँच सुनिश्चितता अनौपचारिक तथा वैकल्पिक कार्यक्रम (परम्परागत विद्यालय, वैकल्पिक विद्यालय, साक्षरता र निरन्तर शिक्षाका कार्यक्रम समेत)	३०००००
१५	विद्यालय सञ्चालन तथा व्यवस्थापन अनुदान	४०००००
१६	विपदका समयमा सिकाई निरन्तरताका लागि सिकाई आपुरण तथा द्रुत सिकाइ योजना (Real)कार्यान्वयन	८०००००
१७	सामुदायिक विद्यालयका छात्राहरुलाई निःशुल्क स्यानेटरी प्याड ब्यवस्थापन	२१०४०००
१८	शैक्षिक सुशासनका लागि संस्थागत क्षमता विकास विद्यार्थी परीक्षण मूल्याङ्कन, शिक्षक मेन्टरिङ तथा विद्यालय सुपरीवेक्षण	१३६३०००
१९	प्रति विद्यार्थी लागतको आधारमा सिकाई सामाग्री तथा डिजिटल सिकाई सामाग्री व्यवस्थापनका लागि विद्यालयलाई अनुदान	१४३६०००
२०	प्रारम्भिक बालविकास सहजकर्ताहरुको पारिश्रमिक तथा विद्यालय कर्मचारी व्यवस्थापन अनुदान	११९८३०००
२१	माध्यामिक तहका स्वीकृत दरबन्दिका शिक्षक, राहत अनुदान शिक्षकका लागि तलव भत्ता अनुदान (विशेष शिक्षा परिषद अन्तर्गतका शिक्षक कर्मचारी,प्राविधिका धारका प्रशिक्षक समेत)	२२७४८०००
२२	विद्यालय सञ्चालन तथा व्यवस्थापन अनुदान	२२७५०००

२३	विद्यालय शैक्षिक गुणस्तर सुदृढीकरण एवं कार्यसम्पादनमा आधारित प्रोत्साहन अनुदान	२४०००००
२४	विपन्न लक्षित छात्रवृतिका लागि छनौट भएका कक्षा ६-१२ मा अध्ययनरत विद्यार्थीका लागि छात्रवृत्ति	१७०८०००
२५	सार्वजनिक विद्यालयमा अध्ययनरत विद्यार्थीका लागि छात्रवृत्ति (आवासीय तथा गैर आवासीय)	९२८०००
शिक्षा क्षेत्रमा विनियोजन भएको जम्मा बजेट रकम रु.		**१७५४८१०००**

७.२ उद्देश्य

योजनाको वित्तीय व्यवस्थापनका प्रमुख उद्देश्यहरु देहाय अनुसार रहेका छन्

(क) योजना अवधिका लागि विद्यालय शिक्षामा आवश्यक स्रोतको प्रक्षेपण गर्नु ।

(ख) शिक्षा सम्बन्धी पहिचान गरिएका कार्यक्रम कार्यान्वयनका लागि आवश्यक वित्तीय स्रोत पहिचान गर्नु ।

(ग) उपलब्ध सम्भावित स्रोतका आधारमा पहिचान गरिएका कार्यक्रमको प्राथमिकता निर्धारण गरी कार्यक्रमगत वजेट निर्धारण गर्नु ।

(घ) लगानीको उपयोगको अवस्था जानकारी लिने विधि र प्रक्रिया उपयुक्त (प्रतिवेदन पद्धति) प्रस्तुत गर्नु र जवाफदेहिता स्पष्टा गर्नु ।

७.३ रणनीतिहरु

योजनाको वित्तीय व्यवस्था सम्बन्धी रणनीतिहरु देहाय बमोजिम हुनेछन् ।

(क) विद्यालय शिक्षाको लागि कानुनमा तोकिए अनुसारको आर्थिक दायित्व तीनै तहका सरकारहरु विचको लागत साझेदारीमा हुनेछ । यसका लागि कम्तीमा संघीय सरकारको शिक्षा क्षेत्रको लगानीको अनुपातमा प्रदेश तथा स्थानीय सरकारले आ आफ्नो स्रोतबाट थप लगानी हुने वातावरण तयार गरिने ।

(ख) शिक्षामा सरकारी अनुदान खर्चको जिम्मेवारी स्थानीय तहको भएकोले आफ्नो तह भित्रको लक्षित शैक्षिक पहुँच र सहभागिता एवम् गुणस्तर सुनिश्चित गर्न स्थानीय तहलाई जवाफदेही हुने पद्धति विकास गर्ने ।

(ग) सरकारबाट प्रदान गरिने स्रोतको उपयोग गर्ने प्रमुख एकाइ विद्यालय भएकाले लक्षित गुणस्तर सुनिश्चित गर्ने जवाफदेहीता विद्यालयको हुनेछ ।

(घ) शिक्षामा सार्वजनिक लगानी वृद्धि गरी कुल गार्हस्थ उत्पादनको ७ प्रतिशत र तीनै तहका सरकारबाट कुल वजेटको वार्षिक रुपमा २० प्रतिशत पुर्याइनेछ ।

(ङ) नेपालको वैदेशिक सहायता नीति अनुरुप शिक्षाको वजेटमा हुने न्यूनता पूरा गर्नका लागि निश्चित लक्ष्य हासिल गर्न बाह्य स्रोतको परिचालन गरिनेछ ।

(च) उपागमको अवधारणा अनुसार कार्यक्रम खर्च तथा सेवामूलक व्यवसायका रुपमा विकास गरिनेछ ।

(छ) सार्वजनिक सेवा, सामाजिक दायित्व वा सेवामूलक व्यवसायका रुपमा विकास गरिनेछ ।

(ज) मापदण्डका आधारमा शिक्षामा नीजी तथा गैर सरकारी क्षेत्रको लगानीलाई प्रोत्साहन तथा प्रवर्धन गरिनेछ । भने निजी क्षेत्रले सार्वजनिक सेवा, सामाजिक दायित्व वा सेवामूलक व्यवसायका रुपमा रहने गरी विद्यालय शिक्षा सञ्चालन गर्न व्यवस्था गरिनेछ ।

(झ) अवस्था र आवश्यकताका आधारमा समानीकरण, समपूरक, शसर्त र विशेष अनुदानको अवलम्बन र उपयोग गरिनेछ ।

(ञ) वित्तीय व्यवस्थापन क्षमतामा सुधार गरी वित्तीय कार्यकुशलता, पारदर्शिता, जिम्मेवारी र उत्तरदायित्वलाई थप सबल बनाइने छ ।

७.४ प्रमुख क्रियाकलापहरु र परिमाणात्मक लक्ष्य

क्षेत्रगत रुपमा लागत अनुमान रु हजारमा

क स	प्रमुख क्रियाकलाप	लागत				
		२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५
१	प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षा	३१०	१७६०	१७६०	१७६०	१७६०
२	आधारभूत तह	१०६०	२९४२	२४४२	२८९२	२४९२
३	माध्यामिक तह	१११०	३७१५	३३१५	३७१५	३३१५
४	प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा	१२००	१३००	४१००	१९५०	१९५०
५	अनौपचारिक शिक्षा र आजीवन सिकाइ	४००	२३००	२२००	२२००	१९००
६	पाठ्यक्रम पाठ्यपुस्तक शिक्षण सिकाइ कार्यक्रम	६४११	७६८२	७४३३	८३८४	८१३५
७	शिक्षक व्यवस्थापन	१३०७५५	१३२९८०	१३२८८०	१३३१८०	१३३४८०
८	शैक्षिक समता र समावेशीकरण	२६३६	३२००	३१२०	३२४०	३१६५

९	विद्यालय पोषण र स्वास्थ्य कार्यक्रम	१०८४२	१११०७	११२९२	१११४७	१०९४२
१०	विपत् व्यवस्थापन र उत्थानशिलता	८००	१६८०	१५१०	१४३०	१३५०
११	विद्यालय भौतिक पूर्वाधार	१५५००	२०६००	१९७००	२०३००	१९९००
१२	विद्यालय सूचना तथा सञ्चार प्रविधि	२०	२०७०	२२७०	२२९०	२०९०
१३	उच्च शिक्षा	०	१३००	५००	१३००	५००
१४	सामुदायिक पुस्तकालय	०	६५०	५०	६५०	५०
१५	युवा तथा खेलकुद	९२०	३५४०	२५४०	३६४०	३१४०
१६	विधालय व्यवस्थापन र सुशासन	२९८३	३३६५	३२४०	३०६०	३१५०
१७	योजना कार्यान्वयन	०	१४००	१२००	१२००	१२००
१८	अनुगमन तथा मूल्याङ्कन	६००	८५०	७००	७००	१२००
	५ वर्षको जम्मा लागत अनुमान	**१७६१६७**	**२०६७८१**	**२०३४४२**	**२०७३२८**	**२०३००९**

७.५ योजनाको वार्षिक वजेट तर्जुमा प्रक्रिया

स्थानीय तहले वार्षिक रुपमा योजना तर्जुमा गर्ने प्रकृया बमोजिमनै शिक्षा क्षेत्रको वार्षिक कार्यक्रम तथा बजेट तयार गर्ने प्रकृया अवलम्बन गर्नेछ । यसका लागि संघ तथा प्रदेश र स्थानीय तहको बजेट अनुमान र सिलिङका आधारमा कार्यक्रमहरु तय गरी अन्य सरोकारवालाहरु संग पनि स्रोत खोजी गरी कार्यक्रम तय गर्ने र सोही बमोजिम वार्षिक योजनामा रहेका क्रियाकलापहरुलाई समावेश गर्दै कार्यान्वयन गरिनेछ ।

७.६ योजना कार्यान्वयनको लागि वार्षिक रणनीति कार्यान्वयन योजना निर्माण तथा कार्यान्वयन

बजेट तथा कार्यक्रम कार्यान्वयनको लागि वार्षिक रणनीति कार्यान्वयन योजना निर्माण गरिनेछ । यसका लागि वार्षिक रुपमा प्राप्त बजेट तथा कार्यक्रमलाई प्राथमिकता अनुसार स्रोत सुनिश्चित भए सोही वर्ष र नभए प्राथमिकताका आधारमा वजेट कार्यान्वयन रणनीति तय गरी कार्यानव्यन गर्ने र बजेटको प्रभावकारी कार्यान्वयन गरिनेछ ।

परिच्छेद ८ : अनुगमन तथा मूल्याङ्कन

८.१ वर्तमान अवस्था

गाउँपालिकाको शैक्षिक अवस्थामा सुधारका लागि विभिन्न तहमा अनुगमन तथा मुल्याङंकन गरी प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्न आवश्यक छ । योजना कार्यान्वयनलाई सही दिशामा पुर्याउन तथा योजनाका गतिविधिहरुलाई समयानुसार लक्षित उपलब्धि हासिल गराउनका लागि अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको कार्य प्रभावकारी रुपमा गर्न आवश्यक छ ।

अनुगमन भन्नाले कुनैपनि कार्यक्रम कार्यान्वयनका लागि विशेषतः शैक्षिक योजना तथा कार्यक्रमहरु के कति रुपमा भए ? त्यसको लक्षित प्रतिफल योजना अनुरुप ठीक सँग भइरहेका छन् वा छैनन् भनी कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्ने, प्रत्येक तहको व्यवस्थापनद्धारा निरन्तर र अद्यावधिक गरी निगरानी राख्ने कार्य हो । मूल्याङकन भन्नाले कुनै शैक्षिक कार्यक्रमको निर्धारित उद्देश्यको सन्दर्भमा त्यसका कार्यहरु कति सान्दर्भिक, सक्षम ,लाभदायक र प्रभावकारी देखिएका छन् भन्नेबारे व्यवस्थित रुपबाट मापन गरी लेखाजेखा गर्ने कार्य हो ।यहाँ भन्न खोजिएको तथ्य अनुगमन तथा मूल्याङ्कन को मुख्य उद्देश्य गाउँ शिक्षा योजना र विद्यालय क्षेत्र विकास कार्यक्रमले किटान गरेका प्रत्येक सेवा प्रवाह का तहका लक्ष्य तथा उद्देश्य अनुरुपका उपलब्धिहरु पत्ता लगाई ती सूचकका आधारमा निर्णय प्रक्रियालाई सहयोग गरी प्रवाह सुधार गर्नु हो

गाउँपालिकाका शैक्षिक योजना भित्र रहेका विद्यालय शिक्षाका कार्यक्रमहरुमा उपलब्ध स्रोत साधनको विनियोजन र वितरण के कसरी भइरहेको छ, लगानीको प्रवाह समुचित ढंगले भएको छ वा छैन, कार्यक्रम कार्यान्वयन प्रक्रियामा त्रुटिहरु छन् वा छैनन् । शैक्षिक क्रियाकलापहरु निर्धारित तालिका अनुसार समयमै कार्यान्वयन भई लक्षित प्रतिफल प्राप्ती तर्फ उन्मुख छन् वा छैनन् । भन्ने कुरा निश्चित गर्न व्यवस्थापनबाट कार्यक्रम कार्यान्वयनको लक्ष्य र प्रगतिका सम्बन्धमा नियमित र आवाधिक रुपमा निगरानी, निरीक्षण, सुपरिवेक्षण, पर्यवेक्षण एवम् जाँच गर्ने कार्य अनुगमन हो । यसले कार्यक्रमको प्रगति र वर्तमान स्थितिको जानकारी गराउँदछ ।

शैक्षिक कार्यक्रमको सान्दर्भिकता, उपयुक्तता, दक्षता र प्रभावकारीताको सन्दर्भमा सुव्यवस्थित एवम् उद्देश्यपूर्ण ढङ्गले जाँचबुझ तथा लेखाजोखा गर्ने कार्य मूल्याङ्कन हो । मूल्याङ्कन प्रतिफल र प्रभावसँग बढी केन्द्रित हुन्छ । अनुगमन सामान्यतः कार्यक्रम कार्यान्वयनको चरणमा मात्र गरीन्छ भने मूल्याङ्कन कार्यक्रम सञ्चालनका चरणका साथै कार्यक्रम सञ्चालन पश्चात पनि गरीन्छ । मूल्याङ्कनबाट कार्यान्वयन गरिएका नीति, योजना, कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु हालको समयमा के कति सान्दर्भिक, लाभदायी र प्रभावकारी तथा के कस्ता

उपलब्धि एवम् प्रभावहरु हासिल भएका छन् र तिनको दिगोपनाका सम्बन्धमा आन्तरिक र वाह्य मूल्याङ्कनकर्ताबाट लेखाजोखा गराउन सहयोग पुग्दछ । देशमा सङ्घीयता कार्यान्वयन भएपछि शैक्षिक अनुगमन र मूल्याङ्कनको कार्य संघमा शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालय र शिक्षा तथा मानव श्रोत विकास केन्द्र लगायतका निकायहरुबाट प्रदेश तहमा शिक्षा निर्देशनालय र स्थानीय तहमा शिक्षा युवा तथा खेलकुद शाखाबाट हुँदै आएको छ । शिक्षण प्रक्रियामा शिक्षकलाई स्थलगत प्राविधिक सहयोगका लागि कुनै सस्थागत प्रबन्ध भएको छैन भने अनुगमन, निरीक्षण र मूल्याङ्कनको कार्यलाई स्थानीय तहले साविक भन्दा नियमित र निरन्तर अगाडि बढाउने योजनामा छ ।

ऐन, नियम अनुसार कार्य भए नभएको लेखाजोख गर्ने, लक्ष्य तथा उद्देश्यका आधारमा प्रगति मापन गर्ने र क्षेत्रगत उद्देश्य तथा लक्ष्यमा भएको रणनीति तथा नीतिगत प्रवाहको मुल्याङ्कन गर्ने कार्यहरु नियमित रुपमा भैरहेका छन् । सबै तहको सेवा व्यवस्थापन तथा सेवा प्रवाहका लागि वित्तीय व्यवस्थापकीय र प्राविधिक पक्षको अनुगमन लेखाजोखा तथा मुल्याङकन गरिने छ । त्रिवेणी गाउँपालिकाले आफ्नो सेवा क्षेत्र भित्रको गतिविधिहरुको अनुगमन र मूल्याङ्कन गर्न गाउँपालिका उपाध्यक्षको नेतृत्वमा अनुगमन समिति गठन गरी कार्य अगाडि बढाएको छ । गाउँ शिक्षा समितिले पनि यस गाउँपालिकामा रहेका शैक्षिक समस्याहरुको समाधान गर्ने र नियमित अनुगमन र मूल्याङ्कनलाई प्रभावकारी ढंगले अगाडि बढाउन विभिन्न कार्यक्रमहरु कार्यान्वयनमा ल्याएको छ । त्रिवेणी गाउँपालिका क्षेत्रको समग्र शैक्षिक गतिविधिहरुको अनुगमन र मूल्याङ्कन गरी एकिकृत प्रतिवेदन प्रणालीको विकास, सहभागीतात्मक तथा सामूहिक अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रणालीको सुनिश्चितता र अनुगमन तथा मूल्याङ्कनमा सूचना तथा प्रविधिको उपयोग र व्यवस्थापन भइरहेको छैन । आधारभूत तह उतीर्ण परीक्षाको जिम्मेवारी स्थानीय तहलाई भएको सो तहको नतिजामा आधारित मूल्याङ्कन हुने गरेको छ । अर्कोतर्फ शिक्षक सुपरीवेक्षण र पेसागत सहयोग तथा विद्यार्थी उपलब्धि परीक्षण लगायतका विषयहरुमा ठोस कार्यक्रम बनाइ अगाडि बढेको अवस्था छैन । यस्ता विषयमा गाउँपालिकाले अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको लागि स्पष्ट रणनीति तय गरी कार्यान्वयन गर्नुपर्ने देखिन्छ ।

यस गाउँपालिकाले अनुगमनका कार्य निम्नानुसार गर्नेछ ।

क.स.	अनुगमन गर्ने निकाय	अनुगमन प्रकृया	जिम्मेवारी	अनुगमन समय	अनुगमन सूचक
१	वडा शिक्षा समिति	अवलोकन निरीक्षण सुपरीवेक्षण,	संयोजक तथा सदस्य	मासिक	आगन्तुक पुस्तिका , अनुगमन फारम
२	पालिका शिक्षा समिति		संयोजक तथा सदस्य	त्रैमासिक	
३	वडा कार्यालय		अध्यक्ष तथा पदाधिकारी	मासिक	
४	गाउँपालिका		अध्यक्ष,	अर्धवार्षिक	
५	शिक्षा अधिकृत वा तोकिएको अधिकारी		शिक्षा शाखा प्रमुख वा प्रतिनिधी	मासिक	

क्र.स.	अनुगमन गर्ने निकाय	अनुगमन प्रकृया	जिम्मेवारी	अनुगमन समय	अनुगमन सूचक
६	पालिका शिक्षा शाखा		शिक्षा शाखा प्रमुख वा प्रतिनिधी	मासिक	
७	पालिका स्तरका विज्ञ समूह		शाखा प्रमुख	त्रैमासिक	
८	वि .व्य. स. र शिक्षक अभिभावक संघ		पदाधिकारी	निरन्तर	
९	नागरिक समाज तथा गैर सरकारी संघसंस्था र सरोकारवालाहरु		जिम्मेवार व्यक्ति	आवश्यकता अनुसार	

शैक्षिक उपलब्धि हासिल गर्नका लागि नियमित अनुगमन तथा मूल्याङ्कनका गतिविधि बढाउन पर्ने आवश्यकता भएता पनि गाउँपालिकामा रहेको शिक्षा समिति तथा अन्य समितिबाट विद्यालय शिक्षाको अनुगमन नियमित र प्रभावकारी हुन भने सकेको छैन् । अनुगमन समिति, शिक्षा शाखा, वडा समिति र विव्यस, शिअस तथा अन्य निकायबाट अनुगमन प्रभावकारी हुन सकेको छैन् । विद्यालयको सुपरीवेक्षण तथा पेसागत सहयोग मूल्याङ्कन जस्ता कार्य पनि नियमित गर्न आवश्यक देखिन्छ ।

८.२ उद्देश्य

शैक्षिक योजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयनका लागि नियमित अनुगमन र मूल्याङ्कन कार्य प्रभावकारी गरी लक्षित नतिजा हासिल गर्न निम्नानुसारका उद्देश्यहरु तय गरिएको छ ।

(क) आवश्यकता अनुसारको अनुगमन तथा मूल्याङ्कन मापदण्ड र निर्देशिका तथा रणनीति तयार गरी कार्यान्वयन गर्नु ।

(ख) प्रभावकारी तथा कुशल अनुगमन प्रणाली विकास र नतिजामा आधारित अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रणाली बनाउनु।

(ग) योजना कार्यान्वयनका चरणमा आएका समस्या तथा चुनौतीहरु.लाई समयमै सम्बोधन गरी अपेक्षित उपलब्धि हासिल गर्नु ।

(घ) योजनाको लगानीदेखि प्रभाव तहसम्मको मूल्याङ्कन गरी आवश्यकतामा आधारित योजना निर्माणमा सहयोग गर्नु ।

(ङ) वार्षिक, मध्यावधि तथा अन्तिम मूल्याङ्कन गर्नु र अनुगमन तथा मूल्याङ्कन समिति तथा प्राविधिक समिति गठन गरी परिचालन गर्नु।

८.३ रणनीतिहरु

अनुगमन तथा मूल्याङ्कनका उल्लेखित उद्देश्यहरु प्राप्त गर्नका लागि निम्न बमोजिमका रणनीतिहरु अवलम्बन गरिएको छ ।

क. अनुगमन तथा मूल्याङ्कनका लागि विभिन्न समितिहरुको निर्माण गरिनेछ र यसका लागि रणनीति तथा कार्यविधि निर्माण र कार्यान्वयन गर्ने ।

ख. कार्यक्रमको अनुगमन तथा मूल्याङ्कन र प्रतिवेदनका लागि एकिकृत शैक्षिक सूचना व्यवस्थापन प्रणाली सञ्चालनमा ल्याउने ।

ग. अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रतिवेदन छिटो छरितो र व्यवस्थित बनाइनेछ र अनुगमन तथा मूल्याङ्कन नतिजामुखि बनाइने ।

घ. कक्षाकोठामा सिकाइको अनुगमन, कार्यस्थलमा आधारित अनुगमन, मूल्याङ्कन तथा सुपरीवेक्षण र प्रतिवेदन प्रणालीको विकास गर्ने ।

ङ. विधालयको शिक्षक पेसागत सहयोग र सुपरीवेक्षण संयन्त्रको विकास र सुद्धृढीकरण गर्ने । ,

च. गाउँपालिकाले समन्वय र सहजीकरणको भूमिका खेल्ने व्यवस्था गरिनेछ ।

छ. जनप्रतिनिधिहरुलाई योजनाको अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको कार्यमा संलग्न गराइनेछ ।

ज. शिक्षण सिकाइको अनुगमन सुपरीवेक्षण, मूल्याङ्कन, सहजीकरण प्रणालीलाई व्यवस्थित गरिने र सुद्धृढ बनाइनेछ ।

झ. शैक्षिक योजना तथा कार्यक्रमको नियमित, अद्यावधिक, मद्यावधिक र अन्तिम मूल्याड्कन प्रणाली स्थापित गरिनेछ । यसका लागि गाउँपालिका अध्यक्षको संरकक्षत्वमा र उपाध्यक्षको संयोजकत्वमा वार्षिक, मध्यावधि र अन्तिम मूल्याङ्कन गर्ने ।

ञ. अनुगमन तथा मूल्याङ्कन समिति तथा प्राविधिक समिति गठन गरी परिचालन गर्ने ।

८.४ उपलब्धि तथा नतिजा

माथिका रणनीतिहरुको कार्यान्वयन पश्चात निम्न बमोजिमका उपलब्धिहरु हासिल भएको हुनेछ ।

क. अनुगमन, मूल्याङ्कन, समन्वय र सहजीकरणका माध्यमले योजनाका चुनौतीहरु समाधान भई अपेक्षित उपलब्धि हासिल हुनेछ ।

ख. अनुगमन र मूल्याड्कनमा सस्थागत संरचना निर्माण भएको र क्षमता विकास भएको हुनेछ।

ग. अनुगमन, मूल्याङ्कन, समन्वय र सहजीकरणका माध्यमले नतिजामा सुधार हुनेछ र मूल्याङ्कन पद्धति थप व्यवस्थित र प्रभावकारी भएको हुनेछ ।

घ. शैक्षिक योजनाको प्रभावकारी रुपमा कार्यान्वयन भई समग्रमा विद्यार्थीहरुको शैक्षिक उपलब्धि सुधार भएको हुनेछ ।

ङ. योजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयनका लागि सबै निकाय र सरोकारवालाहरुसंग समन्वय र सहजीकरणले कार्य क्षमतामा कुशलता प्राप्त भएको हुनेछ ।

८.५ प्रमुख क्रियाकलाप र लक्ष्यः

क्र.स	प्रमुख क्रियाकलाप	परिमाण	२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५	बाँकी अवधि	जिम्मेवारी
१	अनुगमन मूल्याङ्कन रणनीति, साधन तथा सूचक निर्माण	पटक		१				१ परिमार्जन	पालिका
२	नियमित अनुगमन शिक्षा शाखाबाट	पटक	६	६	६	६	६	३०	पालिका
३	संयुक्त अनुगमन अर्धवार्षिक	पटक	१	३	३	३	३	१५	पालिका
४	प्रतिवेदन तयारी तथा वार्षिक समीक्षा	पटक	१	१	१	१	१	५	पालिका
५	मध्यावधि मूल्याङ्कन	पटक					१		पालिका
६	अन्तिम मूल्याङ्कन	पटक						१	पालिका
७	शिक्षा समितिको अनुगमन	पटक	१	३	३	३	३	१५	शिक्षा समिति

क्र स	प्रमुख क्रियाकलाप	इकाइ	परिमाण (पाँच वर्षको)					लागत अनुमान (पाँच वर्षको)				
			२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५	२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५
१	टिपीडि र बालविकास शिक्षकको क्षमता विकास तालिम	पटक		प्रति वर्ष	प्रति वर्ष	प्रति वर्ष	प्रति वर्ष		२००	२००	२००	२००
२	बालबालिकाको स्वास्थ्य परीक्षण र खोप तथा वृद्दि विकास अभिलेखिकरण	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित		१००	१००	१००	१००
३	स्थानीय स्तरमा उपलब्ध शैक्षिक तथा खेल सामग्री निर्माणका लागि तालिम तथा प्रयोगात्मक अभ्यास	पटक		१	१	१	१		५००	५००	५००	५००
४	पाठ्यक्रम प्रवोधिकरण तथा पुनर्ताजकी	पटक		१		१			५०		५०	

५.	बालविकास केन्द्रको नक्साङ्कन तथा पुनः वितरण	पटक			१		१			५०		५०
६	अभिभावक शिक्षा र सचेतीकरण कार्यक्रम	पटक		२	२	२	२		५०	५०	५०	५०
७	बालबिकास शिक्षकको उत्प्रेरणा गर्ने प्रोत्साहन र पुरस्कृत	पटक	१	१	१	१	१	१०	१०	१०	१०	१०
८	बालविकास केन्द्रहरुमा खेल तथा शैक्षिक सामग्री व्यवस्थापन	केन्द्र	५	१०	१०	१०	१०					
९	बालविकास केन्द्रहरुमा ६ सिकाइ कर्नरको व्यवस्थापन	केन्द्र	५	१०	१०	१०	१०	१००	२००	२००	२००	२००
१०	बालविकासका बालबालिकालाई स्थानीय उत्पादनमा आधारित खाजाको व्यबस्थापन	जना	८३१	८७०	८९०	९१०	९३०					
११	बालविकासका शिक्षकहरुलाई प्रोत्साहन	जना	४५	४५	४५	४५	४५					
१२	सिकाइमैत्री स्मार्ट कक्षाकोठा व्यवस्थापन	केन्द्र	५	१०	१०	१०	१०	१००	२००	२००	२००	२००
१३	बालविकास कक्षामा सिकाइ कुना	केन्द्र	५	१०	१०	१०	१०	१००	२००	२००	२००	२००
१४	प्रारम्भिक बालविकासका लागि सस्थागत क्षमता विकास जस्तै पालिका समिति वडा समिति गठन र क्षमता विकास	पटक		१	१	१	१		५०	५०	५०	५०
१५	नमूना बालविकास केन्द्र थप गर्ने	वटा		१	१	१	१	०	२००	२००	२००	२००

प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षा								३१०	१७६०	१७६०	१७६०	१७६०
१	विद्यालय भर्ना अभियान कार्यक्रम तथा विद्यालय बाहिर रहेका बालबालिकालाई विद्यालय ल्याउन अभिमुखीकरण	पटक	१	१	१	१	१	५०	५०	५०	५०	५०
२	विद्यालय नक्साङ्कन,पुनर्वितरण समायोजन	पटक		१			१	०	५०			५०
३	शिक्षक कर्मचारी र प्र.अ.लाई आवश्यकतामा आधारित क्षमता विकास तालिम	पटक		१	१	१	१	०	१००	१००	१००	१००
४	वालक्लव, रे.स को किशोरी क्लव गठन पुनर्गठन र क्षमता अभिवृद्धि तालिम	पटक		१	१	१	१		१००	१००	१००	१००
५	वि.व्य.स, शि.अ.सं लाई क्षमता विकास	पटक		१	१	१	१	०	१५०	१५०	१५०	१५०
५	स्टीम ल्याब स्थापना र प्रयोग	विद्यालय		२	२	२	२		५०	५०	५०	५०
६	सिकाइमैत्री स्मार्ट कक्षा कोठा व्यवस्थापन	विद्यालय		५	५	५	५	०	५००	५००	५००	५००
७	कक्षाकोठामा पुस्तकालय र बुकर्याक	विद्यालय	५	१०	१०	१०	६	५०	१००	१००	१००	१००
८	कक्षा ५ र ८ को स्तरीकृत परीक्षा व्यवस्थापन	पटक	१	१	१	१	१	०	०	०	०	०

९	शिक्षण सिकाइ तथा सन्दर्भ सामग्री व्यवस्थापन	विद्यालय	४१	४१	४१	४१	४१	७००	७००	७००	७००	७००
१०	विद्यालयमा दौतरी शिक्षा तथा वाल कलवको क्षमता विकास	विद्यालय		१०	१०	१०	१०		५०	५०	५०	५०
११	शिक्षक पेसागत सहयोग संरचना निर्माण र कार्यान्वयन, विज्ञ समूहलाइ अभिमुखीकरण तथा परिचालन	पटक	१	१	१	१	१	२५०	२५०	२५०	२५०	२५०
१२	अन्तर विद्यालय भ्रमण र सिकाइ आदान प्रदान	पटक		१		१		०	३००		३००	०
१३	पालिका स्तरमा पढाइ उत्सव तथा प्रतियोगिताका कार्यक्रमहरु	पटक		१	१	१	१	०	३००	३००	३००	३००
१४	शिक्षकका लागि सन्दर्भ सामग्री तथा सहायता सामग्री सहयोग	पटक		१	१	१	१		८२	८२	८२	८२
१५	शिक्षक प्रोत्साहन एंव पुरस्कृत कार्यक्रम	पटक	१	१	१	१	१	१०	१०	१०	१०	१०
१६	लेखा तथा प्रशासन व्यवस्थापनका लागि क्षमता विकास	पटक		१		१		०	१५०		१५०	
	आधारभूत तह							१०६०	२९४२	२४४२	२८९२	२४९२
१	कक्षा १२ पढ्ने बालबालिकाको लागि इन्टर्नसिपको व्यवस्था	जना	०	१०	१०	१०	१०	०	१००	१००	१००	१००

२	अति विपन्न विद्यार्थीहरुलाई छात्रवृति	संख्या	०	१०	१०	१०	१०	०	२००	२००	२००	२००
३	मापदण्डअनुसार शिक्षक व्यवस्थापन र परिचालन	पटक		१	१	१	१	०	०	०	०	०
४	विज्ञान, गणित लगायतका विषयका लागि प्रयोगशाला स्थापना तथा सुधार	विद्यालय	१	१	१	१	१	६५०	६५०	६५०	६५०	६५०
५	शिक्षकलाई प्रोत्साहन एंव पुरस्कार	पटक	१	१	१	१	१	१०	१०	१०	१०	१०
६	विद्यार्थी तथा शिक्षक मनोसामाजिकपरामर्श तालिम कार्यक्रम	पटक	१	१	१	१	१	१००	१००	१००	१००	१००
७	शैक्षिक भ्रमण तथा सिकाइ आदान प्रदान	पटक		१		१		०	४००		४००	
८	शिक्षक क्षमता विकास तालिम, पेसागत सहयोग	पटक	१	१	१	१	१	२५०	२५०	२५०	२५०	२५०
९	शिक्षकले प्रअ र प्रअले शिक्षा शाखा संग कार्यसम्पादन सम्झौता	विद्यालय	११	११	११	११	११	०	५५	५५	५५	५५
१०	चौमासिक प्रतिवेदन तथा कार्ययोजना	विद्यालय	११	११	११	११	११	०	०	०	०	०
११	विद्यालयमा स्टीम ल्याब स्थापना र प्रयोग(एकिकृत अभ्यास)	विद्यालय	०	२	२	२	२	०	५०	५०	५०	५०
१२	पुस्तकालयको क्षमता विस्तार, पुस्तक थप तथा प्रयोग र व्यवस्थापन	विद्यालय		१	१	१	१		२००	२००	२००	२००

१३	विद्यालय नर्सको व्यवस्था क्षमता विकास र विद्यालयमा विभिन्न स्वास्थ्य सामग्री थप गर्ने	विद्यालय	०	२	२	२	२		८००	८००	८००	८००
१४	एकिकृत शैक्षिक सूचना व्यवस्थापन तालिम तथा क्षमता अभिवृद्दि	पटक	१	१	१	१	१	१००	२००	२००	२००	२००
१५	पढ्दै , कमाउदै कार्यक्रम	विद्यालय		१	२	२	२		५००	५००	५००	५००
१६	माध्यमिक तहका बालबालिकाको एक विधालय एक परियोजना	विद्यालय		२	२	२	२	०	२००	२००	२००	२००
	माध्यामिक तह							१११०	३७१५	३३१५	३७१५	३३१५
१	प्राविधिक तथा व्यावसायिक धारको विद्यालय स्थापना गर्ने र सञ्चालन	वटा				१				१५००		
२	शिक्षक तथा कर्मचारी व्यवस्थापन	जना				४	४	७००	७००	१४००	१४००	१४००
३	प्रयोगशाला तथा आई.सि.टी ल्याब व्यवस्थापन, र पुस्तकालय	पटक		१		१				६५०		
४	प्राविधिक तथा व्यबसायिक शिक्षा सञ्चालनको लागि अध्ययन तथा कार्यविधि तयारी	पटक			१				५०			
५	छोटा अवधिका आधारभूत तालिमको	पटक	१	१	१	१	१	५००	५००	५००	५००	५००

	व्यवस्था गर्ने											
६	प्राविधिक शिक्षा अध्ययनरत विद्यार्थीका लागि इन्टर्नसिपको प्रबन्ध अति विपन्न	जना		५	५	५	५		५०	५०	५०	५०
प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा								१२००	१३००	४१००	१९५०	१९५०
१	निरक्षरहरुको तथ्याङ्क संकलन	पटक		१					१००			
२	साक्षरता कार्यक्रम तथा निरन्तर सिकाइका कार्यक्रमहरु सञ्चालन	पटक	१	१	१	१	१	३००	३००	३००	३००	३००
३	सामुदायिक सिकाई केन्द्रको अनुगमन, निरीक्षण र सहयोग	पटक	१	१	१	१	१	५०	५०	५०	५०	५०
४	सामुदायिक सिकाई केन्द्रको सुदृढीकरण र क्षमता विकास	पटक	१	१	१	१	१	५०	५०	५०	५०	५०
५	नयाँ सामुदायिक सिकाई केन्द्रको स्थापना र सञ्चालन	वटा			१					३००		
६	सिकाइ केन्द्रमा पुस्तकालयको स्थापना	वटा		१		१			३००		३००	
७	आयआर्जन समूहको गठन, क्षमता विकास र परिचालन	पटक		१	१	१	१		१५००	१५००	१५००	१५००
अनौपचारिक शिक्षा र आजीवन सिकाइ								४००	२३००	२२००	२२००	१९००
१	पाठ्यक्रम अभिमुखीकरण र	पटक		१		१			२५०	०	२५०	०

	तालिम										
२	शिक्षक पेसागत विकास तालिम र क्षमता विकास सहजीकरणमा आधारित	पटक	१	१	१	१	१	२००	२००	२००	२००	२००
३	कक्षाकोठामा आधारित विद्यार्थी मूल्याङ्कनका लागि क्षमता विकास	पटक		१	१	१	१	१००	१००	१००	१००	१००
४	कक्षा ५ र ८ को स्तरिकृत परीक्षा सञ्चालन	पटक	१	१	१	१	२	७००	७००	७००	७००	७००
६	डिजिटल सामाग्रीको प्रयोगमा सहयोग प्रचार प्रसारर क्षमता विकास तथा अभिमुखीकरण	पटक		१	१	१	१	०	५०	५०	५०	५०
७	पाठ्यपुस्तक वितरण	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	४९११	५०००	५००१	५००२	५००३
८	कक्षा ४ देखि ८ को स्थानीय पाठ्यपुस्तक निर्माण	निरन्तर		कक्षा ४ र ५	कक्षा ६ देखि ८	निरन्तर	निरन्तर		७००	७००	१४००	१४००
९	शिक्षण सिकाइ र सन्दर्भ सामग्री वितरण र व्यवस्थापन	विद्यालय	४१	४१	४१	४१	४१	५००	५००	५००	५००	५००
१०	परीक्षा र मूल्याङ्कन प्रणाली सुधारका लागि क्षमता विकास अभमुखीकरण	पटक		१	१	१	१		१००	१००	१००	१००
११	शिक्षकका लागि सहायता सामग्रीको प्रबन्ध पाठ्यक्रम संग सम्बन्धीत	विधालय		४१	४१	४१	४१		८२	८२	८२	८२

पाठ्यक्रम पाठ्यपुस्तक शिक्षण सिकाइ कार्यक्रम								६४११	७६८२	७४३३	८३८४	८१३५
१	शिक्षक व्यवस्थापन र परिचालन तहगत रुपमा वितरण र पुनर्वितरण	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	१३०७२५	१३०८००	१३०९००	१३९००००	१३१५००
२	शिक्षक पेसागत सहयोग प्रणालीको विकास	पटक		१	१	१	१		५००	५००	५००	५००
३	अन्तरविधालय सिकाइ आदानप्रादन भ्रमण	पटक		१		१			२००		२००	
४	पालिकाले प्रअ र प्रअले शिक्षकहरुसँग करार सम्झौता	पटक		१	१	१	१					
५	सिकाइ समूह वैठक/घुम्ती वैठक संचालन गर्ने	पटक		१	१	१	१		१५०	१५०	१५०	१५०
६	तहगत रुपमा उत्कृष्ट कार्य गर्ने शिक्षकलाइ प्रोत्साहन	वार्षिक	१	१	१	१	१	३०	३०	३०	३०	३०
७	एक शिक्षक एक ल्याप्टप अवधारणा कार्यान्वयन	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर		१०००	१०००	१०००	१०००
८	प्रधानाध्यापकलाई प्रअ भत्ता थप	जना		४१	४१	४१	४१		३००	३००	३००	३००
शिक्षक व्यवस्थापन								१३०७५५	१३२९८०	१३२८८०	१३३१८०	१३३४८०
१	अपाङ्गता भएका तथा विभिन्न कारणले विधालय बाहिर रहेका बालबालिकाको पहिचान र तथ्याङ्क अद्यावधिक	पटक		१		१			१००		१००	

२	छात्रवृत्ती कार्यक्रम नियमित छात्रा र दलितलाई	जना						२६३६	२७००	२७२०	२७४०	२७६०
३	अति विपन्न र लक्षित बालबालिकालाई शैक्षिक सामग्रीहरु सहायता	संख्या		२०	२०	२०	२०		२००	२००	२००	२००
४	विद्यालयमा लैङ्गिक तथा समावेशी फोकल शिक्षकको व्यवस्था र क्षमता विकास	विद्यालय		१०	१०	१०	११	०	५०	५०	५०	५५
५	अपाङ्गता भएका बालबालिकाको लागि शैक्षिक सामग्री सहयोग	पटक		१	१	१	१		५०	५०	५०	५०
६	समावेशी तथा समता शिक्षा र क्षमता विकास तालिम र अभिमुखीकरण	पटक		१	१	१	१		१००	१००	१००	१००
शैक्षिक समता र समावेशीकरण								२६३६	३२००	३१२०	३२४०	३१६५
१	प्रारम्भिक बालविकास कक्षा १ मा भर्ना भएका बालवालिका लाई खोप तथा सुक्ष्म पोंषक तत्व वितरण	विद्यालय	४१	४१	४१	४१	४१	०	०	०	०	०
२	स्वस्थकर दिवा खाजाको व्यवस्था	जना	३१११	३१५०	३२००	३२५०	३३००	८६५६	८६७०	८६९०	८७००	८७१०
३	वार्षिकरुपमा विद्यार्थीको नियमितस्वास्थ्य परीक्षण	विद्यालय	४१	४१	४१	४१	४१	८२	८२	८२	८२	८२
४	प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाको पहुँच पुर्याउने	विद्यालय	४१	४१	४१	४१	४१	०	०	०	०	०

५	विद्यालय नर्सको व्यवस्था	विद्यालय	०	३	३	५		०	०	०	०	०
६	फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि डम्पिङ पिट निर्माण, प्रयोग गरेको स्यानीटरी प्याड व्यवस्थापनका लागि रातो बाल्टी, इन्सिनरेटर	विद्यालय	०	११	१९	११			२२०	३८०	२२०	
७	स्यानीटरी प्याड वितरण तथा व्यवस्थापन	विद्यालय	३०	३०	३०	३०	३०	२१०४	२११०	२११५	२१२०	२१२५
८	सरसफाइमा उत्कृष्ट कार्य गर्ने विद्यालयलाई पुरस्कृत गरिने	विद्यालय		१	१	१	१		२५	२५	२५	२५
विद्यालय पोषण र स्वास्थ्य कार्यक्रम								१०८४२	१११०७	११२९२	१११४७	१०९४२
१	विपत् तथा प्रकोप व्यवस्थापन नीति तथा मापदण्ड पुनरावलोकन तथा विपद शिक्षा योजना निर्माण	पटक		१					२५०			
२	विपत् तथा प्रकोप स्थानीय तह र विद्यालयको क्षमता विकास तालिम र अभिमुखीकरण	पटक		१	१	१	१		१००	१००	१००	१००
३	विद्यालयमा विपत् प्रतिकार्य योजना निर्माण र कार्यान्वयन	विद्यालय		११	१९	११			११०	१९०	११०	
४	विपत् पूर्वतयारी, प्रतिकार्य, पुनर्स्थापन	पटक		१	१	१	१		१२०	१२०	१२०	१२०

	तथा उत्थानशीलताका लागि सचेतना शिक्षक तथा विव्यस तालिम											
५	हरित विद्यालय अवधारणाको कार्यान्वयन	विद्यालय		१०	१०	१०	११		३००	३००	३००	३३०
६	विपतमा शैक्षिक क्रियाकलाप सञ्चालनका लागि सिकाइ सहजीकरणका सामग्रीको तयारी र व्यवस्थापन	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	४००	४००	४००	४००	४००
७	विपत् प्रतिकार्यका लागि सिकाइ सामग्री तयारी	पटक		१	१	१	१	४००	४००	४००	४००	४००
विपत् व्यवस्थापन र उत्थानशिलता								८००	१६८०	१५१०	१४३०	१३५०
१	बालमैत्री अपाङ्तामैत्री तथा भूकम्प प्रतिरोधी भवन तथा पूर्वाधार निर्माण, मर्मत तथा सवलिकरण	पटक		१	१	१	१	९०००	१२०००	१२०००	१२०००	१२०००
२	भौतिक पूर्वाधार व्यवस्थापनका लागि अभिमुखीकरण तथा क्षमता विकास	पटक		१		१		०	५००		५००	
३	भौतिक पूर्वाधारको अवस्था बिश्लेषण तथा प्रोफाईल तयारी	पटक		१					५००			
४	खेलमैदानहरुको विस्तार र व्यवस्थापन	पटक	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	२०००	२०००	२०००	२०००	२०००
५	शौचालय , खानेपानी तथा फर्निचरहरुको व्यवस्थापन तथा मर्मत	पटक	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	४५००	५६००	५७००	५८००	५९००

	सम्भार											
विद्यालय भौतिक पूर्वाधार								१५५००	२०६००	१९७००	१९८००	१९९००
१	विद्यालयमा ICT संरचना विस्तार गरी इलाइब्रेरी स्थापना	विद्यालय	०	५	६	६	६	०	५००	६००	६००	६००
२	प्रत्येक विद्यालयमा Internet Connectivity को व्यवस्था	संख्या	०	५	१०	११		०	१००	200	२२०	
३	कक्षा १ देखि ५ सम्म पठन पाठनमा डिजिटल माध्यमको प्रयोग वा ICT प्रयोग	विद्यालय	०	१०	१०	१०	११	०	२००	२००	२००	२२०
४	शिक्षकको क्षमता विकास कम्प्युटर र सूचना प्रणाली व्यवस्थापनमा	पटक		१	१	१	१	०	२००	२००	२००	२००
५	सूचना प्रविधि प्रशिक्षकको व्यवस्था	संख्या		२	नियमित	नियमित	नियमित	०	७००	७००	७००	७००
६	IEMIS व्यवस्थापन तालिम	पटक		१	१	१	१	०	१५०	१५०	१५०	१५०
७	विद्यालयहरुमा वेभसाइट, विद्युतीय हाजिरी र सी.सी. क्यामेराको व्यवस्था	संख्या		५	५	५	५	०	१५०	१५०	१५०	१५०
८	सामुदायिक केन्द्रमा सूचना, सञ्चार प्रयोग सम्वन्धी प्राविधिक सिप प्रदान गर्ने	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	०	०	०	०	०
९	सूचना सञ्चार सही प्रयोग विषयमा रेडियो कार्यक्रम	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	०	५०	५०	५०	५०

१०	शिक्षकको क्षमता विकास, विद्यार्थि पठनपाठनमा सघाउ पुग्ने खालका अनलाइन बैठक तथा तालिम सञ्चालन	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	२०	२०	२०	२०	२०
११	अनलाइन सिकाइ आदान प्रदान बैठक	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	नियमित	०	०	०	०	०
विद्यालय सूचना तथा सञ्चार प्रविधि								२०	२०७०	२२७०	२२९०	२०९०
१	भौतिक पूर्वाधार निर्माणमा सहयोग	क्याम्पस		१		१			१०००		१०००	
२	शिक्षक व्यवस्थापन अनुदान	पटक		१	१	१	१		०	०	०	०
३	सूचना तथा प्रविधिको पहुँचमा वृद्धि	क्याम्पस			१		१			२००		२००
४	विपन्न वर्गको लागि छात्रबृत्ति	जना	०	१०	१०	१०	१०		२००	२००	२००	२००
४	उच्च शिक्षामा अध्ययनरत विद्यार्थीका लागि परियोजना मार्फत् छात्रबृत्ति	जना		५	५	५	५		१००	१००	१००	१००
उच्च शिक्षा									१३००	५००	१३००	५००
१	पुस्तकालयको स्थापना इ-पुस्तकालय सहित	वटा		१		१		०	५००		५००	
२	समुदाय तहमा पठन संस्कृतिको लागि सचेतनामुलक कार्यक्रम	पटक		१	१	१	१		५०	50	५०	50
३	सामुदायिक पुस्तकालयको	पटक		१		१			१००		१००	

	सस्थागत क्षमता विकास											
सामुदायिक पुस्तकालय								०	६५०	५०	६५०	५०
१	स्थानीयस्तरको खेलकुद संरचनाको विकास	पटक		१		१			१०००		१०००	
२	विभिन्न खेलकुद सम्बन्धी निकायहरुसंग सहकार्य र समन्वय	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	२०	२०	२०	२०	२०
३	अन्तर विधालय खेलकुद प्रतियोगिता	पटक	१	१	१	१	१	७००	७००	७००	७००	७००
४	समुदायस्तरमा युवा खेलकुद प्रतियोगिता	पटक		१	१	१	१		२००	२००	२००	२००
५	विधालय तथा युवा स्तरका खेलकुदका लागि आवश्यक कार्यविधि र निर्देशिका तयारी	विद्यालय		१					१००			
६	खेलकुद सामग्री व्यवस्थापन	पटक	१	१	१	१	१	२००	३००	४००	५००	१०००
७	उत्कृष्ट खेलाडी तथा प्रशिक्षकहरुलाई सम्मान	पटक		१	१	१	१		२०	२०	२०	२०
८	विद्यालयमा खेलकुद प्रशिक्षकको व्यवस्थापन	जना		२		२			७०	७०	७०	७०
९	अध्यक्ष कप सञ्चालन र व्यवस्थापन	पटक		१	१	१	१		५००	५००	५००	५००
युवा तथा खेलकुद								९२०	३५४०	२५४०	३६४०	३१४०
१	विभिन्न अपुग शैक्षिक कानुन, मापदण्ड कार्यविधि निर्माण	पटक		१	१			३००	३००			

२	सस्थागत क्षमता विकास तालिम	पटक		१	१	१	१		१५०	१५०	१५०	१५०
३	कार्यसम्पादन करार सम्झौता र स्वमूल्याङ्कन	विद्यालय		११	४१	४१	४१	०	०	०	०	०
४	विद्यालय व्यवस्थापन समिति र शिअसको क्षमता विकास	पटक		१	१	१	१		50	50	50	50
५	लेखा परीक्षण तथा सामाजिक परीक्षण तथा विधालय सुधार योजनाका लागि क्षमता विकास	विद्यालय	१	१	१	१	१	२३००	२३२०	२३४०	२३६०	२४००
६	गुनासो सुनुवाइ संयन्त्रको विकास र व्यवस्थापन	विद्यालय	११	३०				३३	९०			
७	बडापत्रको व्यवस्थापन	विद्यालय		११	३०				५५	१५०		
८	बालिका तथा समावेशी सञ्जालको गठन तथा क्षमता विकास	पटक	१		१		१	५०		५०		५०
९	प्रधानाध्यापकको नियमित बैठक	पटक	६	६	६	६	६	१००	२००	३००	३००	३००
१०	शैक्षिक पात्रो निर्माण	पटक	१	१	१	१	१	२००	२००	२००	२००	२००
	विधालय व्यवस्थापन र सुशासन							२९८३	३३६५	३३२४०	३०६०	३१५०
१	वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम निर्माण	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	निरन्तर	०	०	०	०	०
२	शैक्षिक योजना कार्यान्वयनका लागि सहभागिता बढाउन	पटक		१	१	१	१		२००	२००	२००	२००

	शैक्षिक वहस तथा पैरवी र समन्वय											
३	योजना कार्यान्वयनको लागि मार्गदर्शन निर्माण	पटक		१					२००			
४	विभिन्न निकाय संगको समन्वय र सञ्चार	पटक	१	१	१	१	१	०	०	०	०	०
५	योजना कार्यान्वयनको प्रभावकारीताका लागि विद्यालयमा अध्यक्ष उपाध्यक्ष संग विधालय कार्यक्रम (कार्यविधि सहित)	पटक		१	१	१	१		१०००	१०००	१०००	१०००
	योजना कार्यान्वयन							०	१४००	१२००	१२००	१२००
१	अनुगमन मूल्याङ्कन रणनीति, साधन तथा सूचक निर्माण	पटक		१				०	१५०			
२	नियमित अनुगमन शिक्षा शाखाबाट	पटक	६	६	६	६	६	३००	३००	३००	३००	३००
३	संयुक्त अनुगमन अर्धवार्षिक	पटक	१	३	३	३	३	२००	२००	२००	२००	२००
४	प्रतिवेदन तयारी तथा वार्षिक समीक्षा	पटक	१	१	१	१	१	५०	५०	५०	५०	५०
५	मध्यावधि मूल्याङ्कन	पटक					१					५००
६	अन्तिम मूल्याङ्कन	पटक										
७	शिक्षा समितिको अनुगमन	पटक	१	३	३	३	३	५०	१५०	१५०	१५०	१५०
	अनुगमन तथा मूल्याङ्कन							६००	८५०	७००	७००	१२००